@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 16 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 341 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नौ साल बाद पाकिस्तान पहुंचा भारत का कोई विदेश मंत्री

इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर। विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को पाकिस्तान के इस्लामाबाद पहुंच गए। वे यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मलेन में हिस्सा लेंगे। यह भारत के किसी विदेश मंत्री की तरफ से नौ साल बाद पाकिस्तान का दौरा है। पाकिस्तान इस साल 15 और 16 अक्तूबर को एससीओ समिट का आयोजन कर रहा है। जयशंकर का स्वागत करने के लिए नूर खान एयरबेस पर कई पाकिस्तानी अफसर मौजूद रहे। गौरतलब है कि बीते नौ वर्षों में कश्मीर और सीमापार आतंकवाद के मुद्दों को लेकर दोनों देशों के रिश्ते ठंडे रहे हैं। ऐसे में किसी भी भारतीय मंत्री की तरफ से पाकिस्तान का दौरा दूर की कौड़ी ही रहा। बता दें कि पाकिस्तान जाने वाली आखिरी विदेश मंत्री सुषमा स्वराज रही थीं। वे दिसंबर 2015 में अफगानिस्तान पर एक कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए इस्लामाबाद पहुंचीं थीं। एससीओ की बैठक में भाग लेने के लिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर के पाकिस्तान पहुंचने से कुछ घंटे पहले ही कहा कि वह इस प्रभावशाली क्षेत्रीय समूह के विभिन्न तंत्रों से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। दूसरी तरफ विदेश मंत्रालय ने कहा, ''एससीओ सीएचजी बैठक हर वर्ष आयोजित की जाती है और इसमें संगठन के व्यापार एवं आर्थिक एजेंडे पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।'' जयशंकर की यात्रा की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि इस्लामाबाद पहुंचने के तुरंत बाद उनके एससीओ सदस्य देशों के प्रतिनिधियों का स्वागत करने के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा आयोजित एक भोज समारोह में शामिल होने की संभावना है।

महाराष्ट्र में एक तो झारखंड में दो चरणों में मतदान, 23 नवंबर को आएंगे नतीजे

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। चुनाव आयोग के अनुसार, महाराष्ट्र में 20 नवंबर को एक चरण में मतदान होगा। 23 नवंबर को चुनाव के नतीजों का एलान कर दिया जाएगा। वहीं झारखंड में 13 नवंबर और 20 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा। झारखंड चुनाव के नतीजों का एलान भी 23 नवंबर को होगा। महाराष्ट्र में एक चरण में विधानसभा चुनाव होने के एलान पर कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि राज्य सरकार को पर्याप्त समय दिया गया है कि वह अपने सारे मुद्दों को सुलझा लें। महाविकास अघाड़ी भी पूरी तरह से चुनाव के लिए तैयार है और भाजपा को भी पता है कि उन्हें महाराष्ट्र में कुछ नहीं मिलने वाला और महा विकास अघाड़ी की पूर्ण बहुमत से सरकार बनेगी। वहीं एनसीपी एसपी नेता अनिल देशमुख ने कहा कि महाविकास अघाड़ी चुनाव के लिए तैयार है। सीटों के बंटवारे का जल्द एलान कर दिया जाएगा। हम विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करेंगे। चुनाव आयोग के मतदान की तारीखों का एलान करने पर झारखंड कांग्रेस के नेता राजेश ठाकुर ने कहा कि 2024 में होने वाले चुनाव 2019 में हुए चुनाव की तुलना में एक माह पहले हो रहे हैं लेकिन हम पूरी तरह से तैयार हैं। हमें विश्वास है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। लोगों में चुनाव को लेकर उत्साह है और मतदान प्रतिशत में भी इजाफा होगा। झारखंड कांग्रेस के नेता केशव महतो ने कहा कि हम चुनाव आयोग द्वारा घोषित तारीखों का स्वागत करते हैं। हम तैयार हैं और झारखंड के लोग मन बना चुके हैं कि वे फिर से गठबंधन सरकार को चुनेंगे। जिन दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें केरल की वायनाड लोकसभा सीट और महाराष्ट्र की नांदेड़ सीट शामिल हैं। जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें असम की धोलाई, सिडली, बोनगाईगांव, बेहाली और सामागुरी शामिल हैं। वहीं बिहार की रामगढ़, तराई, इमामगंज और बेलागंज सीट पर उपचुनाव होने हैं। छत्तीसगढ़ की रायपुर सिटी साउथ सीट पर, गुजरात की वाव सीट पर, कर्नाटक की शिगांव, संदूर और चन्नापाटना सीट शामिल हैं। केरल की पलक्कड़ और चेलाक्कारा सीट पर उपचुनाव होने हैं। मध्य प्रदेश की बुधनी और विजयपुर, मेघालय की गामबेगरे, पंजाब की गिद्दरबाहा, डेरा बाबा नानक, बरनाला और छब्बेवाल सीट पर उपचुनाव होने हैं। राजस्थान की चौरासी, खिंवसर, दौसा, झुनझुनु, देवली उनियारा, सालंबर और रामगढ़ सीटों, सिक्किम की सोरेंग चकुंग, नामची सिंगिथांग, उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, करहल, फूलपुर, काटेहरी, मझवां, सीसामऊ सीटों पर उपचुनाव होंगे। उत्तराखंड की केदारनाथ और पश्चिम बंगाल की तालडंगरा, सिताई, नैहाटी, हरोआ, मेदिनीपुर और मदरीहाट सीट पर भी उपचुनाव के लिए मतदान होगा। उपचुनाव असम की पांच विधानसभा सीटों, बिहार की 4 सीटों, छत्तीसगढ़ की एक सीट, गुजरात की एक, कर्नाटक की 3, केरल की तीन (दो विधानसभा सीटों और एक लोकसभा सीट), मध्य प्रदेश की दो सीटों, महाराष्ट्र की एक लोकसभा सीट और मेघालय की एक विधानसभा सीट पर उपचुनाव होंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि पिछले 15-20 चुनाव देखें तो हर चुनाव में अलग-अलग नतीजे आए हैं और ऐसा नहीं हो सकता कि जब मनमाकिफ नतीजे न आएं तो सवाल उठाए जाएं। सीईसी ने कहा कि ईवीएम में सिंगल यूज बैट्री है और जब ये डाली जाएगी तो ये लंबे समय तक चलती है। जब शुरू हुई तो वो 100 फीसदी थी, लेकिन जैसे जैसे वो इस्तेमाल होगी तो बैट्री लाइफ कम होगी। मॉक पॉल के दौरान इस्तेमाल होने की वजह से बैट्री चार्जिंग अलग-अलग हो सकती है। सीईसी ने कहा कि ईवीएम में जो बैट्री डाली जाती है, उस पर भी एजेंट्स के हस्ताक्षर होते हैं।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज: सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 31 वर्षीय महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के अलावा अस्पताल की कथित वित्तीय अनियमितता के मामले में सीबीआई जांच जारी रहेगी। अदालत ने केंद्रीय जांच एजेंसी को तीन हफ्ते के बाद अपनी जांच में हुई प्रगति के बारे में कोर्ट को सूचित करने का निर्देश भी दिया। इससे पहले सीबीआई की पैरवी कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आरजी कर मामले में जांच से संबंधित अद्यतन स्थिति रिपोर्ट शीर्ष अदालत में दाखिल कर दी गई है। मेहता ने बताया कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए दुष्कर्म मामले के संबंध में संबंधित अदालत-सियालदह की कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। शुरुआती दलीलों को सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने कहा, सीबीआई रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि दुष्कर्म और हत्या के मामले में अन्य लोगों की कथित भूमिका की जांच जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की तरफ से दाखिल स्थिति रिपोर्ट पर गौर किया। सीबीआई ने इसमें कहा है कि आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया गया है। संबंधित अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान ले लिया है। सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की वित्तीय अनियमितताओं की जांच में सामने आए घटनाक्रम पर भी प्रकाश डाला। तथ्यों का अवलोकन करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दोनों मामलों में आगे की जांच जारी रहेगी। कोर्ट ने सीबीआई को तीन सप्ताह के भीतर मामले की जांच में आगे की स्थिति पर रिपोर्ट दाखिल देने को भी कहा। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। तीन जजों की पीठ ने दलीलों को सुनने के बाद पिछली तारीख पर सुनवाई के दौरान बीते 30 सितंबर को पश्चिम बंगाल सरकार के रवैये को लेकर असंतोष जाहिर किया था। कोर्ट ने सीसीटीवी लगाने, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शौचालय और अलग विश्राम कक्षों के निर्माण में सुस्ती पर असंतोष व्यक्त करते हुए राज्य सरकार को 15 अक्तूबर तक सभी लंबित कामों को पूरा करने का निर्देश दिया था। गौरतलब है कि बीते 8-9 अगस्त की दरम्यानी रात कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल के सेमिनार हॉल में 31 वर्षीय महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की जघन्य वारदात हुई। अपराधियों ने महिला को मौत की नींद भी सुला दिया। इस घटना से आक्रोशित डॉक्टर इंसाफ की मांग के साथ गत 10 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल भी कर रहे हैं। कई डॉक्टरों की तबीयत बिगड़ने की खबरें भी आ चुकी हैं। इससे पहले देशभर में विरोध प्रदर्शन भी हुए। पश्चिम बंगाल समेत देशभर की तमाम अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए गए। अब सुप्रीम कोर्ट ने मामले का स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई शुरू की है।

चाहे 84 का हो जाऊं या 90 साल का, ये बूढ़ा रुकेगा नहीं: शरद पवार

मुंबई, 15 अक्टूबर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का एलान होने ही वाला है। इन चुनावों में महायुति को टक्कर देने के लिए महाविकास अघाड़ी ने कमर कस ली है। खासकर राज्य के अनुभवी नेताओं ने आगे आकर अपने दलों की कमान संभाल ली है। इनमें सबसे आगे राकांपा-एससीपी के नेता शरद पवार का नाम है, जिन्होंने अपनी उम्र और राजनीति को लेकर अहम बयान दिया है। पवार ने कहा है कि वे चाहे 84 वर्ष के हो जाएं या 90 साल के, वे तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक महाराष्ट्र को सही रास्ते पर नहीं ले जाते। दरअसल, हाल ही में जब शरद पवार चुनाव से जुड़े एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, तभी कुछ युवाओं ने उनके सामने एक बोर्ड का प्रदर्शन किया, जिसमें पवार की उम्र को लेकर तंज कसा गया था। इसमें लिखा था- 84 साल पुराना। वृद्धावस्था को लेकर इस कटाक्ष पर शरद पवार ने यह बात कही। शरद पवार ने उस पोस्टर को लेकर ही अपना जवाब दिया है। उन्होंने कहा, आप चिंता न करें। हमें बहुत दूर तक जाना है। ये बूढ़ा आदमी रुकेगा नहीं। चाहे 84 वर्ष का हो जाऊं या 90 का। ये बूढ़ा आदमी तब तक नहीं रुकेगा, जब तक महाराष्ट्र को सही रास्ते पर नहीं पहुंचा देता। चुनाव आयोग मंगलवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करेगा। इसके साथ ही झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का भी एलान होगा। ईसी आज ही उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव की तारीखों का एलान भी कर सकता है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है।

प्रियंका केरल से शुरू करेंगी सियासी पारी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। निर्वाचन आयोग ने दो राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव कराने का एलान भी कर दिया है। मतदान 13 नवंबर को कराए जाएंगे। नतीजों की घोषणा 23 नवंबर को होगी। केरल की वायनाड सीट से राहुल गांधी कांग्रेस सांसद थे। हालांकि, इस बार उन्होंने ये सीट खाली कर दी। अब संभावना है कि उनकी बहन और कांग्रेस की स्टार नेत्री प्रियंका गांधी वायनाड लोकसभा सीट से अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत कर सकती है। अगर प्रियंका गांधी लोकसभा चुनाव जीतती हैं, तो वह मौजूदा संसद में गांधी परिवार से तीसरी सांसद होंगी। भाई राहुल लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं, जबकि मां सोनिया गांधी राज्यसभा की सदस्य हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसी साल जून में घोषणा की थी कि गांधी परिवार की पारंपरिक सीट रायबरेली को राहुल गांधी बरकरार रखेंगे। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी के वायनाड सीट खाली करने के बाद कांग्रेस इस लोकसभा सीट से प्रियंका गांधी को मैदान में उतारेगी। इस मौके पर मौजूद रहे राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी के जीतने का भरोसा जताते हुए कहा था कि अब रायबरेली और वायनाड दोनों को दो-दो सांसद मिलेंगे। राहुल गांधी ने 2019 और 2024 में वायनाड से लोकसभा चुनाव जीता था। अब वह लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। सक्रिय राजनीति में उतरने से पहले प्रियंका गांधी अमेठी और रायबरेली निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावी रैली, रोड शो जैसे कार्यक्रमों में दिखती रही हैं। जब खरगे ने प्रियंका गांधी के वायनाड से चुनाव लड़ने की घोषणा की, उसके बाद खुद प्रियंका ने कहा था कि अमेठी और रायबरेली से उनका दशकों पुराना जुड़ाव जारी रहेगा। उन्होंने कहा था, मुझे वायनाड का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम माना गया, इसकी बहुत खुशी है। मैं यहां के लोगों को राहुल गांधी अनुपस्थिति महसूस नहीं होने दूंगी। मैं कड़ी मेहनत करूंगी और सभी को खुश कर अच्छा प्रतिनिधि बनने की पूरी कोशिश करूंगी। साथ ही रायबरेली और अमेठी से मेरा बहुत पुराना रिश्ता है जिसे तोड़ा नहीं जा सकता। मैं रायबरेली में भी अपने भाई की मदद करूंगी। हम दोनों रायबरेली और वायनाड में मौजूद रहेंगे। बता दें कि मंगलवार को केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का एलान किया। इसी के साथ आयोग ने खाली लोकसभा सीटों और 45 से अधिक विधानसभा सीटों पर उपचुनाव कराने का एलान भी किया। आयोग की प्रेस वार्ता के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि उपचुनाव के लिए वोट 13 नवंबर को डाले जाएंगे।

आदर्श आचार संहिता से पहले दिवाली बोनस का एलान

सौरभ शर्मा

मुंबई, 15 अक्टूबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ा एलान किया। उन्होंने निचले स्तर के सरकारी कर्मचारियों के लिए दिवाली बोनस की घोषणा की। शिंदे ने कहा कि बीएमसी (बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कारपोरेशन) कर्मचारियों को भी 29 हजार रुपये बोनस मिलेगा। खास बात यह है कि इस साल राशि पिछली बार हुई घोषणा की तुलना में तीन हजार रुपये ज्यादा है। सरकार ने यह भी कहा है कि किंडरगार्टन (चत्न) कक्षा के बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षकों और आशा वर्कर्स को भी बोनस का लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि इससे पहले राज्य सरकार मदरसा शिक्षकों का वेतन बढ़ाने का एलान भी कर चुकी है। सरकार की आज की घोषणा इसलिए भी अहम है क्योंकि विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता (स्ष्ट) लागू हो गई है। अब किसी भी तरह के सरकारी लाभ वाले एलान पर पाबंदी रहेगी। हालांकि, कुछ अति विशिष्ट परिस्थितियों में निर्वाचन आयोग की मंजूरी के बाद सरकार पैसे जारी कर सकती है। इससे पहले बीते 11 अक्तूबर को राज्य सरकार ने मदरसा शिक्षकों का पारिश्रमिक बढ़ाने का एलान किया। सीएम शिंदे की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य की कैबिनेट ने डीएड डिग्री वाले मदरसा शिक्षकों का मानदेय 6,000 रुपये से बढ़ाकर 16,000 रुपये और बीए, बीएड और बीएससी डिग्री वाले शिक्षकों का वेतन 8,000 रुपये से बढ़ाकर 18,000 रुपये करने का भी फैसला किया। महाराष्ट्र में सियासी गतिविधियों के तेज होने और सरकार के हालिया फैसलों के बीच यह जानना भी दिलचस्प है कि अगले 38 दिनों के बाद राज्य में नई सरकार का गठन होगा। चुनाव आयोग ने 20 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को नतीजों की घोषणा करने का एलान कर दिया है। प्रदेश की राजनीति में फिलहाल मुकाबला रोचक इसलिए भी है क्योंकि नेताओं-विधायकों का पाला बदलने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। फिलहाल सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना-भाजपा और अजित पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) महायुति सरकार में शामिल है। महाराष्ट्र में इस बार सियासी मुकाबला बेहद दिलचस्प होने के आसार हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि लगभग 25 महीने पहले जून, 2022 में महाविकास अघाड़ी (स्ड्ढ) सरकार गिरी थी। इसके बाद भाजपा समर्थित सरकार बनी। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ह्रष्टक्क) के दो-फाड़ होने के बाद राज्य में पहली बार विधानसभा चुनाव होंगे। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा में फिलहाल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (ह्रष्ठ) की सरकार के पास 202 विधायकों का समर्थन है। 102 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। अजीत पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ह्रष्टक्क) के 40 विधायक हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के 18 विधायक हैं। 14

मिल्कीपुर को छोड़कर यूपी की नौ विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को होंगे उपचुनाव, 23 को नतीजे

लखनऊ, 15 अक्टूबर। यूपी उपचुनाव को लेकर आज चुनाव आयोग ने तारीख का एलान किया। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव होंगे और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। बता दें कि प्रदेश की 10 सीटों पर उपचुनाव होने थे लेकिन कोर्ट में दायर याचिका की वजह से मिल्कीपुर में उपचुनाव की तारीख का एलान नहीं किया गया है। यूपी के साथ ही पंजाब उपचुनाव और महाराष्ट्र-झारखंड विधानसभा की चुनावी तारीखों का भी एलान किया गया। यूपी में नौ विधानसभा सीटों करहल (मैनपुरी), सीसामऊ (कानपुर), कटेहरी (अंबेडकरनगर), कुंदरकी (मुरादाबाद), खैर (अलीगढ़), गाजियाबाद, फूलपुर (प्रयागराज), मझवा (मिर्जापुर) और मीरापुर (मुजफ्फरनगर) पर उपचुनाव होने हैं। सीसामऊ सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है जबकि 9 विधायक, लोकसभा सदस्य बन चुके हैं। यूपी की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव के लिए भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व ने नौ सीटों पर खुद चुनाव लड़ने का फैसला किया है। साथ ही इन सीटों के लिए नौ प्रत्याशियों के नाम को भी फाइनल कर दिया है। यह भी तय किया गया है कि उप चुनाव नए चेहरों को ही अधिक मौका दिया जाएगा। हालांकि इन प्रत्याशियों के नाम की घोषणा उप चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद की जाएगी। दिल्ली में रविवार को बैठक हुई, जिसमें मीरापुर सीट को रालोद को देने पर सहमति बनी है। यह 2022 में भी रालोद यहां से जीती थी। जबकि नौ सीटों पर भाजपा अपने सिंबल पर चुनाव लड़ाएगा। उपचुनाव के लिए सपा द्वारा घोषित किए गए उम्मीदवारों में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग से हैं। सपा ने प्रत्याशियों की घोषणा के साथ ही नारा भी दिया था - होगा पीडीए के नाम, एकजुट मतदान। हालांकि, सपा ने सियासी परिवारों से ही पत्नी, बेटे-बेटियों या भाई को मौका दिया है।

भारत ने पीएम कनाडाई के दावे को खारिज किया

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर कनाडा और भारत आमने-सामने हैं। दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा। कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के बाद कनाडा पुलिस ने भी बेशर्मी से आरोप लगाया। अब तक कनाडा में हुई किसी भी हत्या में किसी भारतीय सरकारी अधिकारी के शामिल होने के बारे में सबूत देने में नाकाम रही ट्रूडो सरकार फिर बिना सबूतों के मीडिया के सामने आई। हालांकि, अब भारत ने भारतीय एजेंटों को कनाडा में आपराधिक गिरोहों से जोड़ने के कनाडा के प्रयासों को मंगलवार को खारिज कर दिया। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि यह बिल्कुल भी सच नहीं है कि कनाडा ने निज्जर मामले में भारत के साथ सबूत साझा किए थे। उसका सिर्फ भारत पर अस्पष्ट आरोप लगाने का मकसद है। निज्जर मामले में भारत के खिलाफ कनाडा के आरोपों पर सूत्रों ने कहा, कनाडा का दृष्टिकोण अस्पष्ट आरोप लगाने और भारत पर इनकार का बोझ डालने का है। इतना ही नहीं, कनाडाई अधिकारियों का यह दावा बिलकुल भी सच नहीं है कि कनाडा ने निज्जर मामले में भारत को विश्वसनीय सबूत पेश किए हैं। सूत्र ने कहा, कनाडा के पीएम ट्रूडो ने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कुछ भी नया नहीं कहा। वह वहीं पुरानी बातें दोहरा रहे थे। उनके सभी अधिकारियों का मुख्य दावा यह है कि भारत के सामने विश्वसनीय सबूत पेश किए गए हैं। यहां तक कि उनके राजनयिक ने भी यही दोहराया। जबकि यह बिल्कुल सच नहीं है। शुरुआत से ही कनाडा का मकसद अस्पष्ट आरोप लगाने और भारत पर इनकार का बोझ डालने का रहा है। उन्होंने आगे कहा, प्रधानमंत्री ट्रूडो की प्रेस वार्ता में कुछ व्यक्तियों के भारत से कनेक्शन के बारे में दावे किए गए थे। किसी भी मामले में कोई खास जानकारी नहीं दी गई। लोगों को जवाबदेह ठहराने की बात भी कही गई। लेकिन यह कभी स्पष्ट नहीं किया गया कि कौन और किसके लिए। यह बेतुका है कि पिछले साल उच्चायुक्त के साथ गहनता से पेश आने के बाद कनाडा सरकार अब उन्हें निशाना बनाने का फैसला कर रही है। कनाडाई पुलिस के इस आरोप पर कि भारतीय एजेंट दक्षिण एशियाई समुदाय को निशाना बनाने के लिए कनाडा में अपराधियों का इस्तेमाल करते हैं, सूत्र ने कहा कि इस विषय में कोई जानकारी नहीं दी गई है। गौरतलब है, लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच कनाडा ने सोमवार को एक बार फिर आपत्तिजनक बयान दिया था। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि भारत कनाडा में मौलिक त्रुटि कर रहा है। जब वे यह बयान दे रहे थे उस समय कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा और अंतर-सरकारी मामलों के मंत्री डोमिनिक लेब्लांक और विदेश मामलों की मंत्री मेलानी जोली भी मौजूद थीं। उनका यह बयान भारत से कनाडाई राजनयिकों के निकाले जाने के बाद आया है। ओटावा में ट्रूडो ने कहा था कि दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच आगामी बैठक अहम साबित होगी। उन्होंने कहा था कि पिछले सप्ताह के अंत में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात के दौरान भी इसके महत्व को रेखांकित किया था। ट्रूडो ने कहा था, भारत ने यह सोचकर बुनियादी गलती की है कि वे कनाडा की धरती पर कनाडाई लोगों के खिलाफ हत्या या जबरन वसूली जैसे आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। कनाडाई प्रधानमंत्री ने दावा किया था कि तनाव के बावजूद उनका देश भारत के साथ काम करने को प्रतिबद्ध है। ट्रूडो ने भारत एक महत्वपूर्ण लोकतंत्र बताते हुए कहा था कि दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण बने रहें, यह अच्छी स्थिति नहीं हो सकती।

रूसी वायु रक्षा ने तीन यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट किया

एजेंसी

मॉस्को। रूस की वायु रक्षा प्रणालियों ने बेलगोरोड, कुर्स्क और तुला क्षेत्रों में रात तीन यूक्रेनी ड्रोनों को नष्ट कर दिया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, पिछली रात, कीव शासन द्वारा रूसी संघ के क्षेत्र पर मानव रहित हवाई वाहनों का उपयोग करके आतंकवादी हमले को अंजाम देने का प्रयास किया जा रहा था, जिस दौरान तीन यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग ड्रोनों को बेलगोरोड, कुर्स्क और तुला क्षेत्रों में वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा नष्ट कर दिया गया।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया से जोड़ने वाली सड़क तबाह की, दोनों देशों में बढ़ा तनाव

सियोल। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया को जोड़ने वाली सड़कों को तबाह कर दिया है। दक्षिण कोरिया का यह दावा ऐसे समय आया है, जब दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। उत्तर कोरिया का आरोप है कि दक्षिण कोरिया ने उनकी राजधानी प्योंगयांग के ऊपर ड्रोन्स उड़ाए हैं। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में उत्तर कोरिया द्वारा मंगलवार को सड़कों के कुछ हिस्सों को तबाह करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया की सेना पूरी तत्परता से हालात पर नजर बनाए हुए है। इससे एक दिन पहले ही उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने शीर्ष सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई थी। बैठक के दौरान, किम ने कथित तौर पर प्योंगयांग के ऊपर दक्षिण कोरियाई ड्रोन उड़ानों को दुश्मन की उकसावे वाली कार्रवाई बताया और देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए तत्काल सैन्य कार्रवाई की बात कही। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। उत्तर कोरिया ने सीमा पर तोपों और अन्य सैन्य इकाइयों को दक्षिण कोरियाई सीमा पर तैनात कर दिया है और अगर दक्षिण कोरिया की तरफ से कोई भी उकसावे वाली कार्रवाई होती है तो हमले के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है।

'पाकिस्तान के साथ संबंधों की दिलाते हैं याद', भारत-कनाडा रिश्तों पर बोले विदेश नीति विशेषज्ञ

वाशिंगटन। अमेरिका में रहने वाले विदेश नीति विशेषज्ञ और विल्सन सेंटर में दक्षिण एशिया संस्थान के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने कनाडा के साथ भारत के बिगड़ते संबंधों और पाकिस्तान के साथ लंबे समय से चले आ रहे तनावपूर्ण संबंधों के बीच एक निराशाजनक तुलना की। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा रिश्ता है जो अब बहुत निचले स्तर पर पहुंच चुका है और वास्तव में, हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए, निश्चित रूप से इन बेहद गंभीर आरोपों के संदर्भ में भारत के पाकिस्तान के साथ संबंधों की याद दिलाता है। वहीं वरिष्ठ राजनयिकों को निष्कासित किए जाने के संदर्भ में, साथ ही सरकारी बयानों में तीखी भाषा का उपयोग, यह सब वहां है और निश्चित रूप से, मुख्य आरोप जो हम भारत से सुन रहे हैं कि कनाडा भारत विरोधी आतंकवादियों को शरण दे रहा है और प्रायोजित कर रहा है। यह वही है जो हम भारत से पाकिस्तान के बारे में कहते हुए सुनते आए हैं। माइकल कुगेलमैन ने कनाडा में आंतरिक राजनीतिक गतिशीलता के बारे में भी बात की जिसने राजनयिक दरार में योगदान दिया है। उन्होंने कहा, यहां बहुत सारे फैक्टर काम कर रहे हैं। निश्चित रूप से, कोई भी कनाडा में घरेलू राजनीतिक वास्तविकताओं की प्रासंगिकता को स्वीकार कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के आंतरिक मामलों पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की टिप्पणियों, विशेष रूप से कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध के लिए उनके समर्थन ने तनाव को जन्म दिया है।

भारतीय मूल के सांसद पर संसद में झूठ बोलने को लेकर केस; गलती से भेजे गए पैसे न लौटाने पर शख्स को जेल

सिंगापुर । सिंगापुर के भारतीय मूल के विपक्ष के नेता प्रीतम सिंह पर संसद में झूठ बोलने के दो आरोपों पर मुकदमा शुरू हुआ, जब उनसे एक पूर्व सहयोगी के बारे में पूछताछ की गई। प्रीतम सिंह के पूर्व वर्कर्स पार्टी सहयोगी रईस खान ने 2021 में संसद में दो बार झूठ बोला था कि वह बलात्कार पीड़िता के साथ पुलिस स्टेशन गए थे, जहां एक पुलिस अधिकारी ने कथित तौर पर महिला के पहनावे और शराब पीने के बारे में टिप्पणी की थी। प्रीतम सिंह पर 10 दिसंबर और 15 दिसंबर, 2021 को रईस खान के आचरण की जांच के लिए बुलाई गई विशेषाधिकार समिति (सीओपी) के समक्ष दो बार झूठ बोलने का आरोप है। प्रीतम सिंह पर झूठ बोलने का आरोप है कि 8 अगस्त, 2021 को रईस खान और डब्ल्यूपी सदस्यों सिल्विया लिम और मुहम्मद फैसल अब्दुल मनाप के साथ अपनी बैठक के खत्म होने पर, वह चाहते थे कि रईस खान संसद में किसी बिंदु पर स्पष्ट करें कि उन्होंने बलात्कार पीड़िता के साथ पुलिस स्टेशन जाने के बारे में जो कहा था वह झूठ था। एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और वर्तमान डिप्टी अटॉर्नी-जनरल एंग चेंग हॉक के नेतृत्व में अभियोजकों की टीम ने आरोप लगाया कि प्रीतम सिंह ने रईस खान के झूठ के मामले में अपनी जिम्मेदारी को कम करने के लिए सीओपी के समक्ष झूठी गवाही दी थी।

चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग पाकिस्तान पहुंचे

एजेंसी

इस्लामाबाद। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग आज पाकिस्तान की चार दिवसीय यात्रा पर रावलपिंडी पहुंचे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनका स्वागत किया। शहबाज शरीफ ने कहा कि चीनी समकक्ष की यात्रा देश के लिए उपयोगी साबित होगी। उल्लेखनीय है कि क्यांग 15-16 अक्टूबर को 23वें शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। डॉन समाचार पत्र के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री का रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस पर शहबाज शरीफ ने स्वागत किया। उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई। इस अवसर पर उप प्रधानमंत्री इशाक डार, आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी, योजनामंत्री अहसान इकबाल, सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार और अन्य शीर्ष सरकारी अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि इस शिखर सम्मेलन के मद्देनजर इस्लामाबाद में तीन दिन की

सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की गई है। स्कूल और व्यवसाय बंद हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस और अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियों को तैनात किया गया है।और जानें

इससे पहले पाकिस्तान के सूचनामंत्री तरार जानकारी दे चुके हैं कि चीन के प्रधानमंत्री ली क्यांग अपनी पाकिस्तान की यात्रा के दौरान ग्वादर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। ग्वादर एयरपोर्ट बलूचिस्तान प्रांत में बना है। यह चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर का हिस्सा है। चीन ने इसकी फंडिंग की है। इसका उद्घाटन इसी साल 14 अगस्त को होने वाला था। तब बलूच आंदोलन की वजह से इसे टाल दिया गया था।

चीन ने खर्च किया है 2000 करोड़ रुपया

चीन इस एयरपोर्ट के निर्माण में 246 मिलियन डॉलर (लगभग 2000 करोड़ भारतीय रुपये) खर्च कर चुका है। ग्वादर एयरपोर्ट करीब चार हजार एकड़ में फैला है। इस पर केवल एक रन-वे होगा। इसका इस्तेमाल घरेलू और इंटरनेशनल फ्लाइट के लिए होगा। चीन, पाकिस्तान के अलावा नेपाल, कंबोडिया, जिम्बाब्वे और श्रीलंका में भी ऐसे एयरपोर्ट्स बना चुका है।

ताइवान की सीमा में घुसे 14 युद्धपोत और 153 विमान, मध्य रेखा के साथ ही चीन ने पार की हद

एजेंसी

ताइपे। चीन और ताइवान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। बीजिंग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर चीनी सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि, ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के विमान, नौसैनिक पोत और जहाज ताइवान की सीमा के करीब देखे गए। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि मंगलवार सुबह छह बजे ताइवान के आसपास चीनी 14 नौसैनिक पोत और 12 आधिकारिक जहाज देखे गए। जबकि 153 सैन्य विमानों को उड़ान भरते देखा गया। सेना ने बताया कि 153 विमानों में से 111 ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। एमएनडी ने यह जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, आज सुबह 153 विमान , 14 पोत और 12 जहाज ताइवान के आसपास नजर आए। 111 विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणपूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। हम स्थिति पर नजर बनाए रखे हुए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु का अल्जीरियाई कंपनियों से 'मेक इन इंडिया' में शामिल होने का आह्वान

एजेंसी

अल्जीयर्स। भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स में अल्जीरियाई-भारतीय आर्थिक मंच के संबोधन में 'व्यापार करने में आसानी' में भारत की तीव्र वृद्धि और प्रभावशाली प्रगति पर जोर दिया। उन्होंने अल्जीरियाई कंपनियों को भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि अल्जीरिया की तीव्र वृद्धि और विस्तारित अर्थव्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों में कई अवसर प्रदान करती है। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की गई सचित्र पोस्ट में यह जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि अनिश्चित वैश्विक माहौल के बावजूद भारत का तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने अल्जीरियाई कंपनियों को 'मेक-इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुर्मु ने कहा कि हम भारत में खुद को अल्जीरिया को एक मजबूत विकास भागीदार के रूप में

देखते हैं। हमारे दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 1.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है। भारत-अल्जीरिया संबंधों का आगे बढ़ना हमारे साझा मूल्यों, समान चुनौतियों और आपसी विश्वास पर आधारित है। इस बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ अल्जीरिया की राष्ट्र परिषद के अध्यक्ष सलाह गौडजिल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में रविवार को तीन दिवसीय दौरे पर अल्जीरिया पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। हवाई अड्डे पर अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने ने उनका जोरदार स्वागत किया। अल्जीरिया सरकार की कैबिनेट के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

मोहम्मद यूनुस ने संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत से म्यांमार के हालात पर चिंता जताई

एजेंसी

ढाका। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने अपने तेजगांव कार्यालय में आज संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत थॉमस एंड्रूयज से मुलाकात में म्यांमार में मानवाधिकार की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने रखाइन में विस्थापित लोगों के लिए संयुक्त राष्ट्र से सुरक्षित क्षेत्र बनाने और उन्हें समर्थन देने के तरीके खोजने का आह्वान किया।

ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, प्रो. यूनुस ने कहा कि यह रखाइन संकट को हल करने के लिए एक अच्छी शुरुआत हो सकती है। यह पहल हजारों नए शरणार्थियों को बांग्लादेश में प्रवेश करने से रोक सकती है। इस मौके पर एंड्रूयज ने रोहिंग्या संकट पर तीन सूत्री प्रस्ताव के लिए मुख्य सलाहकार की सराहना की। मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग के अनुसार, उन्होंने कहा कि रखाइन राज्य में हिंसा ने बड़ा संकट पैदा कर दिया है। रोहिंग्या सहित विस्थापित और भूखे लोगों के लिए मानवीय

सहायता की तत्काल आवश्यकता है। विशेष दूत ने कहा कि म्यांमार में कम से कम 31 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इनमें रखाइन राज्य के हजारों लोग भी शामिल हैं। यह लोग म्यांमार की सेना के खिलाफ लड़ रहे हैं।

श्रीलंका में भारी वर्षा से तीन लोगों की मौत, 1.34 लाख से अधिक विस्थापित

एजेंसी

ढाका। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने अपने तेजगांव कार्यालय में आज संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत थॉमस एंड्रूयज से मुलाकात में म्यांमार में मानवाधिकार की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने रखाइन में विस्थापित लोगों के लिए संयुक्त राष्ट्र से सुरक्षित क्षेत्र बनाने और उन्हें समर्थन देने के तरीके खोजने का आह्वान किया। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, प्रो. यूनुस ने कहा कि यह रखाइन संकट को हल करने के लिए एक अच्छी शुरुआत हो सकती है। यह पहल हजारों नए शरणार्थियों को बांग्लादेश में प्रवेश करने से रोक सकती है। इस मौके पर एंड्रूयज ने रोहिंग्या संकट पर तीन सूत्री प्रस्ताव के लिए मुख्य सलाहकार की सराहना की। मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग के अनुसार, उन्होंने कहा कि रखाइन राज्य में हिंसा ने बड़ा संकट पैदा कर दिया है। रोहिंग्या सहित विस्थापित और भूखे लोगों के लिए मानवीय सहायता की तत्काल आवश्यकता है। विशेष दूत ने कहा कि म्यांमार में कम से कम 31 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इनमें रखाइन राज्य के हजारों लोग भी शामिल हैं। यह लोग म्यांमार की सेना के खिलाफ लड़ रहे हैं।

सिडनी विश्वविद्यालय में रासायनिक पदार्थ से जलने तीन लोग जख्मी

एजेंसी

सिडनी। भारत में प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कनाडा के भारतवंशी सांसद चंद्र आर्य को धमकी दी है। दरअसल चंद्र आर्य लगातार कनाडा में बढ़ रहे खालिस्तानी आतंकवाद और चरमपंथ की आलोचना करते रहते हैं। हाल ही में चंद्र आर्य ने कनाडा की संसद में कनाडा के हिंदू समुदाय को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा पर अपनी चिंता जाहिर की थी और उन्होंने इसे सीधे तौर पर खालिस्तानी चरमपंथ से जोड़ा था। अब भारत में वांछित आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक ऑडियो संदेश जारी कर भारतवंशी सांसद चंद्र आर्य को धमकी दी है। दो मिनट के ऑडियो संदेश में पन्नू ने चंद्र आर्य पर देशद्रोह का आरोप लगाने की मांग की। पन्नू ने चंद्र आर्य पर भारत सरकार के मुखपत्र

की तरह काम करने और खालिस्तान समर्थकों के बारे में गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। पन्नू ने कहा कि चंद्र आर्य को इसके परिणाम भुगतने होंगे। ऑडियो में कहा गया है कि सांसद आर्य के अंत का इंतजार करें। खालिस्तानी आतंकियों द्वारा चंद्र आर्य के खिलाफ धमकी कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी चरमपंथियों पर कनाडा में कई पत्रकारों पर हमले की रिपोर्ट्स सामने आई हैं। ग्रेटर टोरंटो समेत पूरे कनाडा में ऐसी घटनाएं दर्ज हुई हैं। उल्लेखनीय है कि कनाडा की संसद में दिए अपने भाषण में भारतवंशी सांसद चंद्र आर्य ने कनाडा सरकार से खालिस्तानी चरमपंथ से गंभीरता से निपटने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि इस मामले में तुरंत कार्रवाई की जरूरत है, वरना इसमें देर हो सकती है। गौरतलब है कि कनाडा के खुफिया सूत्रों ने भी स्थिति की गंभीरता की पुष्टि की है और ट्रूडो प्रशासन को अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदू कनाडाई लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत पर बल दिया है। कनाडा में हाल के समय में हिंदू समुदाय और उनके धर्मस्थलों को निशाना बनाने की कई घटनाएं दर्ज की गई हैं। भारत सरकार भी बीते कई महीनों से कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों के सक्रिय होने और चरमपंथ बढ़ने का मुद्दा उठा रही है।

'बिश्नोई गिरोह के जरिये खालिस्तान समर्थकों पर भारत की नजर'

काठमांडू। लगातार बढ़ रहे तनाव के बीच कनाडा ने एक बार फिर आपत्तिजनक बयान दिया है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया कि भारत कनाडा में मौलिक त्रुटि कर रहा है। जब वे यह बयान दे रहे थे उस समय कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा और अंतर-सरकारी मामलों के मंत्री डोमिनिक लेब्लांक और विदेश मामलों की मंत्री मेलानी जोली भी मौजूद थीं। उनका यह बयान भारत से कनाडाई राजनयिकों के निकाले जाने के बाद आया है। ओटावा में ट्रूडो ने कहा कि दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच आगामी बैठक अहम साबित होगी। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह के अंत में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात के दौरान भी इसके महत्व को रेखांकित किया था। ट्रूडो ने कहा, भारत ने यह सोचकर बुनियादी गलती की है कि वे कनाडा की धरती पर कनाडाई लोगों के खिलाफ हत्या या जबरन वसूली जैसे आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं।

सिडनी विश्वविद्यालय में रासायनिक पदार्थ से जलने तीन लोग जख्मी

एजेंसी

सिडनी। फ्रांस के सिडनी विश्वविद्यालय में मंगलवार को हुए रासायनिक पदार्थ से तीन लोग जख्मी हो गये, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फायर एंड रेस्क्यू न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) ने कहा कि मंगलवार को स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे डार्लिंगटन के आंतरिक शहर उपनगर में स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी स्पोर्ट्स एक्वेटिक सेंटर में आपातकालीन दल को बुलाया गया, जहाँ एक व्यक्ति के रासायनिक रूप से जलने की सूचना मिली थी।जख्मी लोगों में एक विश्वविद्यालय कर्मचारी और दो राहगीर हैं। समाचार कॉर्प ऑस्ट्रेलिया के समाचार पत्रों के अनुसार घटना के समय पुरुष कर्मचारी (जिसके बारे में बताया गया था कि वह घटना के समय बाल्टी में रसायन ले जा रहा

था) को हाथ जलने के कारण अस्पताल ले जाया गया, जबकि अन्य दो को भी एहतियात के तौर पर अस्पताल ले जाया गया। एनएसडब्ल्यू के दमकल और बचाव दल के अधीक्षक एडम डेवबेरी ने संवाददाताओं से कहा, घटना स्थल पर दो उत्पादों के बीच रासायनिक प्रतिक्रिया हुई थी।÷ उन्होंने कहा, ÷सभी लोगों की स्थिति स्थिर और ठीक हैं।÷ अग्निशामकों ने घटनास्थल के चारों ओर एक बहिष्करण क्षेत्र स्थापित किया और घटना में सहायता के लिए विशेषज्ञ एचएजेड़एमएटी दल को बुलाया।

एनएसडब्ल्यू फायर एंड रेस्क्यू ने कहा कि सेफवर्क और पर्यावरण संरक्षण प्राधिकरण (ईपीए) को घटना की जानकारी दे दी गई है। वहीं, विश्वविद्यालय ने कहा कि इस घटना में कोई गंभीर रूप से जख्मी नहीं हुआ है, लेकिन क्षेत्र में मौजूद छात्रों को सलाह दी कि वे लक्षणों पर नज़र रखें और अगर उन्हें त्वचा या आँखों में खुजली या श्वसन पथ में जलन महसूस होने लगे तो चिकित्सकीय सलाह लें।

जापान के आम चुनाव के लिए प्रचार अभियान शुरू

एजेंसी

टोक्यो। जापान में 27 अक्टूबर को होने वाले आम चुनाव के लिए मंगलवार को प्रचार अभियान शुरू हो गया। इस चुनाव में एकल सदस्यीय जिलों और आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर 465 सीटों पर चुनाव होने हैं। चुनाव द्गह्यड्ड मुख्य ध्यान इस पर है क्या सत्तारूढ़ गठबंधन लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके सहयोगी कोमिटो बहुमत बनाए रख सकते हैं या विपक्षी दल सत्ता पर सत्तारूढ़ गुट की पकड़ को कमजोर करने के लिए पर्याप्त गति प्राप्त कर सकते हैं। संसद के अधिक शक्तिशाली सदन प्रतिनिधि सभा में 465 सीटों के लिए उम्मीदवार प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके के अनुसार कुल मिलाकर 1,338 उम्मीदवारों के चुनाव लड़ने की उम्मीद है। गौरतलब है कि जापान के प्रतिनिधि सभा का चुनाव एक मिश्रित चुनावी प्रणाली के माध्यम से होता है, जिसमें एकल सदस्यीय जिले और आनुपातिक प्रतिनिधित्व दोनों शामिल होते हैं। यहां पर मतदाता

प्रभावी रूप से दो वोट डालते हैं, जिसमें एक अपने एकल-सदस्यीय जिले के उम्मीदवार के लिए और दूसरा आनुपातिक प्रतिनिधित्व ब्लॉक में किसी पार्टी के लिए। चुनाव में एलडीपी के वित्तपोषण घोटालों के बाद राजनीतिक सुधार, मुद्रास्फीति और आर्थिक उपाय जैसे प्रमुख मुद्दे हावी रहने की उम्मीद है। एलडीपी के पास पहले 465 सदस्यीय निचले सदन में 258 सीटें थी। वहीं इसकी सहयोगी पार्टी कोमिटो के पास 32 सीटें थीं। मुख्य विपक्षी दल कांस्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान (जिसका नेतृत्व पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिको नोडा करते हैं) के पास 99 सीटें थीं।

अमेरिका ने की ताइवान तट पर चीन के सैन्य अभ्यास की निंदा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने ताइवान के पास चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ज्वाइंट स्वॉर्ड-2024बी सैन्य अभ्यास की निंदा की है और इसे 'गैर-जिम्मेदार, असंगत और अस्थिर करने वाला' करार दिया है। अमेरिका के रक्षा विभाग के प्रवक्ता मेजर जनरल पैट राइडर ने कहा कहा, हमने ताइवान के आसपास चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के अभ्यास, ज्वाइंट स्वॉर्ड 2024बी पर बारीकी

से नज़र रखी है। यह सैन्य दबाव अभियान गैर-जिम्मेदार, असंगत और अस्थिर करने वाला है। जैसा कि व्हाइट हाउस ने पिछले सप्ताह उल्लेख किया था कि ताइवान के राष्ट्रपति के लिए 10/10 पर टिप्पणी करना एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा है। यह एक नियमित, घरेलू-केंद्रित संबोधन है। ताइवान ने ऐतिहासिक रूप से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) से बहुत कम प्रतिक्रिया दी है। फिर भी पीआरसी ने उत्तेजक, सैन्य कार्रवाई करने के लिए इस अवसर को चुना है। उन्होंने कहा कि भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन को रोकने की अमेरिका की क्षमता 'मजबूत' बनी हुई है तथा अमेरिका को क्षेत्र में अपनी वर्तमान सैन्य स्थिति पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता में पूरी दुनिया की हिस्सेदारी है और हम ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध देशों की बढ़ती संख्या को देख रहे हैं।

दक्षिण लेबनान में इजरायली सेना के साथ झड़प -हिजबुल्लाह

एजेंसी

बेरूत। हिजबुल्लाह ने कहा कि दक्षिणी लेबनान के कई सीमावर्ती गांवों में इजरायली बलों के साथ उसकी झड़प हुई या हो रही है। एक बयान में कहा गया है, इस्लामिक प्रतिरोध लड़ाके विभिन्न प्रकार की मशीनगनों, रॉकेटों और तोपखाने के गोले का उपयोग करते हुए दोपहर से ऐता अल-शाब गांव में इजरायली दुश्मन बलों के साथ हिंसक झड़पों में लगे हुए हैं। झड़पें अभी भी जारी हैं। शिया समूह ने बाद में एक अन्य बयान में ऐता अल-शाब के बाहरी इलाके में निर्देशित मिसाइलों से तीन इजरायली मर्कवा टैंकों को निशाना

बनाने की घोषणा करते हुए कहा, टैंकों को उनके अंदर जलते हुए देखा गया, और उनसे आग की लपटें उठ रही थीं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

एंटी डस्ट अभियान के तहत गोपाल राय ने किया पीतमपुरा में खेल परिसर के प्रोजेक्ट स्थल का औचक निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। एंटी डस्ट अभियान के तहत दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पीतमपुरा में खेल परिसर के निर्माणाधीन स्थलों का औचक निरीक्षण किया। गोपाल राय ने कहा कि निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थल पर धूल नियंत्रण से सम्बंधित अनियमितताएं पायी गईं। डीपीसीसी को निर्माण कार्य करने वाली कंपनी तेवतिया कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड पर 50 हजार के जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। साथ ही डीपीसीसी द्वारा जारी नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं देने पर प्रतिदिन के हिसाब से आर्थिक जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कंस्ट्रक्शन साइटों पर डस्ट कंट्रोल के 14 नियमों को लागू करना जरूरी है। इसका उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जायेगी। अधिकारियों को निर्माण साइट्स के लगातार निरीक्षण का निर्देश दिया गया है। गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कड़े कदमों की वजह से दिल्ली में वायु प्रदूषण में लगातार सुधार हो रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के कारण पिछले 9 सालों में दिल्ली के वायु प्रदूषण में 34.6 फीसद की कमी देखी गई है। सर्दियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 25 सितंबर को 21 फोकस प्वाइंट पर आधारित विंटर एक्शन प्लान की घोषणा की गई थी। दिल्ली में वायु प्रदूषण में और सुधार लाने के लिए विंटर एक्शन प्लान के तहत राज्य सरकार 7 अक्टूबर से अगले एक महीने के लिए दिल्ली में एंटी डस्ट कैंपेन शुरू किया है।

जेब में रखे मोबाइल से टकराकर रुकी गोली, बच गई युवक की जान

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के पंजाबी बाग इलाके में एक युवक की जान अजीबोगरीब तरीके से बच गई। बताया जा रहा है कि जब उस पर गोली चली तो वह उसके उसकी जेब में रखे मोबाइल फोन से रुक गई। यह घटना 13 अक्टूबर की। पुलिस के अनुसार, घटना की शुरुआत एक विवाद से हुई, जब एक महिला अपने बेटे अर्जुन और कमल तथा उनके साथी जितेंद्र उर्फ जतिन के साथ एक अन्य परिवार के घर गई। उनका उद्देश्य था दोनों परिवारों के बीच चल रहे विवाद को सुनने और सुलझाने का। लेकिन बातचीत के दौरान स्थिति बुरी तरह बिगड़ गई। इसमें शामिल रहे दूसरे पक्ष से सतनाम उर्फ लीलू, साहिल, नसीब और रितिक ने न केवल उन्हें पीटा बल्कि भगा भी दिया। वहीं इस तनावपूर्ण स्थिति में अर्जुन ने आत्मरक्षा करते हुए पिस्टल निकाली और रितिक पर गोली चला दी। गोली रितिक की जेब में रखे मोबाइल फोन पर लगी और वहीं रुक गई, जिससे उसकी जान बच गई। इस घटनाक्रम के बाद स्थानीय पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के खिलाफ क्रॉस केस दर्ज किया और सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली में पटाखों पर लगा प्रतिबंध, ऑन लाइन ब्रिकी पर भी होगी नजर-गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने बदलते मौसम और दीपावली से पहले प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए काम शुरू कर दिया है। पिछले कुछ वर्षों में दीपावली के आसपास दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक होता जा रहा है। ऐसे में वायु प्रदूषण को देखते हुए 14 अक्टूबर से 1 जनवरी, 2025 तक दिल्ली में पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री व उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सभी दिल्ली वालों से सहयोग का अनुरोध किया। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा जारी निर्देश में पिछले साल की तरह इस बार भी दिल्ली में पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया है। इसके साथ ही पटाखों की ऑनलाइन बिक्री और डिलीवरी पर भी प्रतिबंध रहेगा। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि ये सभी को पता है कि हवा की गुणवत्ता पर पटाखों के हानिकारक प्रभाव देखने को मिलते है। हम ऐसा कार्य करना चाहते है जिससे हवा सांस लेने योग्य बनी रहे। गोपाल राय ने आगे कहा कि प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने को लेकर दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर कार्य योजना बनाई जाएगी और प्रतिदिन डीपीसीसी को रिपोर्ट दी जाएगी। इस तरह की योजना से दिल्ली में प्रदूषण की गुणवता में सुधार किए जा सकते है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जयपुर रग्स, हैपिनेस फाउंडेशन के बीच करार

नयी दिल्ली। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जयपुर रग्स और हैपिनेस फाउंडेशन ने एक करार किया, जिसके तहत इस वर्ष की थीम 'कार्य स्थल पर मानसिक स्वास्थ्य' को ध्यान में रखते हुये, दोनों संगठनों ने मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और कार्यस्थल में खुशहाल वातावरण बनाने के लिये मिलकर काम करने का निर्णय लिया है। इन संगठनों की आज यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस करार पर जयपुर रग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल फांसे और हैपिनेस फाउंडेशन के लुईस गैलार्डो ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर जयपुर रग्स के अध्यक्ष एन. के. चौधरी और वेलनेस कोड फाउंडेशन के वरिष्ठ सलाहकार के विक्रम रस्तोगी भी उपस्थित थे। श्री चौधरी ने इस करार की महत्ता को रेखांकित करते हुये कहा, हमारा उद्देश्य है कि जयपुर रग्स के सभी कर्मचारी, श्रमिक, आर्टिजंस और स्टेकहोल्डर्स मानसिक और भावनात्मक रूप से समृद्ध हों। जब मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, तो कार्य की उत्पादकता में भी वृद्धि होती है।

भारत ने कनाडा से शीर्ष राजनयिकों को वापस बुलाया, छह कनाडाई राजनयिक निष्कासित किये

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा में घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए भारतीय उच्चायुक्त और राजनयिकों को किसी आपराधिक मामले में जांच के सिलसिले में तलब किये जाने के मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय उच्चायुक्त एवं राजनयिकों को वापस बुलाने तथा भारत से कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है। विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने कनाडा उच्चायोग के प्रभारी को आज शाम तलब कर उन्हें दो टूक शब्दों में कहा कि उनके देश की एजेंसियों द्वारा अपने घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने से उनकी सुरक्षा को खतरा बढ़ गया है लिहाजा भारत सरकार ने उन्हें वापस बुलाने का फैसला किया है।

इसके कुछ घंटे बाद आज रात नयी दिल्ली स्थित कनाडा के उच्चायोग के तैनात छह वरिष्ठ राजनयिकों को निष्कासित करने का फरमान जारी किया। जिन 6 कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है, उनमें कार्यवाहक उच्चायुक्त श्री स्टीवर्ट रॉस व्हीलर, उप उच्चायुक्त श्री पैट्रिक हेबर्ट, फर्स्ट सेकेट्री सुश्री मैरी कैथरीन जोली, फर्स्ट सेकेट्री श्री लैन रॉस डेविड ट्राइट्स, फर्स्ट सेकेट्री श्री एडम जेम्स चुइप्का, फर्स्ट सेकेट्री सुश्री पाउला ओरजुएला शामिल हैं। उन्हें शनिवार, 19 अक्टूबर को मध्य रात्रि के पहले भारत छोड़ने के लिए कहा गया है।

विदेश मंत्रालय ने इससे पहले जारी एक बयान में कहा कि कनाडाई उच्चायोग के प्रभारी को आज शाम सचिव (पूर्व) द्वारा तलब किया गया था। उन्हें बताया गया कि कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों और अधिकारियों को आधारहीन निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

कनाडा उच्चायोग के प्रभारी को यह रेखांकित किया गया कि उग्रवाद और हिंसा के माहौल में, जस्टिन ट्रूडो सरकार के कार्यों ने भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया। हमें उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की वर्तमान कनाडाई सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए, भारत सरकार ने उच्चायुक्त और अन्य लक्षित राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है। यह भी बताया गया कि भारत के खिलाफ उग्रवाद, हिंसा और अलगाववाद के लिए ट्रूडो सरकार के समर्थन के जवाब में भारत आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

विदेश यात्रा सुलभ बनाने के लिए सरकार ने लांच किया ई-माइग्रेट पोर्टल एवं मोबाइल ऐप

नई दिल्ली। देश के नागरिक सुरक्षित विदेश यात्रा का आनंद ले सकें इसलिए भारत सरकार ने संशोधित ई-माइग्रेट पोर्टल और मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य विदेश में भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करते हुए उनकी आवाजाही को आसान बनाना है इस अवसर पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जीवन को आसान बनाने और लोगों पर केंद्रित शासन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, पिछले साल, सुरक्षित और कानूनी आवागमन चैनलों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विदेश मंत्रालय ने अभियान जारी किया था।

नशामुक्त भारत के निर्माण के प्रति कटिबद्ध है सरकार : शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार युवा पीढ़ी को ड्रग्स के खतरे से सुरक्षित कर नशामुक्त भारत के निर्माण के प्रति कटिबद्ध है।श्री शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि ड्रग्स और नार्को व्यापार के खिलाफ अभियान बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगा। उन्होंने दिल्ली पुलिस को कई अभियान के तहत 13 हज़ार करोड़ रूपए मूल्य की ड्रग्स की ज़ब्ती, जिसमें गुजरात पुलिस के साथ मिलकर 5 हज़ार करोड़ रूपए की कोकीन की बरामदगी शामिल है, के लिए बधाई दी।ड्रग्स के व्यापार पर हालिया सख्ती के तहत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और गुजरात पुलिस ने 13 अक्टूबर को गुजरात के अंकलेश्वर में एक कंपनी में छापेमारी कर 518 किलोग्राम कोकेन बरामद की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 5,000 करोड़ रुपये है। इससे पहले एक अक्टूबर को दिल्ली

पुलिस की स्पेशल सेल ने महिपालपुर में एक गोदाम पर छापेमारी करके 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की खेप जब्त की थी। जांच के दौरान 10 अक्टूबर को दिल्ली के रमेश नगर की एक दुकान से लगभग 208 किलो अतिरिक्त कोकेन बरामद हुई। पूछताछ के दौरान ये पता चला कि बरामद मादक पदार्थ गुजरात के अंकलेश्वर से आया था। इस मामले में अब तक कुल 1,289 किलोग्राम कोकेन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक थाईलैंड की मारिजुआना बरामद हो चुकी है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये है।

इसी साल हो जाएगा एथेनॉल मिश्रण 15 प्रतिशतः गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए एथेनॉल की भूमिका को अहम बताया और कहा सरकार प्रतिबद्धता के साथ इस दिशा में काम कर रही है तथा इस साल के अंत तक ईंधन में इथेनॉल मिश्रण की मात्रा 15 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। श्री गडकरी ने यहां सीआईआई के जैव ऊर्जा पर आयोजित 12वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार इस दिशा में तेजी से कम कर रही है इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण 2014 के 1.53 प्रतिशत था जो अब बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है।

उन्होंने कहा कि इस दर में लगातार इजाफा किया जाएगा और अगले साल के अंत तक पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की दर 20 प्रतिशत तक पहुंचाने के लक्ष्य को हासिल कर दिया जाएगा। साथ ही सरकार जीवाश्म ईंधन पर

निर्भरता कम करने की रणनीति पर भी काम कर रही है और डीजल में भी 15 प्रतिशत तक इथेनॉल मिश्रण के लिए अनुसंधान चल रहा है। श्री गडकरी ने एथेनॉल मिश्रण को सरकार की प्रतिबद्धता बताया और कहा कि एथेनॉल इकोसिस्टम के निर्माण पर जोर दिया जा रहा है जिसके तहत चार राज्यों- कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा 400 एथेनॉल पंपों की स्थापना शामिल है।

विश्व की सभी संसदों के बीच संवाद मानव कल्याण के लिए आवश्यक : बिरला

एजेंसी

जिनेवा/नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में संसदों के बीच व्यापक संवाद और सहयोग मानव कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है और विश्व की सभी संसदों मिलकर इनके लाभों का उचित और न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना चाहिए।

जिनेवा में अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) की 149वें सम्मेलन में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे श्री बिरला ने 'शांतिपूर्ण और सुरक्षित भविष्य के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग' विषय पर सभा को संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान समय की कुछ महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए इस पर भारत का दृष्टिकोण रखा और कहा कि भारत हमेशा से बहुपक्षवाद का प्रबल समर्थक रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में संसदों के बीच व्यापक

संवाद और सहयोग मानव कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आईपीयू जैसे मंच के माध्यम से संसदें साझी कार्य योजनाओं और साझे प्रयासों के द्वारा सम्पूर्ण विश्व के लिए समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त करने में सफल होंगी। उन्होंने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में संसदों के बीच व्यापक संवाद और सहयोग मानव कल्याण के लिए अत्यंत आवश्यक है और विश्व की सभी संसदों को मिलकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के लाभों का उचित और न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने तकनीकी प्रगति, वैज्ञानिक शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

श्री बिरला ने जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा के बारे में विचार व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई 'वन सन, वन वर्ल्ड , वन ग्रीड' की पहल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 76 गीगावाट से बढ़कर 203 गीगावाट हो गई है। उन्होंने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, बायो फ्यूल गठबंधन जैसी पहलों का भी उल्लेख किया, जो जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। इस संबंध में भारतीय संसद द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और सतत विकास लक्ष्यों के मुद्दों पर संसद में विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि नए भवन के निर्माण में हरित प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया गया है, जो हरित ऊर्जा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत द्वारा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को दी जा रही प्राथमिकता का उल्लेख करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, भारत में स्टार्ट-अप इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत नवाचार, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 355 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य वाले 118 यूनिकॉर्न के साथ आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप राष्ट्र बन गया है ।

पांचवें जल पुरस्कार घोषित, राज्यों में ओडिशा, सूरत शहर श्रेणी में प्रथम

एजेंसी

नई दिल्ली। जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने आज यहां 5वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार के विजेताओं की घोषणा की जिसमें राज्यों की श्रेणी का पहला पुरस्कार ओडिशा तथा शहरों के वर्ग के प्रथम पुरस्कार के लिए सूरत शहर को चुना गया।

श्री पाटिल ने यहां श्रम शक्ति भवन में पुरस्कारों की घोषणा करते हुए कहा कि पुरस्कार 2023 के लिए घोषित हुए हैं और पुरस्कार नौ श्रेणियों में समारोहपूर्वक दिए जाएंगे। पुरस्कार वितरण समारोह 22 अक्टूबर को होगा जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि होंगी।

उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार मंत्रालय के तहत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग पुरस्कार देता है और 5वें जल पुरस्कार में कुल 38 विजेताओं की घोषणा की गयी है। सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत, सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय, सर्वश्रेष्ठ स्कूल या कॉलेज, सर्वश्रेष्ठ उद्योग, सर्वश्रेष्ठ जल उपयोगकर्ता संघ, सर्वश्रेष्ठ संस्थान और सर्वश्रेष्ठ नागरिक समाज को ये पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

श्री पाटिल ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ

राज्य की श्रेणी में पहला स्थान ओडिशा को मिला है जबकि उत्तर प्रदेश को दूसरा और गुजरात तथा पुदुचेरी को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला है। जल पुरस्कार विजेता को एक प्रशस्ति पत्र और एक ट्रॉफी के साथ-साथ कुछ श्रेणियों में नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

सात विमानों में बम की धमकी, दिल्ली से शिकागो जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट की गई कनाडा डायवर्ट

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये मंगलवार को सात विमानों में बम की धमकी दी गई। इसमें एयर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जा रही फ्लाइट में बम होने की बात कही गई। इसके बाद फ्लाइट को कनाडा की ओर डायवर्ट कर दिया गया। जहां फ्लाइट की जांच की जाएगी। एक्स के जरिये एक पोस्ट में सात फ्लाइटों में बम की धमकी दी गई। इसके बाद यात्रियों और एयरलाइन क्रू की जान खतरे में पड़ गई। धमकी की सूचना मिलने पर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। एयर इंडिया एक्सप्रेस की जयपुर-बंगलूरू वाया अयोध्या फ्लाइट (ढ्ढङ्ग765) में बम की धमकी दी गई। इस विमान को अयोध्या में उतारा गया और जांच की गई। इसके अलावा स्पाइसजेट के दरभंगा-मुंबई विमान (स्त्र116) और अकासा के सिलीगुड़ी-बंगलूरू विमान (क्तक्क1373) में भी बम होने की धमकी दी गई। सूचना मिलने तक यह दोनों विमान लैंड कर चुके थे। एयरपोर्ट पर दोनों विमानों की सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस बल ने जांच की। वहीं इंडिगो की दम्मम से लखनऊ फ्लाइट 6श्व 98, एलांयस एयर लाइन की अमृतसर देहरादून दिल्ली फ्लाइट (9द्ब 650) और एयर इंडिया एक्सप्रेस की मदुरै-सिंगापुर फ्लाइट (ढ्ढङ्ग 684) में भी बम की सूचना मिली। इसके अलावा एयर इंडिया की दिल्ली से शिकागो जा रही फ्लाइट,ढ्ढ127 में भी बम होने की धमकी दी गई। यह फ्लाइट शिकागो रवाना हो चुकी थी। सूचना मिलने पर विमान को कनाडा के इकलौत एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया गया। यहां फ्लाइट की जांच की जाएगी। एयर इंडिया के मुताबिक एयरक्राफ्ट और यात्रियों की फिर से सुरक्षा जांच की जा रही है।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, ADITI SINGH D/o RAJESH R/o D-35A, Indira Enclave, Neb Sarai, Ignou, South Delhi, Delhi-110068 declare that name of my father and my mother have been wrongly written as RAJESH KUMAR and SUNIL SINGH in my CBSE 10th and 12th class Educational Documents. The actual name of my father and mother are RAJESH and SUNIL KUMARI respectively.

PUBLIC NOTICE

I, hitherto known as MARIANA BARA GOSWAMI W/O RAJESH KUMAR GOSWAMI Permanent resident: M.I.G. 2/189, MP HOUSING BOARD COLONY, RAJEEV GANDHI WARD, BINA STATION, SAGAR, MADHYA PRADESH-470113, Presently residing at FLAT NO-731, G/F, PKT-2, SECTOR-28, ROHINI DELHI, DELHI-110042 have changed my name and shall hereafter be known as MARIANA BARA.

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as RASHI D/o ANAND KUMAR SEJWAL, R/o 1A, Phase-2, Tilang Pur Kotla, West Delhi, Delhi-110043, have changed my name and shall hereafter be known as RASHI SEJWAL, for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

I, Tushar S/o-Rakesh Kumar R/O Soldha(62)-jhajjar, Soldha, jhajjar Haryana -124507 have changed my name from Tushar to Tushar Jangra for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Virendar S/O Ram Chander, R/O B-12, Dariya Colony, Ranhola Vihar, Nangloi, West Delhi, Delhi-110041, declare that name of mine has been wrongly written as Virendar Verma in my PAN CARD NO BTWPV0068B, The actual name of mine is VIRENDAR,which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

I KIRAN VERMA W/O SANJAY VERMA R/O 93, Kalyan Nagar, Sadat Ghazipur Uttar Pradesh - 275204 have changed the name of my minor son ANANT VERMA aged 13 years and he shall hereafter be known as SHASHWAT VERMA.

NAME CHANGE

I, Priya Wason W/O Ganesh Wason, R/O N-41 Pratap Nagar Andha Mugal, Pratap Nagar metro Station, pratap nagar, Sadar Bazar, North Delhi, Delhi-110007, have changed the name of my minor son Rudra Pratap Wason aged 17 years and he shall hereafter be known as Manav Wason.

NAME CHANGE

I, No. 15217626K Rank-HAV Name-PATIL ANIL PRAKASH S/o PRAKASH PATIL Presently residing at VPO-DEOLI, TEH-CHALISGAON, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424116 have changed my minor son's name from SARTHAK to SARTHAK ANIL PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 15/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I ,Gyanchandra Sah S/O Lalan Sah, R/O Kh. No 320/155, Gali No. 12, Mukundpur, Janta Vihar, Badli, North West Delhi,Delhi - 110042,have changed my name from Gyanachandra Sah to GYANCHANDRA SAH.Both name same and one person.

NAME CHANGE

I, CHAVAN RUPALI Wife of No. 15217626K Rank-HAV Name-PATIL ANIL PRAKASH Presently residing at VPO-DEOLI, TEH-CHALISGAON, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424116 have changed my name from CHAVAN RUPALI to RUPALI ANIL PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 15/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I ,hitherto known as Umesh Kumar Chaturvedi S/O K.L Chaturvedi, R/O House No- 203, Second Floor, Pocket-18, Sector-24, Rohini, Rohini Sector-7, North West Delhi, Delhi - 110085,have changed my name and shall hereafter be known as UMESH CHATURVEDI.

NAME CHANGE

I hitherto known as Kailash Chand S/O Ram Singh,R/O C 127 1st Floor, Buildcone Appartment, Savitri Nagar, Malviya Nagar S.o, South Delhi, Delhi, 110017,have changed my name and shall hereafter be known as Kailash Gyan Chand.

NAME CHANGE

I, No. 15217626K Rank-HAV Name-PATIL ANIL PRAKASH S/o PRAKASH PATIL Presently residing at VPO-DEOLI, TEH-CHALISGAON, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424116 have changed my minor daughter's name from ARUKSHI to ARUSHRI ANIL PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 15/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SANDEEP GUPTA S/O SHRI KRISHAN GUPTA R/O HOUSE NO-2 A-181, VIJAY VIHAR-1, BALA JI CHOVK, ROHINI SECTOR-5, RAJA PUR KALAN, NORTH WEST DELHI, DELHI – 110085, I have changed my name from SANDEEP KUMAR GUPTA TO SANDEEP GUPTA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as SUNITA VERMA D/o SARJARI LAL BABBAR W/O MAN MOHAN VERMA R/O BG-6/5 A, PASCHIM VIHAR, WEST DELHI DELHI-110063 nave changed my name and shall hereafter be known as SUNITA BABBAR VERMA.

नाम परिवर्तन

मैं, विमल W/o स्व.श्री सूरज R/o H.No- A-285 टॉप फ्लोर संगम पार्क राणा प्रताप बाग मलका गंज दिल्ली -110007, मेरा यूनियन बैंक खाता में मेरा नाम गलती से बिमल लिखा है, लेकिन मेरा सही नाम विमल है। बिमल और विमल दोनों एक ही व्यक्ति हैं। मेरी तबीयत खराब होने के कारण मैं सिग्नेचर के जरिए बैंक ट्रांजैक्शन नहीं कर सकती, इसलिए अब से अंगूठे के निशान से ट्रांजेक्शन करूंगी।

NAME CHANGE

I, Ashok Kumar Mittal S/o. Hari Kishan R/o.H.no.143, 2nd floor, Bhera Enclave,Paschim vihar, P.O.Sunder Vihar, West Delhi, Delhi-110087 declare that my father's name has been wrongly written as H.K.Gupta which may be corrected as Hari Kishan as per Aadhar Card/Pan Card of Ashok Kumar Mittal. Father name: H.K.Gupta may be corrected as Hari Kishan in the records whereever necessary.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my clients namely (1) SH. MUKESH KUMAR BANSAL S/O SH. KRISHAN LAL BANSAL and (2) SMT. ASHIMA BANSAL W/O SH. MUKESH KUMAR BANSAL, both R/o HOUSE NO.111, POCKET H- 32, SECTOR 3, ROHINI, NORTH WEST DELHI, DELHI-110085, have disowned, debarred their son namely SHIVANSH BANSAL S/O SH. MUKESH KUMAR BANSAL R/O HOUSE NO.111, POCKET H-32, SECTOR 3, ROHINI, NORTH WEST DELHI, DELHI-110085 from all their moveable and immoveable properties & business because their said son is out of control of my clients. My clients have severed all relations with him. Anyone dealing with him may do so at his/her own risks, costs and consequences.

H. S. MEHRA Advocate
Chamber No.404, Lawyers Chamber Complex District Courts Dwarka, Sector 10, New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE

My Client Mamta, R/o A-562, 1st Floor, Block-A, Gali No.11, Lakhpat Colony Part-II, Meethapur Extn., Badarpur, New Delhi -110044, has severed all relations and disowned her son namely GAURAV UPADHYAY & HIS WIFE RANU @ KITTU from her all movable-immovable properties due to their misconduct. My client shall not be responsible for their acts/ deeds in future.

HIMANSHU Advocate
Ch.No.153,Lawyers Block Saket Court, New Delhi

NAME CHANGE

I, No-16114450A, Rank-NK, Name-SARDAR VIDNYAKAR BHASKAR residing at VPO-GOREGAON (PM), TEHSIL-MURTIZAPUR, DISTT-AKOLA, MAHARASHTRA-444102 have changed my father's name from BHASKAR SARDAR to BHASKAR BABAN SARDAR for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1952 instead of his correct date of birth as 01/01/1944 vide Affidavit dated 15/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-16114450A, Rank-NK, Name-SARDAR VIDNYAKAR BHASKAR residing at VPO-GOREGAON (PM), TEHSIL-MURTIZAPUR, DISTT-AKOLA, MAHARASHTRA-444102 have changed my mother's name from NIRMLA to NIRMALA BHASKAR SARDAR for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of her correct date of birth as 01/01/1947 vide Affidavit dated 15/10/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

To Whom so ever it may concern

Mr. Ankur Aggarwal w/o Murli Manohar Aggarwal hereby declare that she is absolute owner of PROPERTY NO. 136 (146 & 129), AREA MEASURING 230.80 SQ. METER, SITUATED AT CHANDERPURI, GHAZIABAD, TEHSIL & DISTRICT: GHAZIABAD, UTTAR PRADESH through Gift deed Vide Document No. 13232, dated 14/10/2024 and that he is Mortgaging Said property in Hinduja Housing Finance Ltd and declare that No Litigation and Dispute Pending in respect to said property. If anybody having any objection kindly contact on-9993838094 within 7 Days

(Advocate Suparna)
Lexicure Law Firm Advocates
305, 3RD Floor Aggarwal building pocket 3 Sector 12 Dwarka New Delhi 110075

PUBLIC NOTICE

Take notice that SHREE BALAJI INFRATECH has filed a suit for restoration of the Civil Suit bearing Misc. DJ No. 516 of 2023, titled BALAJI INFRATECH vs. INDO ENGINEERING AND CONSTRUCTION PVT. LTD & ORS, against INDO ENGINEERING AND CONSTRUCTION PVT. LTD & ORS, currently pending before the Hon'ble Additional District Judge, Sh. Vijeta Singh Rawat, at the Patiala House District Courts, New Delhi. Vide Order dated 16.05.2024, INDO ENGINEERING AND CONSTRUCTION PVT. LTD & ORS have been summoned to appear before the aforementioned Hon'ble Court on 12.11.2024. This advertisement is published in compliance with the order of the Hon'ble Court dated 16.05.2024.

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि डॉ. ए.एस. खान पुत्र श्री अल्लाहमेहर खान, सम्पूर्ण तीसरी मंजिल छत का अधिकार साथ, आवासीय संपत्ति संख्या 58, का क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 9/7, आवासीय कॉलोनी ओम विहार कॉलोनी ब्लॉक ई, गांव मटियाला उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 में स्थित हैं के मालिक हैं, यह संपत्ति श्री इमरान खान पुत्र डॉ. ए.एस. खान से 04.04.2018 को एक बिक्री विलेख पंजीकरण संख्या 9832 के माध्यम से खरीदी गई थी, उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित दस्तावेज़ मूल विक्रय-विलेख दिनांक 04.04.2018 क्रमांक संख्या 9832, से संबंधित मूल पंजीकरण विवरण पृष्ठ कही खो गया है, जिसका एफआईआर (प्राथमिकी नंबर) एल.आर. संख्या 2200505/2024 दिनांक 14.10.2024 को ऑनलाइन पी.एस. क्राइम ब्रांच, दिल्ली में दर्ज की गई है यदि मूल बिक्री विलेख किसी भी व्यक्ति के कब्जे में पाया जाता है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमे इस नोटिस की तारीख से 07 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें ! ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री विलेख के अनुसार विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और शून्य के रूप में दावा माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

कृष्ण लाल पंवार ने राज्यसभा से दिया इस्तीफा

एजेंसी

चंडीगढ़। विधानसभा चुनाव में जीत के बाद इसराना के विधायक कृष्ण लाल पंवार ने राज्यसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया है। पंवार ने राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात करके इस्तीफा सौंपा। कृष्ण लाल पंवार पहले भी मनोहर सरकार में परिवहन मंत्री रह चुके हैं। पंवार का बतौर राज्यसभा सदस्य कार्यकाल वर्ष 2029 तक है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान पंवार ने इसराना विधानसभा हल्के से कांग्रेस के बलबीर वाल्मीकि को 13578 वोटों से हराया था। माना जा रहा है की पंवार को दोबारा भाजपा सरकार में मंत्री बनाया जा सकता है। इन्हीं अटकलों के बीच कृष्ण लाल पंवार ने राज्यसभा सीट से इस्तीफा दे दिया।

तनावपूर्ण जीवन में आंतरिक शांति पाना मायावी खोज की तरह : नरसी राम बिश्नाई

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि आज की भागदौड़ भरी और तनावपूर्ण दुनिया में आंतरिक शांति के पल पाना एक मायावी खोज की तरह लग सकता है। रोजमर्रा की भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच एक योग जैसी कला को शामिल करना जो शरीर और मन दोनों को पोषित करे, सर्वोपरी हो जाता है। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई विश्वविद्यालय में स्थापित योग विज्ञान विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर रहे थे। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि योग भारत में उत्पन्न एक प्राचीन विज्ञान है, जो दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए आशा और समय कल्याण की किरण बनकर उभरी है। शारीरिक व्यायाम से परे, योग एक ऐसी जीवन शैली है जो हमारे अस्तित्व के हर पहलू को छूती है। हम अपने दैनिक जीवन में योग द्वारा हमारे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण को सकारात्मक रूप से परिवर्तित किया जा सकता है। योग के इस समसामयिक महत्व को देखते हुए हमने योग विज्ञान विभाग की स्थापना की है। जो विश्वविद्यालय व प्रदेश में योग शिक्षा के प्रचार-प्रसार में अपना अमूल्य योगदान देने का कार्य करेगा।

सेक्टर की समस्याओं बारे नगर निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

हिसार। सेक्टर 16-17 एवं सेक्टर 13 पार्ट टू रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल डा. हरिचंद के नेतृत्व में नगर निगम आयुक्त से मिला और उनको सेक्टर की समस्याओं के हल के लिए ज्ञापन सौंपा व उनका समाधान करवाने की मांग की। एसोसिएशन के महासचिव धर्मपाल कालीरामण ने बताया कि सेक्टर की सडक़ें जर्जर हो चुकी हैं। सीवरेज व्यवस्था ठप है। सेक्टर में आवारा पशुओं व बंदरों की भरमार है, जिनके कारण आए दिन सेक्टर में हादसे होते रहते हैं। सेक्टर में सफाई कर्मचारी बहुत कम आते हैं, जिसके कारण सफाई व्यवस्था का बुरा हाल हो गया है। सेक्टर के चौराहों पर पेड़ों की कटाई नहीं होने से वो विकराल रूप ले चुके हैं, जिनके कारण हादसा होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने बताया कि सेक्टर में आधी से अधिक स्ट्रीट लाइटें खराब हो चुकी हैं, जिसका फायदा अपराधी किस्म के लोग उठाते हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम आयुक्त ने उक्त समस्याओं का जल्द समाधान करवाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर प्रधान इंद्र सिंह मलिक, कुलबीर दुहन, जगत सिंह मोर, विजय भोरिया, बलबीर लाठर, कर्नल चतर सिंह व मनोज सैनी आदि भी मौजूद रहे।

सैन्य अधिकारियों ने विद्यार्थियों में भरा देश भक्ति का जोश, सैन्य सेवाओं की दी जानकारी

झज्जर। जिला मुख्यालय स्थित शहीद रमेश कुमार राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय परिसर में प्रोजेक्ट वीर गाथा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिसार 22 मेकेनाइज इंफेंटरी डिवीजन हिसार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बहादुर सैन्य अधिकारियों ने विद्यार्थियों को वीर गाथा से अवगत कराते हुए देश सेवा का आह्वान किया। इस अवसर पर रेजिमेंट के मेजर अतिल कुमार जैना ने विद्यार्थियों को देश में तीनों सेनाओं की पृष्ठभूमि से जुड़ी जानकारी के साथ साथ सेना में भर्ती होने संबंधी पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होने सैन्य सेवाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को सेना की ओर से प्रदान की जा रही सुविधाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश सेवा के साथ साथ सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए सेना सदैव तत्पर रहती है। विद्यार्थियों व अध्यापकों ने भारतीय सेना पर गर्व महसूस किया और भाषण सुनकर विद्यार्थियों ने सेना में दाखिल होने का इच्छा जाहिर की। प्राचार्य जोगेंद्र धनखड़ ने विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों व अध्यापकों में देशभक्ति का जोश भरा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में झज्जर जिला का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। इस जिला से वीर सैनिकों की अनेक गाथाएं है। उन्होंने इस अवसर पर अपने स्वयं के जीवन पर भी प्रकाश डाला।

हरियाणा पुलिस के युवा कर्मियों को मिलेगी आधुनिक हथियार चलाने की ट्रेनिंग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में हिंसक अपराध नियंत्रण तथा हरियाणा पुलिस में क्षमता निर्माण करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने प्रदेशभर के पुलिस महानिरीक्षकों, पुलिस आयुक्तों तथा पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। इस दौरान उन्होंने विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले एजेंटों पर कार्रवाई करने तथा नशा मुक्ति अभियान के बारे में रिपोर्ट ली।

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि प्रदेश में हिंसक अपराध नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मियों का उच्च स्तरीय व गहन हथियार संचालन प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है ताकि उचित परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा के लिए उनका इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने जिलों में तैनात अच्छे युवा पुलिसकर्मियों का साक्षात्कार करते हुए उनका चयन करें और उनका अलग-अलग बैच बनाकर शस्त्र

चलाने का उन्नत प्रशिक्षण दिलवाना सुनिश्चित करें। वे इसके लिए अच्छे प्रशिक्षकों का चुनाव करें ताकि उच्च गुणवत्ता की ट्रेनिंग दी जा सके। उन्होंने आगे कहा कि इसके लिए पुलिस मुख्यालय से भी कोर्स डिजाइन करके जिलों में भिजवाया गया है। पुलिस अधीक्षक इस कोर्स को अपने जिले की स्थानीय समस्याओं के अनुरूप भी डिजाइन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण 7 से 10 दिन का होना चाहिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस अधीक्षक यह ट्रेनिंग 21 अक्टूबर से शुरू करवाना सुनिश्चित करें। इससे जिलों में अपनी अच्छी स्वाट टीम भी तैयार होगी जो हिंसक अपराध नियंत्रण में प्रभावी तरीके से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण करवाने के लिए एचपीए मधुबन तथा पीटीसी सुनारिया के प्रशिक्षण केंद्रों का भी चयन किया गया है। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि वे क्षमता निर्माण के लिए अच्छे से अच्छा हथियार/उपकरण भी उपलब्ध करवाएं। कपूर ने विदेश भेजने के नाम पर लोगों के साथ ठगी करने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस अधीक्षक अवैध इमीग्रेशन फ्रॉड की नियमित रिपोर्ट मुख्यालय को भेंजें। पुलिस अधीक्षक ऐसे मामलों की मॉनिटरिंग स्वयं करें और उनकी जांच के स्तर को भी पहले की अपेक्षा गहनता से करें। डीजीपी ने पुलिस अधीक्षकों से 31 दिसंबर तक अपने-2 जिलों के गांवों तथा वार्डों को नशा मुक्त बनाने के लिए स्वयं के लक्ष्य निर्धारित करके इसे प्राप्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षकों ने उनके क्षेत्र में नशा मुक्ति को लेकर क्या-क्या काम हुए हैं उस बारे में विस्तार से बताया।

अवैध कालोनी में प्रशासन ने चलाया पीला पंजा

एजेंसी

रोहतक। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि जिला नगर योजनाकार कार्यालय द्वारा रोहतक नियन्त्रित एवं शहरी क्षेत्र में अवैध रूप से किये जा रहे निर्माणों व कालोनियों को गिराने का अभियान चलाया गया। इस अभियान में रोहतक-हिसार आउटर बाईपास पर गांव मायना में दो अवैध कॉलोनियों को तोड़ा गया, जिसमें दो निर्माणाधीन भवन, पांच डीपीसी, आठ बिजली खंभे, डब्ल्यू.बी.एम. रोड़ नेटवर्क, कच्चा रोड़ नेटवर्क कुल लगभग 14.11 एकड़ को तोड़ा गया।

इस तोड़-फोड़ की कार्यवाही में जिला नगर योजनाकार कार्यालय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस बल तोड़ फोड़ अमले के साथ मौजूद रहा। जिला नगर योजनाकार सुमनदीप ने कहा कि अपनी जीवन की पूंजी अवैध निर्माणों में या डीलर व भू-मालिकों के द्वारा काटी जा रही अवैध कालोनियों में निवेश न करें। अवैध निर्माण के खिलाफ इस तरह की विभागीय कार्यवाही समय-समय पर

प्रशासन द्वारा अमल में लाई जाएगी। उन्होंने जन साधारण का अनुरोध किया कि अपनी पूंजी को निवेश करने से पहले जिला नगर योजनाकार कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में आकर पूछताछ कर सकते हैं।

हरियाणा सरकार का फैसला :आईटी प्रोफेशनल्स का मानदेय 1750 से 2150 तक बढ़ा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में सरकारी विभागों, बोर्ड-निगमों और स्वायत्त संस्थानों में हारट्रोन के माध्यम से लगे आईटी प्रोफेशनल्स को अब ज्यादा मानदेय मिलेगा। सरकार ने मानदेय में 1750 रुपये से लेकर 2150 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। हर साल मानदेय में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी भी की जाएगी। बढ़े हुए मानदेय का लाभ पहली अगस्त से मिलेगा।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण कुमार गुप्ता ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। अभी तक पांच साल तक अनुभव वाले डेटा एंट्री ऑपरेटर और डीटीपी ऑपरेटर को 21 हजार 650 रुपये मासिक, पांच से 10 साल के अनुभव पर 23 हजार 850 रुपये और इससे अधिक अनुभव वाले कर्मचारियों को 26 हजार रुपये मानदेय दिया जा रहा था। अब पांच साल तक अनुभव वाले डाटा एंट्री ऑपरेटर और डीटीपी ऑपरेटर को 23 हजार 400 रुपये मासिक, पांच से 10 साल के अनुभव पर 25

पहली अगस्त से मिलेगा बढ़े मानदेय का लाभ

हजार 750 रुपये और इससे अधिक अनुभव वाले कर्मचारियों को 28 हजार 100 रुपये मानदेय मिलेगा। इसी तरह पांच साल तक अनुभव वाले जूनियर प्रोग्रामर, जूनियर डेटा ऐनालिस्ट, नेटवर्किंग असिस्टेंट और वेब डिजाइनर को अभी तक 22 हजार 300 रुपये मासिक, पांच से 10 साल के अनुभव पर 24 हजार 550 रुपये तथा इससे अधिक अनुभव वाले कर्मचारियों को 26 हजार 800 रुपये मानदेय मिलता था। अब पांच साल तक अनुभव वाले जूनियर प्रोग्रामर, जूनियर डेटा ऐनालिस्ट, नेटवर्किंग असिस्टेंट और वेब डिजाइनर को 24 हजार 100 रुपये मासिक, पांच से 10 साल के अनुभव पर 26 हजार 550 रुपये तथा इससे अधिक अनुभव वाले कर्मचारियों को 28 हजार 950 रुपये मानदेय दिया जाएगा। नए मानदेय को लेकर सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्ष, मंडलायुक्त, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार, सभी बोर्ड-निगमों और सार्वजनिक उपक्रमों के प्रबंध निदेशक, मुख्य प्रशासक तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार, उपायुक्तों और जिला आईटी सोसायटी के अध्यक्षों को निर्देश जारी किए गए हैं। यदि कोई कर्मचारी वर्तमान में संशोधित आधार दर से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त कर रहा है, तो उसे संरक्षित किया जाएगा।

एनसीआर के शहर बहादुरगढ़ में प्रदूषण नियंत्रण के लिए विशेष प्रयास

एजेंसी

झज्जर। एनसीआर के शहर बहादुरगढ़ में दिवाली के त्योहारी सीजन में प्रदूषण नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन विशेष कदम उठा रहा है। जिलाधीश कैप्टन शक्ति सिंह ने आगामी 22 अक्तूबर से 31 जनवरी 2025 तक वायु गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिए बेरियम साल्ट वाले पटाखों के उत्पादन, बिक्री व पटाखे बजाने पर रोक लगा दी है। केवल दिवाली, गुरु पर्व और क्रिसमस के दिन सीमित समय में ग्रीन पटाखे बजाए जा सकते हैं।

जिलाधीश के आदेश में कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के एक निर्णय के अनुसार अधिक मात्रा में पटाखे बजाने से वातावरण दूषित हो सकता है। जिससे श्वास के रोगियों को भारी तकलीफ होती है। सरकार के दिशा-निर्देश व हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सुझाव पर अमल करते हुए वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखने के लिए पटाखों की बिक्री व उत्पादन पर प्रतिबंध लगाया जाता है। जो कि 22 अक्तूबर से 31 जनवरी, 2025 तक लागू रहेगा। इस दौरान दीवाली और गुरु पर्व के दिन रात को आठ से दस बजे तक ग्रीन पटाखे बजाए जा सकते हैं।इसी प्रकार क्रिसमस से एक दिन पहले रात को 11.55 से 12.30 बजे तक ये ग्रीन पटाखे बजाए जा सकते हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, विस्फोटक अधिनियम के तहत जारी किए आदेश में जिलाधीश ने कहा है कि जोर की आवाज करने वाले पटाखे तथा पटाखों की लडियां आदि के उत्पादन तथा बेचने पर रोक

रहेगी। पटाखों की वजह से वायु प्रदूषण इंडेक्स 2.5 से दस प्वाईंट तक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी वायु इंडेक्स पर निगरानी रखेंगे। पुलिस, नगर निगम, अग्निशमन व पंचायत विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि बाजारों में पटाखों की बिक्री ना हो और कहीं पर भी फैक्ट्री में पटाखे ना बनाए जाएं।

पुलिस कमीश्नरेट में एसपीओ पदों के साक्षात्कार 16 अक्टूबर को

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत पुलिस को अब सहयोग के लिए नए स्पेशल पुलिस आफिसर मिलेंगे। इसके लिए 16 अक्टूबर को भर्ती की जाएगी। पुलिस प्रवक्ता रविन्द्र सिंह ने बतलाया की सोनीपत पुलिस कमीश्नरेट में एसपीओ भर्ती की प्रक्रिया शुरु हो चुकी थी जिसे राज्य में विधानसभा चुनावों के कारण लगने वाली आचार संहिता के कारण रोकना पडा था। पुलिस आयुक्त सोनीपत सतेंद्र गुप्ता के मार्गदर्शन में आचार संहिता के कारण रुकी एसपीओ पदो की भर्ती को दोबारा से शुरु किया जा रहा है। राज्य में चुनाव संपन्न होने व आचार संहिता के हटने के बाद रुकी हुई भर्ती को दोबारा से शुरु कर 16 अक्टूबर 2024 को पुलिस उपायुक्त मुख्यालय मनबीर सिंह के नेतृत्व वाली कमेटी पुलिस लाईन में साक्षात्कार करेगी। उल्लेखनीय है कि 16 अगस्त से 21 अगस्त 2024 तक पुलिस लाईन सोनीपत में एसपीओ की भर्ती हेतु आवेदन मांगे गए थे।

जिला सोनीपत में एसपीओ के खाली पड़े 22 पदों को भरने के लिए बुधवार 16 अक्टूबर को सुबह 9.00 बजे सभी 39 उम्मीदवारों को उनके सभी ओरिजनल डॉक्यूमेंट सहित सोनीपत पुलिस लाईन में बुलाया गया है। इसलिए अब वो इंजतार खतम हो गया है सभी आवेदक निर्धारित समय से पहुंचकर साक्षात्कार देंगे।

कैथल जिला पंचायत अध्यक्ष दीपक मलिक की कुर्सी गई, अविश्वास प्रस्ताव पारित

एजेंसी

कैथल। विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद कैथल के जिला परिषद के चेयरमैन दीपक मलिक की कुर्सी चली गई।उनके खिलाफ लाये गए अविश्वास प्रस्ताव पर हुए मतदान का परिणाम घोषित कर दिया गया। मतदान में 17 पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में वोट डाला था।

इस साल जून में लोकसभा चुनाव का रिजल्ट आने के बाद जजपा समर्थित चेयरमैन दीपक मलिक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उन्हें हटाने की रणनीति बनाई गई। इसके चलते 12 जुलाई को भाजपा समर्थित 15 पार्षदों ने तत्कालीन डीसी प्रशांत पंवार को अविश्वास का शपथ पत्र दिया। इसके तुरंत बाद ही डीसी ने सभी पार्षदों और चेयरमैन को मतदान के लिए नोटिस भेजा। इसके बाद 19 जुलाई को अविश्वास प्रस्ताव पर

मतदान हुआ था। इस मतदान में जिला पंचायत के कुल 21 पार्षदों में से 17 ने मतदान किया। एक पार्षद निलंबित चल रहा है। चेयरमैन सहित तीन पार्षदों ने मतदान में भाग नहीं लिया था। अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ चेयरमैन दीपक मलिक हाई कोर्ट पहुंच गए।पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करने के बाद दीपक को कोई राहत नहीं दी और वोटिंग का रिजल्ट घोषित करने के आदेश दिए थे। हालांकि, कोर्ट ने विधानसभा चुनाव के बीच में रिजल्ट घोषित करने का निर्णय सुनाया था, लेकिन आचार संहिता लगने के कारण जिला प्रशासन ने इसे रोक लिया था।

प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा के बीच जिला सभागार में अविश्वास प्रस्ताव पर हुए मतदान की गणना का परिणाम घोषित कर दिया। इस प्रस्ताव के पक्ष में 17 पार्षदों ने मतदान किया था। इस तरह चेयरमैन दीपक मलिक के खिलाफ प्रस्ताव पारित हो गया।

चेयरमैन दीपक मलिक जननायक जनता पार्टी समर्थित थे। बाद में दीपक मलिक विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए थे। दीपक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में वार्ड 1 से पार्षद संजीव ठाकुर, वार्ड 3 से रुमिला ढुल, वार्ड 4 से दिलबाग सिंह, वार्ड 5 से कमलेश रानी, वार्ड 6 से अमरजीत, वार्ड 7 से कमलेश रानी, वार्ड 8 से ममता रानी, वार्ड 9 से देवेंद्र शर्मा, वार्ड 10 से सोनिया रानी, वार्ड 13 से कर्मवीर कौल, वार्ड 14 से पिंकी रानी, वार्ड 15 से मनीष शर्मा फरल, वार्ड 16 रितु कुमारी, वार्ड 18 से मैनेजर कश्यप, वार्ड 19 से बलजीत कौर, वार्ड 20 से सुरजीत कौर और वार्ड 21 से पार्षद बलवान सिंह ने मतदान किया था।

हरियाणा में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां तेज, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री होंगे शामिल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां पंचकूला में जोरों पर चल रही हैं। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री अमित शाह भी शामिल होंगे। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के लिए प्रशासन ने थ्री-लेयर सुरक्षा घेरा बनाने और मुख्य मंच के नजदीक सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। समारोह में भाजपा की ओर से विपक्षी नेताओं को भी आमंत्रण भेजा जाएगा। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से एंबुलेंस और चिकित्सकों की टीमें भी अलर्ट रहेंगी।

भाजपा कर राज्य इकाई पंचकूला के सेक्टर-5 में स्थित दशहर ग्राउंड पर आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण समारोह को यादगार बनाने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी है। इसके लिए करनाल के पूर्व सांसद संजय भाटिया सहित कई अन्य नेता तैयारियों का जिम्मा संभाले हुए हैं। शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर व्यवस्था का जायजा लेने के लिए राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ भी यहां पहुंचे। उन्होंने पंचकूला के पंचकमलम् कार्यालय में नेताओं की मीटिंग ली और तैयारियों की समीक्षा की। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर भाजपा ने 26 तरह की

टीमें गठित की हैं, जिनमें मंच व्यवस्था, साज-सज्जा, माइक, जलपान सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर टीमों का गठन किया गया है। बैठक में तरुण चुघ ने व्यवस्था टीमों के इंचार्ज और पदाधिकारियों से सीधा संवाद किया। शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध होंगे। कार्यक्रम में व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर ब्लॉक व लेयर में सुरक्षा कर्मी की तैनाती होगी। इसके साथ ही शपथ ग्रहण समारोह में आने वाले लोगों को थ्री-लेयर सुरक्षा चक्र को पार करना होगा। समारोह स्थल पर बम स्कवाड के साथ डॉग स्कवाड की टीमें भी मुस्तैद रहेंगी। आईजी स्तर के अधिकारी तैयारियों को जायजा ले रहे हैं। करनाल से पूर्व सांसद संजय भाटिया ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्यातिथि होंगे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विशेष तौर पर मौजूद रहेंगे। 16 अक्टूबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विधायक दल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें विधायक दल का नेता चुना जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय मंत्रियों के साथ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री भी हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही भाजपा की ओर से प्रदेश के विपक्षी नेताओं को भी शपथ ग्रहण समारोह का आमंत्रण भेजा जाएगा। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्?डा, पूर्व मंत्री रणजीत चौटाला, पूर्व मंत्री बीरेंद्र सिंह, पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, पूर्व विधायक अभय चौटाला सहित अन्य एनडीए शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को भी आमंत्रण भेजा जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ. मनीष बंसल ने बताया कि दशहरा ग्राउंड शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर 16 एंबुलेंस तैनात की जाएंगी। यही नहीं पीजीआई चंडीगढ़, पीजीआई रोहतक और कल्पना चावला मेडिकल कालेज के स्पेशलिस्ट डाक्टरों टीमें भी समारोह स्थल पर मौजूद रहेंगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पंचकूला सीएमओ को नोडल अधिकारी बनाया गया है। पंचकूला सिविल अस्पताल में स्पेशल वार्ड बनाया गया है।

कृषि विभाग के अधिकारी पहुंच रहे खेतों में किसानों को कर रहे जागरूक

जींद। किसानों को फसल अवशेष नहीं जलाने को लेकर प्रेरित करने के लिए कृषि विभाग के अधिकारी खेतों में पहुंच रहे है। सोमवार को कृषि विभाग एसडीएओ डा. बलजीत लाठर की अगुवाई में कृषि विभाग की टीम विभिन्न गांव के खेतों में पहुंची। लाठर ने कहा कि फसली अवशेषों को आग लगने से किसान के खेत की जमीन उर्वारा शक्ति कम हो रही है। इससे न केवल जमीन में रहने वाले मित्र कीट खत्म हो जाते हैं बल्कि आसपास के क्षेत्र की हवा में घुलने वाला धुआं व्यक्ति की शारीरिक बीमारियों का कारण भी बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि आधुनिक कृषि यंत्रों की मदद से किसान न केवल धान की फसल के अवशेषों का प्रबंधन कर सकता है बल्कि अपनी गेहूं की फसल बिजाई के समय होने वाले खर्चे को भी कम कर सकता है। किसान सुपर सीडर की मदद से फसल अवशेषों के प्रबंधन के साथ.साथ गेहूं की बुवाई कर सकता है।

नारी को अबला नहीं सबला बनना होगा: माधुरी मराठे

एजेंसी

गुरुग्राम। संवर्धनी न्यास की राष्ट्रीय सचिव माधुरी मराठे ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना विजय दशमी के दिन ही हुई है। आरएसएस अब अपनी सतायु पूरी करने जा रही है। हमारे लिए यह गौरव की बात है। शास्त्र और शस्त्र सनातन की मूल पहचान है। बदलते परिवेश में उन्होंने नारी का आह्वान करते हुए कहा कि केवल शस्त्र पूजने से ही काम चलने वाला नहीं है। यह बात उन्होंने यहां सेक्टर-10 स्थित सिद्धेश्वर स्कूल में आयोजित विजय दशमी कार्यक्रम में राष्ट्र सेविका समिति द्वारा शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। पथ संचलन में 20 स्थानों से आई 350 से अधिक नारी शक्ति ने अपनी समरूप कदम ताल से अपनी एकता का शंखनाद करती दिखाई दी। जहां-जहां पथ संचलन निकला सडक़ किनारे खड़े लोगों ने पुष्प वर्षा से स्वागत किया। घोष की स्वर लहरियां व संचलन में भागीदार नारी शक्ति के कदमों की ताल देखते ही बनती थी। माधुरी मराठे ने कहा कि दशहरा मां दुर्गा की नो दिन की उपासना के उपरांत आता है, मां दुर्गा की पूजा हम अपनी रक्त वाहिनी में शक्ति का संचार करने

के लिए करते हैं। इसलिए अब भरत की नारी को अबला नही सबला बनना होगा। जिससे राष्ट्र रक्षा में नारी भी रानी लक्ष्मी बाई की भांति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। उनके अनुसार नारी को समाज रूपी रथ की सारथी बनना होगा। उन्होंने कहा कि वन्देमातरम गीत को रचना के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। बंकिम चन्द्र बनर्जी रचित इस गीत केवल आनंद मठ का ही गीत नही रहा बल्कि जन जन की चेतना का गीत बन गया। आजादी के मतवालों की धमनियों में इस गीत ने नई ऊर्जा का प्रवाह कर दिया। जिससे अंग्रेज भी डरने लगे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही मानेसर गवर्नमेंट कालेज की प्राचार्य डॉ. सुनीता मलिक ने कही। मुख्य अतिथि के रूप में विज्ञान भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. रंजना अग्रवाल ने भी नारी शक्ति को उनकी सनातन शक्ति को पहचानने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नारी जागरण के बिना भारत माता को विश्व गुरु के आसन पर आरूढ़ करने की परिकल्पना को साकार नही किया जा सकता।

सिरसा में नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस ने चलाया सर्च आप्रेशन

एजेंसी

सिरसा। सिरसा की जै-जै कॉलोनी, गुरु तेग बहादुर नगर तथा शमशाबाद पट्टी इत्यादि क्षेत्रों में सुबह नशा तस्करों व अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के घरों पर दबिश देकर विशेष सर्च अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिला पुलिस की टीमों ने शहर की विभिन्न कालोनियों में अनेक जगहों पर छापेमारी कर मादक पदार्थ व अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के घरों पर दबिश देकर तलाशी ली। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है, वहीं नशे के सौदागरों को सरंक्षण देने वालों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि सर्च अभियान का उदेश्य विभिन्न प्रकार के नशे का

कारोबार करने वाले लोगों पर कारगर ढंग से अंकुश लगाना है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नशा तस्करों व अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ चलाया जा रहा सर्च अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा । उन्होंने कहा कि युवा नशे के दलदल में फंस कर अपराधिक गतिविधियों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेल गतिविधियों के माध्मय से उन्हें नशे से दूर रहने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशा मानव जीवन के लिए एक अभिषाप है, इसलिए नशे जैसी सामाजिक बुराई को जड़ मूल से समाप्त करने के लिए समाज के सभी लोगों को आगे आकर नशे का कारोबार करने वालों का सामाजिक बहिष्कार करना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे इस अभियान में सामाजिक संस्थाएं, ग्राम पंचायतें, युवा क्लब व गांव में गठित कमेटियां जिला पुलिस का पूरा सहयोग करें ताकि इस अभियान को सफलता के शिखर तक ले जाया जा सके ।

घरेलू शेयर बाजार में पूरे दिन लिवालों का रहा जोर, खरीदारी के सपोर्ट से उछले सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पूरे दिन उत्साह का माहौल बना रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.73 प्रतिशत और निफ्टी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके साथ ही फार्मास्यूटिकल, एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, पीएसई और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर मेटल, मीडिया और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 463.76 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 462.27 लाख करोड़ रुपये था।

शक्तिकांत दास ने धन प्रेषण की लागत और समय कम करने की वकालत की

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने विदेश से धन भेजने में लगने वाले समय और लागत कम करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए ये अत्यंत महत्वपूर्ण है। दास ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी और भुगतान प्रणाली का उपयोग सीमा पार भुगतान में तेजी लाने और विस्तार के लिए किया जा सकता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने नई दिल्लीं में 'सेंट्रल बैंकिंग एट क्रॉसरोड्स' विषय पर आयोजित एक उच्चस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सहित कई उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीमा पार पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की संभावनाओं को तलाशने के लिए धन प्रेषण शुरुआती बिंदु है। उन्?होंने कहा कि हमारा मानना है कि ऐसे धन प्रेषणों की लागत और समय को कम करने की अपार संभावनाएं हैं। शक्तिकांत दास ने कहा कि इसके अलावा डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन निपटाने के लिए वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के विस्तार की व्यवहार्यता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से तलाशी जा सकती है।

थोक महंगाई दर सितंबर महीने में बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल की वजह से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर सितंबर महीने में 1.84 फीसदी हो गई, जबकि अगस्त महीने में यह 1.31 फीसदी थी। सितंबर 2023 में थोक महंगाई दर 0.26 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सितंबर महीने में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने अगस्त में यह दर घटकर 1.31 फीसदी पर आ गई थी। जुलाई में थोक महंगाई दर 2.04 फीसदी रही थी। मंत्रालय ने कहा कि सब्जियों और खाने-पीने के चीजों के दाम बढ़ने की वजह से थोक महंगाई दर बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य पदार्थों की कीमतें सितंबर महीने में बढ़कर 9.47 फीसदी हो गई है, जबकि अगस्त में यह 3.26 फीसदी रही थी। हालांकि, सितंबर में ईंधन और बिजली की कीमतों में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है, जबकि पिछले महीने यह 0.67 फीसदी थी। वहीं, थोक मूल्य सूचकांक के प्राइमरी आर्टिकल की सलाना मुद्रास्फीति दर बढ़कर 6.59 फीसदी हो गई है, जो अगस्त में 2.42 फीसदी रही थी। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की थोक महंगाई दर 1.22 फीसदी से घटकर एक फीसदी पर आ गई है।

अमेजन इंडिया ग्रेट इंडियन फेस्टिवल से जुड़े 16 लाख विक्रेता

लखनऊ। अमेजन इंडिया का दावा है कि ग्रेट इंडिया फेस्टिवल 2024 में देश भर में 16 लाख से अधिक विक्रेताओं ने अपने उत्पादों को पेश किया है जिनमें से अकेले उत्तर प्रदेश में ही दो लाख विक्रेता शामिल हैं। अमेजन इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट, कैटेगरी सौरभ श्रीवास्तव ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश भर में ग्रेट इंडिया फेस्टिवल को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है। 27 सितंबर को शुरू हुए अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल के पहले 48 घंटों ने अमेजन.इन पर विक्रेताओं और ब्रांड भागीदारों के लिए करीब 11 करोड़ ग्राहक विजिट और आठ से अधिक विक्रेताओं की एक लाख रुपए से अधिक की बिक्री के साथ अबतक का सबसे बड़ी ओपनिंग देखी है। लखनऊ में दो-पहिया वाहनों की बिक्री में तीन गुना की वृद्धि के साथ सबसे स्ट्राइकिंग ट्रेंड देखने को मिला, साथ ही व्हीकल टूल्स के लिए मांग में 60 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। उन्होने बताया कि अमेजन.इन ने उत्तर प्रदेश में एक मजबूत भौतिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में निवेश किया है, जिसमें 22.3 लाख वर्ग फुट की भंडारण क्षमता वाला एक फुलफिलमेंट सेंटर और छह हजार वर्ग फुट सोर्टिंग एरिया के साथ एक सॉर्टेशन सेंटर शामिल है।

राइजिंग राजस्थान के तहत 76 हजार 400 करोड रुपये के निवेश के करार पर हस्ताक्षर

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में जयपुर में 'राइजिंग राजस्थान' शहरी क्षेत्र पूर्व सम्मेलन में 400 से अधिक निवेशकों के साथ 76 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक के नए निवेश के करार पर हस्ताक्षर किए गए। शहरी विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बताया कि इसमें रियल एस्टेट, डेटा सेंटर और आईटी पार्क, टाउनशिप और शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण के क्षेत्रों में हस्ताक्षरित निवेश के करार राज्य में सतत शहरीकरण, किफायती और गुणवत्तापूर्ण जीवन के लक्ष्य को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि निवेश करारों पर हस्ताक्षर करने वाली प्रमुख कंपनियों में हीरानंदानी कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, के रहेजा कॉर्प, कस्तूरी ग्रुप और विराज ग्रुप शामिल हैं। राइजिंग राजस्थान से पहले आयोजित पूर्व निवेश सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री खर्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार अगले पांच वर्षों में राजस्थान

की अर्थव्यवस्था के आकार को मौजूदा 180 बिलियन डॉलर से दोगुना करके 350 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। राजस्थान की करीब 26 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है और राजस्थान के सभी जिले महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हैं जो राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने जा रहे हैं। इसलिए, शहरी बुनियादी ढांचे का कायाकल्प और सुदृढ़ीकरण, बसों और मैट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना और किफायती आवास में परियोजनाओं को प्रोत्साहित करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएँ हैं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान सम्मेलन की मेजबानी करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राइजिंग राजस्थान के तहत हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों को अगले दो तीन वर्षों में जमीन पर उतारा जाए। राजस्थान में व्यवसाय सरलीकरण को प्रोत्साहित करने, कागजी प्रक्रिया समय को कम करने और उद्योगों के विस्तार एवं स्थापना के लिए विकेन्द्रीकृत-स्तर के निर्णय लेने को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

पूर्व सम्मेलन समारोह में निवेशकों को प्रस्तुतिकरण देते हुए शहरी विकास और आवास विभाग के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया ने कहा कि राजस्थान में देश में सबसे अधिक भूमि है, जो बढ़ते शहरीकरण को देखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण है। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना की क्रियान्विति के बाद राज्य में पानी की कमी भी नहीं रहेगी। राज्य निवेशक-अनुकूल नीतियों जैसे कि किफायती आवास नीति और समान टाउनशिप नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के माध्यम से सतत शहरीकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

खुदरा महंगाई दर सितंबर में 9 महीने के उच्चतम स्तर 5.49 फीसदी पर पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। थोक के बाद खुदरा महंगाई दर में भी इजाफा हुआ है। सितंबर महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर उछलकर 5.49 फीसदी पर पहुंच गई है। अगस्त में यह 3.65 फीसदी थी। ये 9 महीने का उच्चतम स्तर है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि खराब मौसम और सब्जियों के महंगे होने से सितंबर महीने में खुदरा महंगाई बढ़कर 5.49 फीसदी पर पहुंच गई है। अगस्त महीने में यह 3.65 फीसदी पर थी। पिछले साल सितंबर माह में खुदरा महंगाई 5.02 फीसदी थी। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य वस्तुओं की महंगाई सितंबर में उछलकर 9.24 फीसदी हो गई है, जो पिछले महीने अगस्त में 5.66 फीसदी और एक साल पहले इसी महीने में 6.62 फीसदी थी। शहरी महंगाई महीने-दर-महीने के आधार पर 3.14 फीसदी से बढ़कर 5.05 फीसदी हो गई है। ग्रामीण महंगाई 4.16 फीसदी से बढ़कर 5.87 फीसदी पर पहुंच गई है।

आरबीआई ने एसजी फिनसर्व पर 28.30 लाख रुपये का लगाया जुर्माना

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया आरबीआई ने एसजी फिनसर्व लिमिटेड पर 28.30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक कंपनी पर यह जुर्माना पंजीकरण प्रमाणपत्र से संबंधित कुछ विशिष्ट शर्तों का पालन नहीं करने के लिए लगाया है। एसजी फिनसर्व को पहले मूंगिपा सिक्योरिटीज के नाम से जाना जाता था। आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि एसजी फिनसर्व लिमिटेड पर 28.30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के कंपनी के वित्तीय विवरणों में अन्य बातों के साथ-साथ पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) से जुड़ी विशिष्ट शर्तों का पालन न करने का खुलासा हुआ है। रिजर्व बैंक ने बताया कि कंपनी ने जारी किए गए सीओआर की विशिष्ट शर्तों का उल्लंघन करते हुए लोगों से राशि स्वीकार की और ऋण दिए। रिजर्व

बैंक ने जारी एक अन्य बयान में कहा कि अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक पर 14 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बैंक पर यह जुर्माना विवेकपूर्ण मानदंडों को मजबूत करने और 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाईसी) पर कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने की वजह से लगाया गया है। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए तीन अन्य सहकारी बैंकों पर जुर्माना लगाया है। इन बैंकों में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, भिंड, मध्य प्रदेश, द अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, धरनगांव, महाराष्ट्र और श्री कालाहस्ती को-ऑपरेटिव टाउन बैंक लिमिटेड, आंध्र प्रदेश शामिल हैं।

भारत 2025 तक 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण की ओर बढ़ रहा है: हरदीप पुरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत इथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 तक पेट्रोल के साथ 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हरदीप सिंह पुरी ने नई दिल्?ली में आयोजित 12वें सीआईआई बायोएनर्जी शिखर सम्मेलन 2024 में सरकार की सक्रिय नीतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश निर्धारित समय से पांच महीने पहले ही अपने पहले के 10 फीसदी इथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को पार कर गया है। उन्?होंने कहा कि 20 फीसदी लक्ष्य प्राप्त करने की प्रारंभिक समय-सीमा 2030 निर्धारित की गई थी, लेकिन तब से इसे संशोधित कर अक्टूबर 2025 कर दिया गया है। पेट्रोलियम मंत्री ने भारत की इथेनॉल मिश्रण पहल की सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा

कि ये मिश्रण 2014 के 1.53 फीसदी से बढ़कर 2024 तक अनुमानित 15 फीसदी हो गया है। इन परिणामों से उत्साहित होकर सरकार ने 20 फीसदी मिश्रण के अपने लक्ष्य की समय सीमा को कम करके 2025 कर दिया है, जिससे सतत ऊर्जा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता मजबूत हुई है। उन्होंने आगे कहा कि 20 फीसदी मिश्रण लक्ष्य की प्राप्ति के बाद भविष्य के लिए रोडमैप विकसित करने के लिए चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। ये रोडमैप ऊर्जा स्थिरता और आत्मनिर्भरता की दिशा में देश के अगले कदमों का मार्गदर्शन करेगा। पुरी ने जोर देकर कहा कि इस समय-सीमा के बाद जैव ईंधन क्षेत्र के लिए एक व्यापक रोडमैप विकसित किया जाएगा। उन्होंने भारतीय ऊर्जा बाजार में उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता को संतुलित करने की चुनौतियों को स्वीकार किया, लेकिन पुष्टि की कि खाद्य-भंडार की बढ़ती कीमतों के बीच इथेनॉल का मिश्रण एक व्यवहार्य समाधान बना हुआ है।

इसरो ने तंबोली कास्टिंग्स को आईएसी 2024 में भाग लेने के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी

भावनगर/नई दिल्ली। बीएसई लिस्टेड तंबोली इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सहायक कंपनी, तंबोली कास्टिंग्स लिमिटेड को इटली के मिलान में 14 से 18 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 75वें इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉटिकल कांग्रेस (आईएसी) में भाग लेने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) से निमंत्रण मिला है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि उसकी सहायक तंबोली कास्टिंग्स तंबोली कास्टिंग्स लिमिटेड (टीसीएल) को इटली के मिलान में 75वें इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉटिकल कांग्रेस में शामिल होने के लिए इसरो से निमंत्रण मिला है। ये कंपनी भारत से भाग लेने वाली बीस कंपनियों में से एक है, जो कास्टिंग और मशीनिंग सेक्टर की एकमात्र प्रतिनिधि है। इस आयोजन में इसरो की-कॉन्ट्रीब्यूटर

और प्लैटिनम स्पॉन्सर भी है, जो आईएसी के आयोजन में भारतीय कंपनियों के एक प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व कर रहा है। इस अवसर पर कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर वैभव बी. तम्बोली ने कहा कि यह वास्तव में हमारे लिए हमारे द्वारा विकसित की गई स्वदेशी क्षमताओं को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है। हम विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत पहल के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसरो ने हमें कांग्रेस में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है, जो एयरोस्पेस क्षेत्र में हमारी क्षमताओं के बारे में बहुत कुछ बताता है और हम इस सेक्टर में अपने फुटप्रिंट को आगे बढ़ाने के लिए कमिटेड हैं। तम्बोली कास्टिंग्स लिमिटेड, मिशन क्रिटिकल कंपोनेंट का निर्माण करती है। ये न्यूमेटिक्स एवं ऑटोमेशन, पंप, वाल्व और टर्बो पार्ट्स, एयरोस्पेस तथा ऑटोमोटिव इंडस्ट्रीज में विशेषज्ञता रखता है। टीसीएल को 2004 में एक एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड यूनिट के रूप में इनकॉर्पोरेट किया गया था, जो 2006 में उत्पादन शुरू किया था। इसके ग्राहकों में यूरोप, अमेरिका और एशिया की फॉर्च्यून 500 कंपनियां और ब्रांड शामिल हैं, जिनमें फेरारी, सीमेंस, इसरो, जगुआर, फ्लोसर्व, फोर्ड, वोइथ, बॉश, एलएंडटी सहित अन्य प्रमुख कंपनियां है।

कैट ने त्योहारी सीजन में करीब 4.25 लाख करोड़ रुपये के व्यापार की संभावना जताई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े त्योहार दिवाली एवं उससे जुड़े अन्य त्योहारों की श्रृंखला को लेकर व्यापारी और उपभोक्ता दोनों बेहद उत्साहित हैं। यही वजह है कि इस बार रक्षा बंधन से लेकर दिवाली तक के त्योहारी सीजन में देशर के बाजार गुलजार हैं। इस वर्ष त्योहारी सीजन का व्यापार 4.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। पिछले वर्ष यह आंकड़ा लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये के व्यापार का रहा था। त्योहारों के सीजन के बाद शादियों का सीजन शुरू हो जाएगा। इसमें भी देशभर के व्यापारी बड़े व्यापार होने की उम्मीद कर रहे हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और दिल्ली की चांदनी चौक सीट से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल को इस त्योहारी सीजन में करीब 4.25 लाख करोड़ रुपये का व्यापार होने की उम्मीद है। खंडेलवाल ने जारी एक बयान में बताया कि कैट ने देश के विभिन्न राज्यों के 70 शहरों में स्थित व्यापारिक वितरण केंद्रों में व्यापारी संगठनों के बीच हालिया सर्वे कराया है। समीक्षा रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष देशभर में व्यापारियों ने बड़े पैमाने पर ग्राहकों की मांग एवं पसंद को पूरा करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। कैट महामंत्री ने कहा कि इसको देखते हुए इस वर्ष त्योहारी सीजन का व्यापार 4.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष यह आंकड़ा लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये के व्यापार का रहा था। खंडेलवाल ने कहा कि अकेले राजधानी नई दिल्ली में ही इस त्योहारी सीजन के व्यापार का आंकड़ा 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक जा सकता है। खंडेलवाल ने कहा कि त्योहारों के सीजन के बाद शादियों का सीजन शुरू हो जाएगा। इसमें भी देशभर के व्यापारी बड़े व्यापार होने की उम्मीद कर रहे हैं।

एआई का उपयोग मजबूत नियामक ढांचे द्वारा निर्देशित होनी चाहिए: सिंधिया

नयी दिल्ली। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बहुत तेजी और सटीकता को सक्षम बना रहा है लेकिन इसका उपयोग नैतिक विचारों और मजबूत नियामक ढांचे द्वारा निर्देशित होनी चाहिए। श्री सिंधिया ने यहां भारतमंडप में आईटीयू डब्ल्यूटीएसए कार्यक्रम में कहा कि एआई और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) का निर्देशित करने पर बाद में नहीं सोचा जा सकता है। गोपनीयता और पूर्वाग्रह की चिंताओं को संबोधित किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ये प्रौद्योगिकियां अच्छे के लिए एक शक्ति के रूप में काम करें। उन्होंने कहा हमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह और पारदर्शिता की चिंताओं को संबोधित करना चाहिए।

कौशल भारत मिशन में एआई असिस्टेंट के लिए एमएसडीई ने मेटा के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने कौशल भारत मिशन के लिए कृत्रिम मेधा सहायक (एआई असिस्टेंट) लाने और वर्चुअल रियलिटी तथा मिक्स्ड रियलिटी में उत्कृष्टता के पांच केंद्र स्थापित करने के लिए प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा के साथ साझेदारी की है। एआई असिस्टेंट पर इस साझेदारी का उद्देश्य सूचना तक पहुंच को सरल बनाना, सीखने के परिणामों में सुधार करना और सहज डिजिटल इंटरफेस के माध्यम से छात्रों को निर्बाध सहायता प्रदान करना है।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस साझेदारी के तहत मेटा के ओपन-सोर्स लामा मॉडल द्वारा संचालित एक अभिनव एआई-संचालित चैटबॉट को स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) पोर्टल पर शिक्षार्थियों के अनुभव को बढ़ाने के

लिए विकसित किया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक इसके अलावा हैदराबाद, बेंगलुरु, जोधपुर, चेन्नई और कानपुर में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) के 5 उत्कृष्टता केंद्र शिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों को नवीनतम वीआर प्रौद्योगिकी से लैस करेंगे, ताकि वे सुरक्षित, मनोरंजक और आकर्षक वातावरण में मौजूदा कौशल सीख सकें और बढ़ा सकें।कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हमारा मिशन भारत के युवाओं को आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियलिटी और मिक्स्ड रियलिटी जैसी तकनीकों को स्किल इंडिया इकोसिस्टम में एकीकृत करके, हम देश के युवाओं के लिए व्यक्तिगत शिक्षण मार्ग को सक्षम करने वाली अत्याधुनिक तकनीकों तक पहुंच को लोकतांत्रिक बना रहे हैं। उन्?होंने कहा कि मेटा के साथ हमारी साझेदारी आज इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मेटा इंडिया के उपाध्यक्ष और सार्वजनिक नीति प्रमुख शिवनाथ ठुकराल ने कहा कि मेटा में हम भारत के आर्थिक विकास के लिए सार्थक प्रभाव पैदा करने के लिए एआई, वीआर और एमआर जैसी अग्रणी तकनीकों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के साथ ये साझेदारियां प्रौद्योगिकी और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

वोल्टास सहित 38 कंपनियों ने 'व्हाइट गुड्स' के लिए पीएलआई योजना के तहत किया आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। वोल्टास, डाइकिन और ब्लू स्टार सहित 38 कंपनियों ने व्हाइट गुड्स (एसी और एलईडी लाइट) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तीसरे दौर में 4,121 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के लिए आवेदन किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि आवेदन विंडो के तीसरे दौर में 38 कंपनियों ने व्हाइट गुड्स के लिए पीएलआई योजना के लिए आवेदन किया है। मंत्रालय के मताबिक केंद्र सरकार ने जुलाई में एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट के लिए 6,238 करोड़ रुपये की पीएलआई योजना के लिए फिर से आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू किए थे। इन 38 आवेदकों में 20 एसी कलपुर्जों (3,679 करोड़ रुपये) और 18 एलईडी लाइट (442 करोड़ रुपये) के लिए हैं। उद्योग एवं आंतरिक

व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि इस योजना से क्षेत्र को लाभ मिल रहा है। मूल्य संवर्धन 25 फीसदी से बढ़कर करीब 50 फीसदी हो गया है, जबकि आने वाले वर्षों में मूल्य संवर्धन करीब 80 फीसदी तक बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों (2028-29 तक) 38 कंपनियों द्वारा एसी कलपुर्जों और एलईडी लाइट के लिए करीब 55,877 करोड़ रुपये का उत्पादन हासिल करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस योजना से करीब 47,851 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। सरकार ने अधिक कंपनियों को इस योजना के दायरे में शामिल करने के लिए ऐसा किया है।

उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए मानकों के बारे में जागरूकता बढ़ाना जरूरी: जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि भारत के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच प्राप्त हो। उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए मानकों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना भी आवश्यक है। केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों मंत्री प्रहलाद जोशी ने नई दिल्ली में विश्व मानक दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच प्राप्त हो। उन्?होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक मानक एकीकृत मानक ढांचे की दिशा में काम करने वाले हितधारकों के बीच सामंजस्य और तालमेल सुनिश्चित करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की भलाई गुणवत्तापूर्ण उत्पादों तक पहुंच पर निर्भर करती है, जबकि उद्योग की वृद्धि और लाभप्रदता सीधे इन उच्च गुणवत्ता वाले सामानों की मांग से जुड़ी हुई है। यह एक समग्र दृष्टिकोण है जो उपभोक्ताओं और उत्पादकों की परस्पर निर्भरता को स्वीकार करता है और मजबूत गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देता है। जोशी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दृष्टिकोण पर जोर दिया कि देश को उसकी सर्वोत्तम गुणवत्ता के लिए पहचाना जाए और भारत को विश्व मानकों का पर्याय बनने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीआईएस को गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और वैश्विक व्यापार में इसका योगदान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आर्थिक विकास को समृद्ध बनाने, 'मेड इन इंडिया'

लेबल को बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर ब्रांड भारत की स्थापना में बीआईएस की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में, 2016 का नया बीआईएस अधिनियम व्यापार करने में आसानी को और मजबूत करेगा। यह 'मेक इन इंडिया' अभियान को बढ़ावा देगा। जोशी ने उत्पादों के मानकीकरण में बीआईएस के अथक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज 22,300 से अधिक मानक लागू हैं, जबकि 94 फीसदी भारतीय मानकों को आईएसओ तथा आईएसई मानकों के साथ सुसंगत बनाया जा रहा है। आज 732 उत्पादों के 174 क्यूसीओ को अनिवार्य बीआईएस प्रमाणन के लिए अधिसूचित किया गया है, जबकि 2014 तक 106 उत्पादों के केवल 14 गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) थे। केन्द्रीय मंत्री ने बीआईएस की मानक संवर्धन गतिविधियों पर एक फिल्म भी लॉन्च की। इसके साथ ही उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्ता के बारे में ज्ञान बढ़ाने के लिए एक क्वालिटी क्वेस्ट गेम भी लॉन्च किया। विश्व मानक दिवस के अवसर पर उन्होंने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मानकों के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए संदर्भ पुस्तिकाएं और देशभर के मानक क्लबों में वितरित करने के लिए बीआईएस द्वारा विकसित कॉमिक पुस्तकें भी जारी कीं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के राज्यमंत्री बी.एल. वर्मा के साथ-साथ भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे, अतिरिक्त सचिव भरत खेड़ा, बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत के प्रमुख हितधारक भी मौजूद थे।

नाश्ते में शामिल करें प्रोटीन से भरपूर ये चीजें, बनाना भी है बेहद आसान

प्रोटीन हमारे शरीर के सही कार्य करने के लिए मांसपेशियों, हड्डियों, स्किन और बालों की ग्रोथ के लिए साथ ही शरीर में एनर्जी बनाए रखने के लिए जरूरी होता है. ऐसे में आप नाश्ते में इन प्रोटीन से भरपूर इन चीजों को डाइट में शामिल कर सकते हैं.

दिन की शुरुआत अगर अच्छी हो तो सारा दिन अच्छा जाता है ऐसे आपने भी अपने बड़े-बुजुर्गों को कहते हुए सुना ही होगा. इसे अलावा सुबह अगर आप नाश्ते में हेल्दी और शरीर को एनर्जी देने वाली चीजों का सेवन करेंगे तो इससे न सिर्फ शरीर एनर्जेटिक महसूस करेगा बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद साबित होगा. सुबह का नाश्ता हर व्यक्ति के दिन की सबसे जरूरी मील होता है. इसे दिन का सबसे जरूरी भोजन भी माना जाता है. अगर सुबह हेल्दी नाश्ता ना किया जाए या हेल्दी चीजों का नाश्ते में सेवन न किया जाए तो इससे दिनभर कमजोरी, आलस महसूस हो सकता है इसके अलावा काम की प्रोडक्टिविटी पर भी इसका असर पड़ता है.आप नाश्ते में प्रोटीन से भरपूर इन चीजों का सेवन कर सकते हैं. न्युट्रिशियन मनकीरत कौर ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर की है जिसमें उन्होंने प्रोटीन के फायदे के साथ ही नाश्ता में शामिल करने वाले प्रोटीन से भरपूर डिशेज के बारे में बताया है. हेल्दी और फिट रहने के लिए प्रोटीन बेहद जरूरी है. ये हमारी शरीर को एनर्जी देने में मददगार साबित होता है.

एक्सपर्ट ने कैप्शन में इसके फायदों के बारे में बताते हुए लिखा है कि प्रोटीन हमारे शरीर में मांसपेशियों, हड्डियों, स्किन और बालों के साथ ही टिशू के निर्माण और रिपेयर करने के लिए जरूरी होता है. इसके अलावा प्रोटीन एंजाइम, हार्मोन और अन्य बायोमोलेक्यूल्स का उत्पादन करने के लिए जरूरी होता है जो शरीर के कई कार्यों जैसे कि मेटाबॉलिज्म और ग्रोथ में मदद करता है. आप नाश्ते में प्रोटीन से भरपूर इन चीजों को शामिल कर सकती हैं.

बेसन चीला

नाश्ते में आप बेसन चीला शामिल कर सकते हैं. इसमें बेसन के साथ आप मसाले हरी मिर्च, टमाटर और कई तरह की सब्जियों को मिलाकर स्वादिष्ट बेसन चीला बना सकते हैं.

ग्रीन मूंग दाल इडली

कई लोगों को इडली खाना बहुत पसंद होता है. ऐसे में आप ग्रीन मूंग दाल इडली बनाकर भी डाइट में शामिल कर सकते हैं. इसे बनाने के लिए आपको चाहिए होगा हरी मूंग दाल, सूजी, दही, अदरक, हरी मिर्च, नमक, सरसों के बीज. बेकिंग सोडा, नमक और धनिया का पत्ता.

उबले हुए स्प्राउट्स चाट

मूंग दाल को अच्छे से धोकर रात भर भिगो दे जब दाल अंकुरित हो जाए तो उसमें प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, शिमला मिर्च, हरा धनिया, चाट मसाला, नींबू का रस और नमक मिलाकर चटपटा स्प्राउट्स डाइट में शामिल कर सकते हैं.

उबले चने की चाट

वाइट चने को उबालकर उसमें प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, चाट मसाला, नमक और धनिया पाउडर मिलाकर चटपटी चाट बना सकते हैं.

पनीर भुर्जी

पनीर में प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है. ऐसे में आप नाश्ते में पनीर की भुर्जी बनाकर नाश्ते में खा सकते हैं. लेकिन मसाले और तेल की मात्रा का ध्यान रखें.

मसाला आमलेट

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है. ऐसे में आप आप सुबह नाश्ते में मसाला आमलेट बनाकर सेवन कर सकते हैं.

दलिया पनीर उपमा

नाश्ते में दलिया पनीर उपमा का सेवन भी एक बेस्ट ऑप्शन है. इसे बनने में भी ज्यादा समय नहीं लगेगा और स्वादिष्ट रहेगा.

क्विनोआ उपमा

क्विनोआ प्रोटीन से भरपूर होता है. ऐसे में आप सुबह नाश्ते में क्विनोआ का चटपटा उपमा भी नाश्ते में शामिल कर सकते हैं.

पालक स्मूदी

अगर आप स्मूदी पीना चाहते हैं तो आप पालक स्मूदी भी नाश्ते में शामिल सकते हैं. ये एक हेल्दी ऑप्शन है.

भाजपा के कथित पराक्रम से पराभूत हरियाणा की जनता

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने तैतीस सीटों पर धांधली के आरोप लगाए हैं जिनमें से बीस सीटों के प्रामाणिक दस्तावेज जुटाकर चुनाव आयोग को अभ्यावेदन किया है और शेष तेरह सीटों के दस्तावेजी सबूत जल्द प्रस्तुत करने की बात कही गई है। मुख्य आरोप यह है कि मतदान पश्चात जिन ईवीएम की बैटरियों में 99 फीसदी चार्जिंग होना पाया गया है उनमें सत्तर से अस्सी फीसद वोट भाजपा को मिले हैं। जिनमें 60-70 फीसदी चार्जिंग प्रदर्शित है उनमें कांग्रेस आगे है।डिजिटल न्यूज़ चैनलों के साथ-साथ मुख्यधारा की मीडिया ने भी कहा कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव में विपक्ष की लहर है। हरियाणा में चुनाव कांग्रेस नहीं जनता लड़ रही है। चुनाव क्षेत्रों में न्यूज़ चैनलों के इंटरव्यू में ऐसा दिखता भी था। एक्ज़िट पोल में बताया गया कि हरियाणा में कांग्रेस पचास से लेकर बहत्तर सीट पाने जा रही है। भाजपा पंद्रह से लेकर बत्तीस तक सिमट जाएगी। फील्ड में घूमने वाले और न्यूज़ चैनलों पर बहस करने वाले पत्रकार भी यही बता रहे थे। कुछ पत्रकारों ने तो यहां तक दावा किया कि अगर नतीजे ऐसे ही नहीं आए तो वे पत्रकारिता छोड़ देंगे।चुनाव विश्लेषण करने वाले योगेंद्र यादव ने भी कहा कि हरियाणा में कांग्रेस की हवा चल रही है, यह आंधी भी हो सकती है। और ज़्यादा चली तो सुनामी भी। लेकिन चुनावों के नतीजे उम्मीद के उलट आए तो उन्होंने कहा कि कई बार चुनाव सर्वेक्षक और विश्लेषक माहौल को भांप नहीं पाते। कोई अंडर करंट चल रहा था जिसे वे भी भांप नहीं पाए। ईवीएम की धांधली के सवाल पर उन्होंने कहा कि वे कोई तकनीकी विशेषज्ञ नहीं हैं और उनके पास धांधली का कोई सबूत नहीं है इसलिए इस बारे में वे कुछ कह नहीं सकते। खैर, योगेंद्र यादव ही क्यों, वैकल्पिक मीडिया के कई दिग्गज विश्लेषक भी कथित अंडर करंट को भांप न पाने के लिए खुद को लानत भेजने लगे। उन्हें कांग्रेस पार्टी और नेताओं की वे कमियां, जिन्हें भाजपा प्रचारित कर रही थी, बड़ी दिखाई देने लगीं जिन्हें वे उसकी लहर के सामने नगण्य मानकर उसकी शानदार जीत की भविष्यवाणी कर रहे थे।चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा खेमे में मायूसी का आलम था। उन्हें गांवों में घुसने से रोका जा रहा था। उनकी सभाओं और रैलियों में लोग जुट नहीं रहे थे। खट्टर जैसे बड़े नेता तो खुले में प्रचार करने के बजाय बंद हॉलों में प्रचार कर रहे थे। एक चुनाव क्षेत्र में पार्टी के एक कार्यकर्ता द्वारा उम्मीदवार की जीत के प्रति नाउम्मीदी जताए जाने पर उसे हॉल से बाहर निकलवा दिया।मुख्यधारा की मीडिया द्वारा यह प्रचारित कराया जाने लगा कि हरियाणा कांग्रेस में फूट है। भूपेंद्र हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला अलग-अलग दिशाओं में चल रहे हैं। हुड्डा नहीं चाहते कि पार्टी को पचपन से ज़्याद सीटें मिले। नहीं, उनकी दावेदारी कमजोर पड़ जाएगी। हाई कमान हावी हो जाएगा। इसलिए हुड्डा आमआदमी पार्टी और सपा के साथ गठबंधन कर ज़्यादा सीटें जीतने के पक्ष में नहीं हैं। टिकट वितरण में उन्होंने हाई कमान की नहीं चलने दी और अपने बहत्तर उम्मीदवार मैदान में उतार दिए। कुमारी सैलजा के कोटे से केवल सात उम्मीदवार उतारे गए इसलिए वे नाराज होकर घर बैठ गईं और न्यूज़ चैनलों को इंटरव्यू देकर अपनी भड़ास निकालने लगीं। पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर ने उन्हें अपनी पार्टी में आने का न्यौता भी दे दिया। सुरजेवाला अपने बेटे को ही जिताने में लगे रहे। राहुल और प्रियंका गांधी ने प्रचार अभियान में उतरने में देरी कर दी।इसी बीच राहुल गांधी अपनी अमरीका यात्रा से लौटे और उनका डंकी वीडियो वाइरल हुआ जिसमें वे डलास में पंद्रह/दस फीट के कमरे में रह रहे हरियाणा के उन डंकी युवाओं से मिले थे। फिर वे करनाल जाकर उन युवाओं के परिवार से भी मिले और हरियाणा में बढ़ रही बेरोजगारी और नशाखोरी का मार्मिक चित्र खींचा। इस तरह हरियाणा में उनके चुनाव प्रचार का आगाज़ हुआ और उनके प्रचार में न आने शिकायत करने वाले चुनाव विश्लेषक कहने लगे, दे आयद, दुरुस्त आयद।

फिर राहुल गांधी वहां लगातार वाहन और पैदल चलकर हाईब्रिड यात्रा करने लगे जिसमें डंकियों के बहाने बढ़ती बेरोजगारी और नशाखोरी के संबंध में भावुक अपील करने लगे। किसान (एमएसपी की गारंटी), जवान (अग्निपथ योजना को बंद कर फौज में सामान्य भर्ती, दो लाख रिक्त पदों पर भर्ती), पहलवान (शारीरिक शोषण के खिलाफ न्याय) और संविधान की रक्षा के नारे लगाते हुए छत्तीस बिरादरी की सरकार बनाने की गारंटी देने लगे। इसके अलावा, घोषणा पत्र में महिलाओं, युवाओं, किसानों और आम जनता के लिए सात प्रकार की रेवड़ियां बांटने का ऐलान भी किया। उन्होंने हुड्डा और कुमारी सैलजा का हाथ मिलवाकर उनके बीच मन-मुटाव दूर कर देने का प्रदर्शन भी कराया। मतदान से एक दिन पहले दलित नेता अशोक तंवर को भाजपा से निकाल कर अपनी पार्टी में शामिल करा लिया। उनकी प्रचार यात्रा और रैलियों में भारी भीड़ उमड़ने लगी।इधर मोदी ने चुनाव प्रचार में अधूरे मन से भाग लिया और फिर चुनाव से हफ्ते भर पहले ही वहां से भाग लिए। उनकी पहली रैली में मुश्किल से पांच हजार लोग जुटाए जा सके। उधर वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल विज खुद मुख्यमंत्री बनने के दावे ठोक रहे थे। नायब सिंह सैनी को अपने विधानसभा क्षेत्र लाडवा में पिछड़ते बताया जाने लगा। खट्टर की अलोकप्रियता के मद्देनज़र उन्हें चुनाव प्रचार और पोस्टरों से गायब कर दिया गया। पोस्टरों में मोदी भी दिखने बंद हो गए। ताकि हार का ठीकरा मोदी के सिर न फूटे।चुनाव विश्लेषकों द्वारा बार-बार यही कहा जाता रहा कि मतदाता कांग्रेस को जिताने के लिए नहीं, बल्कि भाजपा को हराने के लिए वोट करेंगे। जब नतीजे निकले तो पासा पलट गया। भाजपा 48 सीट जीत गई और कांग्रेस 37 पर सिमट गई।

इस नतीजे से सभी भौंचक रह गए। मतदाता भी और चुनाव विश्लेषक भी। चुनावी पंडितों को अपनी समझ पर संदेह होने लगा। आखिर उनसे कहां चूक हो गई? अंडर करंट को वे समझ कैसे नहीं पाए। उन्होंने मान लिया कि सच में कोई अंडर करंट था। सड़क पर जो दिख रहा था वह सही नहीं था। फिर वे भाजपा की जीत को वास्तविक बताने के लिए उसके समर्थन में तर्क गढ़ने लगे-1.जाट और गैर-जाट के बीच की खाई (मानों, जाटों का कथित अत्याचार संविधान संशोधन से होने वाले नुकसान से ज़्यादा घातक हो।)2. सीएम पद की खींच-तान (मानों, यह केवल कांग्रेस की ही समस्या रही हो।)3. अति आत्मविश्वास (मानों, यह केवल कांग्रेस की ही समस्या रही हो। नतीजे निकलने से एक दिन पहले मुख्यमंत्री सैनी भरी सभा में कह रहे थे कि जीत के लिए निश्चिंत रहो। हमने सब व्यवस्था कर दी है। यह अति आत्मविश्वास नहीं था?)4. इंडिया गुट के सहयोगियों के साथ गठबंधन न करने का फैसला। (चुनाव विश्लेषकों के अनुसार जब मतदाताओं ने भाजपा को उसके जनविरोधी नीतियों के कारण हराने का संकल्प ले लिया था तो वे दूसरे दलों पर अपना अमूल्य वोट क्यों खराब करते?)5. पन्ना प्रमुखों का संगठनात्मक मशीन। (पन्ना प्रमुख क्या सम्मोहन विद्या जानते हैं जो मतदाता को अपने हित-अनहित सोचने के विवेक को छिन लेते हैं और एक ही दिन में उसके मत को पलट देते हैं। तब तो दूसरे दल कभी चुनाव नहीं जीत सकते।)दरअसल, मीडिया और चुनाव विश्लेषक जिधर बम उधर हम के कायल दिखे। वे चित भी मेरी और पट भी मेरी की चाल चलने लगे। मुख्यधारा की मीडिया को छोड़ भी दिया जाए तो वैकल्पिक सोशल मीडिया के चुनाव विश्लेषक भी भाजपा की जीत की दबसट में अपने ही अनुमानों को झुठलाने लगे। वैकल्पिक न्यूज़ चैनल का एक एंकर कह रहा था कि भाजपा ने हरियाणा चुनाव अपने पराक्रम से जीत लिया। अब वे जिन बातों को पराक्रम समझ रहे हैं उनकी बानगी कुछ इस प्रकार है-

ईडी, आईटी और सीबीआई के माध्यम से भयादोहन के ज़रिए इलेक्टोरल बांड से संचित किया गया अकूत धन जिसे चुनावी मशीनरी को चुस्त-दुरुस्त किया जाता है, हर बूथ पर पन्ना प्रमुख तैयार किया जाता है और अब तो पन्ना समिति बनाने की तैयारी है। मतदाताओं को भी खूब बांटा जाता है। प्रॉक्सी उम्मीदवारों और वोट कटवा दलों को खड़ा कर उन्हें इफरात पैसा बांटा जाता है। राहुल गांधी पैदल तो चंद्रशेखर हेलीकॉप्टर से प्रचार कर रहे थे। विरोधी पार्टियों के खाते बंद कर दिए जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से खोले भी जाते हैं तो उन्हें सरकार के डर से कोई चुनावी चंदा देना नहीं चाहता।केंद्रीय वित्त मंत्री, भाजपा और अन्य पर भयादोहन का केस चल रहा है। कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश से उन पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। लेकिन अब सीजेआई ने उस केस को अपने पास भेजने का आदेश दे दिया है।पिछले आम चुनाव में 79 सीटों पर ईवीएम से धांधली का एडीआर द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर केस लंबित है जिसमें न्याय मिलने की संभावना अब तक तो नहीं दिखती। इसी संबंध में 2019 में भी दायर किया गया केस आज तक लंबित चला आ रहा है।हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने तैतीस सीटों पर धांधली के आरोप लगाए हैं जिनमें से बीस सीटों के प्रामाणिक दस्तावेज जुटाकर चुनाव आयोग को अभ्यावेदन किया है और शेष तेरह सीटों के दस्तावेजी सबूत जल्द प्रस्तुत करने की बात कही गई है। मुख्य आरोप यह है कि मतदान पश्चात जिन ईवीएम की बैटरियों में 99 फीसदी चार्जिंग होना पाया गया है उनमें सत्तर से अस्सी फीसद वोट भाजपा को मिले हैं। जिनमें 60-70 फीसदी चार्जिंग प्रदर्शित है उनमें कांग्रेस आगे है।बलात्कार और हत्या के आरोप में सजायाफ्ता बाबा राम-रहीम को पैरोल/फरलो पर बार-बार छोड़कर उसके अनुयायियों को प्रभावित करवाना।

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बांड को असंवैधानिक ठहरा कर बंद तो करा दिया। लेकिन इसके माध्यम से इकठ्ठे किए गए धन की न तो वसूली करवाई और न इसमें लिप्त मंत्रियों, पदाधिकारियों और संस्थाओं की जांच। इकठ्ठा किया गया धन चुनावों को प्रभावित करने में धड़ल्ले से उपयोग हो रहा है। इसी तरह महाराष्ट्र में जोड़-तोड़ और खरीद-फ़रोख्त से बनाई गई सरकार को असंवैधानिक ठहराया गया था, लेकिन बर्खास्त नहीं किया गया।कांग्रेस में संगठनात्मक कमियां हैं। उसमें भी स्वार्थी नेताओं की कमी नहीं है। पर राहुल गांधी के सामाजिक न्याय के अभियान पर जनता ने भरोसा करना शुरू कर दिया है। हरियाणा की जनता भाजपा के दस साल के कुशासन से तंग आ चुकी थी। चुनाव विश्लेषक कह रहे थे कि वह कांग्रेस को जिताना नहीं चाहती, पर भाजपा को हराना चाहती है। कांग्रेस की जीत तो इस चुनाव के डिफाल्ट में है। तो क्या उसने भाजपा के कथित पराक्रम से पराभूत होकर उसे जिता दिया। बात गले से नहीं उतरती।

संपादकीय

लोकतंत्र पर शिकंजे का शिकार हुए जी एन साईबाबा

लगभग 10 वर्षों तक अन्याय एवं क्रूरता के शिकार हुए कवि, मानवाधिकार कार्यकर्ता तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा का शनिवार की रात हैदराबाद के एनआईएमएस अस्पताल में निधन हो गया। इसी अस्पताल में उनकी 5 दिनों पहले गॉल ब्लैडर की सर्जरी हुई थी। वे ठीक हो रहे थे लेकिन दो दिन पहले उन्हें फिर से तकलीफ़ होने पर उन्हें वापस भर्ती किया गया था। शनिवार को इलाज के दौरान उनका रक्तचाप गिर गया तथा उन्हें दिल का दौरा पड़ा जो उनके लिये जानलेवा साबित हुआ। उल्लेखनीय है कि तकरीबन 10 वर्षों तक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का आरोप झेलने वाले साईबाबा को इसी वर्ष मार्च में बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपों से बरी किया था। उनके मामले को इस रूप में याद किया जायेगा कि देश में किस हद तक किसी निर्दोष को प्रताड़ित किया जा सकता है- खासकर यदि वह पीड़ितों के पक्ष में बोलने-लिखने वाला हो।उनकी मौत ने यह भी साबित किया है कि भारत में कानूनों का न केवल राज्य द्वारा बेजा इस्तेमाल होता है बल्कि न्यायिक प्रक्रिया सज़ा से भी बदतर है।

जेल में उनके साथ हुई यातना इतने भर से बयां की जा सकती है कि बचपन से ही व्हीलचेयर पर रहने वाले साईबाबा को नागपुर की अंडा सेल में इस प्रकार से रखा गया कि उन्हें दिन में दो बार नित्यक्रिया एवं स्नान के लिये भी दो लोगों की मदद लेनी पड़ती थी। इस जेल की क्षमता तो 200 कैदियों की थी परन्तु उसमें 1300 लोग थे जहां करवट बदलने के लिये भी परस्पर झगड़े होते थे। डॉक्टरों द्वारा 90 प्रतिशत विकलांग घोषित किये जा चुके साईबाबा पर आरोप लगाया गया था कि उनके माओवादियों से सम्बन्ध हैं और वे राज्य के खिलाफ षडयंत्र में भागीदार रहे हैं। 2013 में हेम मिश्रा, महेश तिर्की, पी नरोटे, प्रशांत राही आदि को माओवादी षड़यंत्र के अंतर्गत गढ़चिरोली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। साईबाबा को भी इसमें शामिल होने के आरोप में पकड़ा गया था। उनके पास से नक्सली साहित्य की बरामदगी को आधार बनाकर उन्हें गिरफ्तार किया गया था।इसके बाद की कहानी भारतीय न्यायपालिका की दुर्दशा की कहानी है जो इस बात पर मुहर लगाने के लिये काफी है कि कैसे एक बार कानूनी मकड़जाल में फंस गये किसी निरीह के जीवन को सरकार कितनी आसानी से बर्बाद कर सकती है। पुलिस ने आरोप लगाया कि साईबाबा ने ही आरोपियों की माओवादियों से मुलाकात कराई थी।

पुलिस उन्हें लगभग किडनैप करके ले गयी थी जब वे चीफ एक्जामिनर के तौर पर परीक्षा केन्द्र की ओर जाने के लिये अपने घर से खुद की कार से निकल ही रहे थे।उनके ड्राइवर को उतारकर चलता कर दिया गया और कार समेत सिविल ड्रेस में पुलिस वाले उन्हें ले गये थे। इसके बाद विश्वविद्यालय ने उन्हें निलम्बित कर दिया था। पक्षाघात से पीड़ित साईबाबा को गढ़चिरौली कोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (यूएपीए) के तहत दोषी पाया। बिगड़ती सेहत के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत तो दी लेकिन बाद में बॉम्बे हाईकोर्ट ने हस्तक्षेप कर जमानत रद्द करते हुए उन्हें आत्मसमर्पण के लिये कहा। हालांकि मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने उन्हें 2017 में रिहा तो कर दिया लेकिन मामला फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के बीच की अनेक न्यायिक पेंचीदगियों के बीच गुजरते हुए उन्हें वर्षों तक जेल में समय बिताना पड़ा। पहले से विकलांग साईबाबा को जेल की सुविधाहीन परिस्थितियों में जिंदगी गुजारने के कारण कई तरह की बीमारियां हो गयीं। इनमें से मुख्यतः उनकी किडनी पर विपरीत प्रभाव पड़ा। उन्हें जेल प्रशासन द्वारा दवाएं नहीं दी जाती थीं। अपनी मौत की वे कई बार आशंका जतला चुके थे। जमानत के दौरान उन्होंने एक साक्षात्कार में बतलाया था कि खुद जेल अधिकारियों को उम्मीद नहीं थी कि वे लम्बे समय तक जिंदा रह पायेंगे। देश में एक ओर जहां हत्या तथा बलात्कार के जुर्म में उम्र कैद भुगत रहा राम रहीम जैसा अपराधी कुछ ही वर्षों में करीब एक दर्जन बार पैरोल पर जेल से रिहा कर दिया जाता है वहीं लेखक, मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं प्रोफेसर जैसे सम्मानित पेशे से जुड़े साईबाबा को उनका मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने का मौका तक नहीं दिया गया।

उनकी नौकरी चली जाने का भी उन्हें बेहद गम था और वे कहते थे कि वे शिक्षक के रूप में काम करना तथा शिक्षक के रूप में ही मरना चाहते थे।केवल वैचारिक मान्यता के आधार पर किसी को देश के खिलाफ षड़यंत्र में शामिल होना बतलाकर यदि किसी को इस प्रकार से लम्बे समय तक जेल में रखा जाये तो इससे अधिक दुर्भाग्यजनक कुछ हो नहीं सकता। किसी विचारधारा का समर्थन या विरोध करना किसी की गिरफ्तारी का कारण नहीं हो सकता- इस बात की तस्दीक अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाएं तथा देश का सुप्रीम कोर्ट भी करता तो ह

परन्तु वह लेखकों, पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं आदि को सलाखों के बाहर नहीं निकाल पाता। सरकार से भिन्न विचार रखना लोकतांत्रिक प्रणाली का हिस्सा है तथा आधुनिक समय का सर्वमान्य नियम भी। भारत विपरीत दिशा में चल रहा है। यह स्थिति राज्य के नागरिकों पर कड़े शिकंजे का प्रतीक है जो अंततः देश तथा लोकतंत्र के विरूद्ध है।

हरियाणा में जीती बाजी हार गई कांग्रेस

हरियाणा में भाजपा की पुनः सरकार बनने का रास्ता अब साफ हो गया है, लेकिन कई मायनों में इसे भाजपा की सफलता नहीं माना जा सकता। चुनाव से पूर्व के राजनीतिक हालात भाजपा के पक्ष में कभी भी दिखाई नहीं दिए और न ही भाजपा सरकार के कामकाज से जनता प्रसन्न ही थी।

अभी हाल ही में देश के दो महत्वपूर्ण राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद अब तस्वीर स्पष्ट हो चुकी है। जहां हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने अप्रत्याशित रूप से लगातार तीसरी बार सत्ता प्राप्त की है, वहीं धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में हुए चुनाव में भाजपा को खासी सफलता नहीं मिली। जम्मू कश्मीर में भाजपा को इस बार कुछ अच्छा होने की प्रत्याशा थी, लेकिन वहां धारा 370 की प्रबल समर्थक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है। इसका आशय यही निकलता है कि जम्मू कश्मीर के घाटी वाले हिस्से में मिला जुला जनादेश मिला है। वहीं हरियाणा की बात की जाए तो इस प्रदेश में कांग्रेस की असफलता का एक बड़ा कारण गठबंधन नहीं होना ही माना जा रहा है। हरियाणा में कांग्रेस को यह गुमान हो गया था कि वह अपने दम पर सरकार बनाने में सफलता हासिल कर लेगी, लेकिन कांग्रेस को एक बार फिर निराश होना पड़ा। कांग्रेस की इस पराजय ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए हैं। यह सत्य है कि अगर हरियाणा में भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों में समन्वय हो जाता तो शायद परिणाम भिन्न हो सकते थे, लेकिन कांग्रेस ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों की अनसुनी करके अपनी पराजय का मार्ग तैयार कर लिया। अब कांग्रेस इस हार को प्रादेशिक नेतृत्व के सिर मढ़कर केंद्रीय नेतृत्व को बचाने की जुगत में लग गई है। जबकि पूरे चुनाव में केंद्रीय नेतृत्व की अप्रत्यक्ष कमान संभाल रहे राहुल गांधी बेहद सक्रिय दिखाई दिए। सभी जानते हैं कि कांग्रेस जीत के प्रति पूरी तरह से आशान्वित थी। यहां तक कि कांग्रेस ने जीत के जुलूस की भी व्यापक तैयारी की थी।

हालांकि हरियाणा में कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। क्योंकि वह सत्ता में नहीं थी। हरियाणा कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व भी

इस बात को जानता था कि अगर उसको सत्ता मिल जाती तो इसका श्रेय प्रादेशिक नेताओं को कभी नहीं मिलता, लेकिन हार का हथोड़ा उनके सिर पर ही फोड़ा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि कांग्रेस के अंदर ही प्रादेशिक नेताओं में गंभीर जोर आजमाइश चल रही थी, इसका कारण सत्ता प्राप्ति के मुख्यमंत्री पद की चाहत ही था। लेकिन इस राजनीतिक अस्तित्व को दिखाने और सामने वाले के मिटाने के खेल ने ही कांग्रेस को ज़मीन पर लाकर खड़ा कर दिया है। कांग्रेस हरियाणा में लम्बे समय से सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष कर रही थी। इसका एक कारण यह भी माना जा सकता है कि कांग्रेस के नेताओं ने लम्बे समय तक शासन का सुख भोगा है, इसलिए उनको सत्ता के सुख की आदत सी हो गई है। इस बार हरियाणा में प्रदेश के प्रमुख नेताओं के बीच अलग से एक राजनीतिक युद्ध जैसा दिखाई दे रहा था। हरियाणा में कांग्रेस, भाजपा से कम अपने ही नेताओं से ज्यादा लड़ रही थी। कहा जाता है कि किसी भी प्रकार की लड़ाई में दुश्मन तो स्पष्ट दिखाई देता है, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो दिखते तो बिलकुल दोस्त जैसे ही हैं, लेकिन वे मुंह में राम बगल में छुरी रखकर चलते हैं। जहां अवसर मिलता है, वे सामने वाले के पैर खींचने का काम करते हैं। प्रदेश में कांग्रेस नेताओं के बीच इसी प्रकार की दुश्मनी दिखाई दी। प्रदेश की प्रमुख महिला नेता शैलजा तो जैसे कोपभवन में ही बैठ गई थीं। वे जब सक्रिय हुई तब तक कांग्रेस बहुत प्रचार अभियान में बहुत पीछे जा चुकी थी।

हरियाणा की राजनीतिक स्थिति का आकलन किया जाए तो बहुत पहले यह परिलक्षित होने लगा था कि इस बार भाजपा की सरकार नहीं बन सकती। क्योंकि हरियाणा में भाजपा के विरोध में किसान और पहलवान एक प्रकार से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए देश भर के आंदोलनों के सूत्रधार बने हुए थे, कांग्रेस चाहती तो इस वातावरण का राजनीतिक लाभ प्राप्त कर सकती थी, लेकिन कांग्रेस के नेता स्थिति का अध्ययन इसलिए नहीं कर सके, क्योंकि वे इस बात के लिए पूरी तरह आश्वस्त हो चुके थे कि कांग्रेस की सरकार बनने से कोई रोक नहीं सकता। बस कांग्रेस यहीं बड़ी चूक कर गई और हरियाणा में कांग्रेस के सपने एक बार फिर चकनाचूर होते चले गए। ऐसे अब कांग्रेस को सिरे से चिंतन और मंथन करने की आवश्यकता है। हालांकि देश में 2014 के बाद विभिन्न प्रकार के 47 चुनाव हुए, जिसमें से 36 चुनावों में कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा। हर पराजय के बाद कांग्रेस में चिंतन और मंथन करने की बात की जाती है, लेकिन इस चिंतन में शीर्ष नेतृत्व पर उंगली उठाने का साहस किसी में नहीं होता। अंततः वही होता है, जैसा राहुल गांधी चाहते हैं। वर्तमान में भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन उनकी भूमिका कितनी निर्णायक होती है, यह सभी जानते हैं।

इसे भी पढ़ें- हरियाणा विधानसभा चुनावः एकजुट संगठन व हिंदुत्व की विचारधारा ने खिलाया कमल

हरियाणा में भाजपा की पुनः सरकार बनने का रास्ता अब साफ हो गया है, लेकिन कई मायनों में इसे भाजपा की सफलता नहीं माना जा सकता। चुनाव से पूर्व के राजनीतिक हालात भाजपा के पक्ष में कभी भी दिखाई नहीं दिए और न ही भाजपा सरकार के कामकाज से जनता प्रसन्न ही थी। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को सत्ता के सिंहासन से उतार कर भाजपा ने यह संकेत तो कर ही दिया था कि भाजपा के पक्ष में सब कुछ ठीक नहीं था। भाजपा ने मुख्यमंत्री बदल कर इस माहौल को परिवर्तित करने का प्रयास किया। भाजपा का यह कदम उसके लिए संजीवनी का काम कर गया जो भाजपा के लिए जीवनदान साबित हुआ। वहीं कांग्रेस की कमजोरी यह भी रही कि वह राजनीतिक वातावरण का अध्ययन करने में चूक गई। हरियाणा में कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व गुटों में विभाजित है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा स्वयं को कांग्रेस का सर्वेसर्वा मानकर ही राजनीति करते रहे। यही कांग्रेस के आत्मघाती साबित हुआ। अब कांग्रेस के नेताओं को यह सिखाने की आवश्यकता है कि बदले हुए राजनीतिक हालात में राजनीति कैसे की जाती है, क्योंकि अब राजनीति परिदृश्य बदल चुका है। देश के कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस के साथ आना नहीं चाहते। राजनीतिक मज़बूरी उनको साथ बनाए हुए है।

जॉब पर वे बातें
जो आपको कोई नहीं बताएगा...

पढ़ाई खत्म करने के बाद जब आप किसी कंपनी में काम करने जाते हैं तो शुरू के कुछ साल आपको बिजनस एथिक्स समझने में लग जाते हैं। पर कंपनियां यह सोचती हैं कि आपको ये एथिक्स पहले से पता होना चाहिए। ये बातें आपको अपने कार्यस्थल पर कोई नहीं बताएगा, लेकिन हम आपकी मदद कर सकते हैं।

1. पहली नौकरी आपको कई अनुभव देती है। याद रखिए कि अब आप एक प्रोफेशनल बन चुके हैं और आपकी पहली नौकरी आपके करियर के लिए महत्वपूर्ण है। तो अपने कार्यस्थल पर हद से ज्यादा गपशप और देर से आना और बहाने देना अब अच्छा नहीं होगा।
2. कार्यस्थल पर फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सएप आदि सोशल नेटवर्किंग का उपयोग न के बराबर ही करें। इनका अत्यधिक उपयोग आपकी काम में अरुचि को दर्शाता है, इसलिए कई कंपनियां इन साइट्स को ब्लॉक कर देती हैं। अच्छा होगा कि बातचीत करने के लिए लंच ब्रेक का प्रयोग करें।
3. अपने सीनियर से बहस न करें। अपनी गलती मानें और उसे समझें और दोबारा न दोहराने की बात कहें, क्योंकि वे आपके बॉस हैं कई सालों से काम करते हुए उन्हें काम का खासा अनुभव है। आपका ज़रा-सा गलत रवैया बॉस की नज़रों में आपकी इमेज गिरा सकता है।
4. कार्यस्थल एक ऐसी जगह है जहां अलग-अलग प्रकार के, अलग विचारों के लोग एकसाथ काम करते हैं। कभी-कभी किसी बात पर मतभेद भी हो जाता है, तो याद रखें कि मतभेद को मनभेद में परिवर्तित ना होने दें।
5. खुलेआम अपने सहयोगी की बुराई न करें। लोगों की बुराई से ज्यादा अच्छाई देखें।
6. अपना काम हमेशा ईमानदारी से करते रहें। अगर कोई काम समझ नहीं आ रहा है तो अपने सीनियर या सहयोगियों से पूछने में हिचकें नहीं।
7. अगर आप ओवरवर्कड महसूस कर रहे हैं तो अपने सीनियर से अपनी समस्या पर बात करें।
8. कार्यस्थल पर हमेशा विनम्र बने रहें।

बेरोज़गारी का भी मजा लीजिए

कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद ज़रूरी नहीं है कि आपको जॉब मिल ही जाए। आपमें काबिलियत है इसमें कोई शक नहीं लेकिन कभी-कभी समय अनुकूल नहीं होता। जीवन के इस पॉइंट पर जब आपके ज्यादातर दोस्त जॉब पर लग चुके हैं और आप बेरोजगार हैं तो आपको अपने आप को अयोग्य या अनसक्सेसफुल महसूस करने की कोई जरूरत नहीं है। ऐसा तो बिलकुल नहीं है कि भविष्य में आपको जॉब नहीं मिलेगा। आप बेरोज़गार हैं तो इसका भी मज़ा लीजिए और अपने इस खाली समय का सदुपयोग करें। हम बता रहे हैं कैसे-

अपनी हॉबी को समय दें ः आप अपने इस खाली समय का उपयोग अपने शौक को पूरा करने के लिए कर सकते हैं। ऐसी चीज़ें करें जो आप करना चाहते थे लेकिन पढ़ाई और दूसरे कामों के चलते आप उसके लिए समय नहीं निकाल पाए। वो डांस सीखना, सिंगिंग क्लास जाना, कोई इंसट्रुमेंट बजाना सीखने से लेकर कुछ भी हो सकता है। खुद के लिए उस समय का भरपूर उपयोग करें।

रिश्तों को नयापन दें ः ये खाली समय अपने परिवार और दोस्तों को दें। ऐसे दोस्तों से मिलें जिनसे मिले आपको सालों हो गए हैं। अपनी सोशल लाइफ को ट्रैक पर लाएं और चाहें तो नए दोस्त बनाएं। इस खाली समय का आप इस तरह अच्छा उपयोग कर सकते हैं।

छुट्टियों पर निकल जाएं ः अभी आप किसी के अंडर काम नहीं कर रहे हैं। आपके पास ना 9 से 5 की बंधी हुई दिनचर्या है ना बॉस की झिक-झिक है। एक बार ये सब शुरू हो गया तो आप इससे निकल नहीं पाएंगे तो मान कर चलें कि ये आपकी जिंदगी का सबसे अच्छा समय है जो आप अपने लिए खर्च कर सकते हैं जैसे आप चाहें। एक वेकेशन प्लान करें, वीडियो गेम खेलें, स्पा का मज़ा लें आदि।

डॉक्टर बनने का बेहतर प्लेटफॉर्म

एक पुरानी चीनी कहावत हैकि सबसे बेहतर डॉक्टर वह है , जो बीमारी के आने से पहले ही उसे दूर कर देता है। इसके बाद वे चिकित्सक आते हैं,जो किसी बीमारी को आने पर उसे और बढने से रोकता है। सबसे निचले स्तर पर वे आते हैं, जो बीमारी का इलाज करते हैं। आज मेडिकल के प्रोफेशन में हर कदम पर यह कहावत खुद को चरितार्थकरती है। सालों पहले जब मेडिक ल सुविधाओं का विकास इतना नहीं हुआ था, तब हम हर बीमारी को अपना प्रारब्ध या प्रकृति का न्याय माना करते थे। लोग बीमारी से लडना तो दूर रहा, उसके नाम से ही घबराया करते थे। ऐसे में अमूमन साधारण बीमारियां भी जानलेवा हुआ करती थीं। लेकिन आज ऐसा नहीं है। पिछले सौ सालों में मेडिकल सांइस में हुई तेज तरक्की ने लोगों की पुरानी धारणा को तो बदला ही है, लोगों को जीने का हौसला भी दिया है। इस हौसले को अपनी क्षमताओं और गहरे समर्पण के बूते आधुनिक धन्वंतरि और भी आसान बना रहे हैं। यदि आपमें भी दर्द झेल रही मानवता के कष्टों के बरक्स अपनी जिम्मेदारी का अहसास है तो चिकित्सक बनकर अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी पूरा कर सकते हैं। ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्टयानि एआईपीएमटी इस क्षेत्र में आपकी राह प्रशस्त कर सकता है।

क्यों खास है एआईपीएमटी

डॉक्टर की पृथ्वी के ईश्वर के रूप में पूजा की जाती है। लोग इस पेशे को सम्मानित नजरिए से देखते हैं। यही कारण है कि डॉक्टर बनने का स्वप्न हर युवा देखता है। अभिभावक भी चाहते हैं कि उसका बेटा चिकित्सक बनकर देश की सेवा करे और प्रसिद्धि पाए। लेकिन यह सपना उसी का पूरा हो पाता है, जो सिस्टमेटिक पढाई करता है। यदि आपने सीबीएसई द्वारा आयोजित एआईपीएमटी के माध्यम से एमबीबीएस तथा बीडीएस की पढाई करने का स्वप्न देखा है तो एआईपीएमटी में अच्छी रैंक लाकर सपने को हकीकत में बदल सकते हैं।

संस्थान चयन के फार्मूले

एआईपीएमटी में स्टूडेंट्स को रैंकिंग के आधार पर मेडिकल कॉलेज आवंटित किए जाते हैं। कभी विकल्प भी मांगे जाते हैं। यदि ऐसा अवसर मिले तो शीर्ष संस्थानों को प्रथम वरीयता दें। प्रयास करें होम स्टेट के मेडिकल कॉलेज को सर्वप्रथम वरीयता दें। यदि आप ऐसा करते हैं तो इससे भाषा या इससे संबंधित प्रांतीय समस्याएं सामने नहीं आएंगी।

बारहवीं में बायोलॉजी है अनिवार्य

अखिल भारतीय प्री-मेडिकल/प्री-डेंटल प्रवेश परीक्षा देने के लिए वही कैंडिडेट्स योग्य हैं, जिनकी उम्र 31 दिसम्बर को 17 से 25 वर्ष के बीच हो और 50 प्रतिशत अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी यानि पीसीबी के साथ 10+ 2 उत्तीर्ण हों या फिर 2012 में परीक्षा दे रहा हों।

जानिए प्रारंभिक परीक्षा का पैटर्न

एआईपीएमटी की प्रारंभिक परीक्षा में एक प्रश्नपत्र होगा जिसमें 200 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे। समयावधि तीन घंटे की होगी। परीक्षा में पूछे जाने वाले सभी प्रश्न फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी और जुलॉजी से होंगे। प्रारंभिक परीक्षा की तरह फाइनल परीक्षा में भी फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी (जुलॉजी और बॉटनी) के प्रश्न

पूछे जाएंगे। इसमें भी केवल एक प्रश्नपत्र होगा, जिसमें 120 ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएंगे।

क्या है मीडियम आफ क्वैश्चन

एआईपीएमटी परीक्षा का मीडियम अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाएं होंगी। आप जिस भी भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उसके लिए फार्म भरते समय संबंधित कॉलम में टिक करना जरूरी है। आवेदन फार्म भरने के बाद भाषा बदलना संभव नहीं होगा।

तैयारी के मंत्र

कडी मेहनत के साथ यदि तैयारी में बेहतर गाइडेंस व पुख्ता रणनीति का रंग मिला दें तो यहां कामयाबी काफी कुछ सहज हो सकेगी। 12वीं के सिलेबस से क्लियर होगा फंडा एआईपीएमटी में पूछे जाने वाले प्रश्न दसवीं व बारहवीं स्टैंडर्ड के होते हैं। स्टूडेंट्स यदि दसवीं से ही इस प्रतियोगिता की तैयारी शुरू कर दे तो वे आसानी से अच्छी रैंक ला सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वे छात्र जो अपनी बारहवीं की पढाई में संजीदा रहते हैं, उनके लिए इस परीक्षा के भंवर को पार करना थोडा आसान रहता है। ऐसे में आवश्यक है कि स्टूडेंट्स फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के बेसिक्स पर ज्यादा ध्यान दें और उससे भी पहले सिलेबस को अच्छी तरह समझ लें।

प्रैक्टिस का नहीं है अल्टरनेटिव

लगातार प्रैक्टिस इस परीक्षा में कामयाबी का मंत्र है। चूंकि इस परीक्षा का नेचर ऑब्जेक्टिव टाइप होता है, इसलिए इसकी प्रैक्टिस बहुत जरूरी है। ऐसे में जरूरी है कि कैंडिडेट्स पिछले वर्षो के प्रश्नों पर ध्यान दें। घर में ही परीक्षा जैसा महौल बनाएं। कि स चेप्टर से कितने प्रश्न पूछे गए हैं , को भी दिमाग में रखना अहम होगा। ऐसा बार-बार करने से विषय में पकड मजबूत होगी व तैयारी भी बेहतर होगी।

और भी हैं डाक्टर बनने की राह

यदि आपने मेडिकल में सुनहरे कल की इबारत लिखने का

संकल्प लिया है तो आने वाले समय में कई संभावनाएं हैं। एसोचैम रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2015 तक भारतीय दवा उद्योग करीब 20 अरब डॉलर होने की संभावना है। अनुमान है कि इस समयावधि में ही देश का दवा बाजार दुनिया के शीर्ष 10 दवा बाजारों में शामिल हो जाएगा। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के आंकडे बताते हैं कि देश के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों में निजी अस्पताल कारोबार में बढोतरी के मद्देनजर इस सेक्टर के अगले तीन साल में 45 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। देश में मेडिकल प्रोफेशनल के लिए आज एआईपीएमटी के अलावा भी कई विकल्प हैं।

कौन-कौन सी प्रवेश परीक्षाएं

एआईपीएमटी के अलावा कईसंस्थान राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर मेडिकल परीक्षा आयोजित करते हैं, जिसमें आ?र्मड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे (एएफएमसी), बीएचयू एमबीबीएस इंट्रेंस एग्जामिनेशन , एमजीआईएमएस वर्धा एमबीबीएस प्रमुख हैं। इसके अलावा सीपीएमटी, पीएमटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं की मेरिट में आकर भी डॉक्टर बनने का सपना आबाद कर सकते हैं। भारत में मेडिकल की कई शाखाएं हैं, जिसमें कई तो बेहद परंपरागत और प्राचीन समय से चली आ रही हैं। ऐलोपैथ, आयुर्वेद (बीएएमएस), होम्योपैथ (बीएचएमएस) तथा यूनानी (बीयूएमएस) मेडिकल की कुछ ऐसी ही उपशाखाएं हैं। इन सभी में इंट्री के लिए आपको बायोग्रुप से बारहवीं होना अनिवार्य है, वहीं बीयूएमएस के लिए उर्दू का ज्ञान होना जरूरी है।

सफलता सिर्फ एक बार हासिल करने की चीज नहीं है

सफलता की विशेषताओं के बारे में जानना एवं विशेषण करना सरल है, परंतु इनको अपने व्यक्तित्व में समाहित करना एक वास्तविक चुनौती है। सफलता की विशेषताओं में सकारात्मक सोच, स्वयं पर विश्वास, साहस, लक्ष्य के प्रति समर्पण, कुशल समय प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन आदि गुण सम्मिलित होते हैं। इनसे एक सजग व्यक्ति भली-भांति परिचित होता है। हर व्यक्ति इन गुणों को स्वयं में उतारने एवं बनाए रखने का इच्छुक होता है। किंतु जब उसका वास्तविकता से सामना होता है, तो पता चलता है कि इनका अभ्यास करना कठिन है। ऐसा आकांक्षा एवं इच्छाशक्ति के बीच एक बड़ा अंतर होने की वजह से होता है। सफलता के कारकों की सूची काफी लंबी हो सकती है, यदि इनको विभिन्न शीर्षकों-उपशीर्षकों में रखा जाए, परंतु सरल बनाने के क्रम में उनको चार शीर्षकों के अंतर्गत रखना पसंद करता हूं। जिनको सफलता के पहिए की चार तीलियां कहा जा सकता है। ये हैं-मस्तिष्क, समय, ऊर्जा एवं मानवीय संबंध। ईश्वर द्वारा मनुष्य को प्रदान किए गए इन चार बेशकीमती उपहारों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर आप जीवन की किसी भी ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं।

सफलता की शुरुआत आप के स्वयं की पहचान के साथ होती है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता, शांति एवं प्रसन्नता हासिल करने एवं उसका अभिवर्धन हासिल करने की असीम क्षमता के साथ ईश्वर का एक अद्वितीय सृजन होता है। स्वयं की क्षमता एवं अद्वितीयता की समझ एवं पहचान एक अद्भुत अनुभव है। मैक्स लुकाडो कहते हैं-आप एक दुर्घटना नहीं हो सकते। आप थोक में पैदा नहीं हुए। आप जैसे तैसे पुर्जों को जोड़कर बनाए गए उत्पाद नहीं हैं। आप सर्वशक्तिमान स्त्रष्टा द्वारा जानबूझकर नियोजित, विशिष्ट उपहार में दिए गए तथा बड़े प्यार से इस धरती पर उतारे गए हैं। हममें से हरेक व्यक्ति का इस धरती पर आने का एक उद्देश्य होता है और हर व्यक्ति में अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कुछ अद्वितीयता होती है।

सफलता की कला वास्तव में हमारे मस्तिष्क के दक्षतापूर्ण संचालन की एक कला है। यहां, यह समझना महत्वपूर्ण है कि साक्षरता एवं शिक्षा में बहुत बड़ा अंतर होता है। एक व्यक्ति बिना साक्षर हुए भी पूर्ण रूप से शिक्षित हो सकता है। अकबर महान इसका एक सर्वोत्तम उदाहरण हैं। बहुत से संत महात्मा एवं धार्मिक गुरु निरक्षर थे, किंतु वे काफी ज्ञानी थे। दूसरी ओर, हमारे देश में या विश्व में कहीं भी साक्षर और उच्च डिग्री प्राप्त लोगों की संख्या काफी अधिक है, लेकिन उन लोगों की संख्या काफी कम होती है जो उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने तथा इस विश्व को कुछ अर्थपूर्ण योगदान दे जाने के लिए वास्तविक रूप से स्वयं को शिक्षित होने का दावा करते हैं। सच्चे अर्थ में शिक्षा का सीधा संबंध आत्मबोध से होता है। अकादमिक शिक्षा हमें साक्षर और सूचनाओं एवं ज्ञान से समृध्द बना सकती है, लेकिन उनका इस्तेमाल एवं अर्थवत्ता हमारी वास्तविक शिक्षा की शक्ति पर निर्भर करती है। गैलीलियो का कहना है कि आप व्यक्ति को कुछ भी नहीं सिखा सकते। आप उसे स्वयं के अंदर ढूंढने में केवल सहायता कर सकते हैं। ईश्वर ने पहले से ही हमारे मस्तिष्क को शक्ति प्रदान कर रखी है, हमें सिर्फ इस बात की खोज करनी है कि हम अधिकतम लाभ के लिए उसका कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। एक सच्चा शिक्षक वही है, जो अपने विद्यार्थी के मस्तिष्क की मौलिकता को मारे नहीं, बल्कि उसे आत्मानुभूति करने में सहायता प्रदान करे। मैं इस संबंध में गौतम बुध्द के दर्शन में काफी विश्वास करता हूं। वे कहते हैं कि किसी भी चीज पर तब तक विश्वास मत करो, जब तक कि वह तुम्हारे अपने विवेक एवं अपनी सहज बुध्दि को स्वीकार्य न हो, चाहे जहां से तुमने उसे पढ़ा हो, या जिसने भी कहा हो, यहां तक कि मैंने भी कहा हो।

क्या आप जानते हैं दूध के दांतों से जुड़ी ये बातें

जन्म के छह माह बाद बच्चे का पहला दांत आता है और ढ़ाई साल की उम्र तक बीस दांत आ जाते हैं। सात साल की उम्र में दांत टूटने शुरू होते हैं और बारह साल की उम्र तक दूध सभी दांत टूट जाते हैं। एक साल की उम्र के बाद भी बच्चा मां का दूध पी रहा है तो दांतों में सड़न की तकलीफ होती है। ऐसे में इस समस्या से बचाव के लिए एक साल की उम्र के बाद मां का दूध नहीं पिलाना चाहिए।

छह साल की उम्र में बच्चे की पहली पक्की दाढ़ आ जाती है। जिन बच्चों के दांत टेढ़े मेढ़े आते हैं उनका इलाज नौ साल की उम्र में शुरू हो जाना चाहिए। मायो फंक्शनल टेक्नीक से इसका बेहतर इलाज संभव है। बच्चों का दूध का दांत किसी वजह से अचानक टूट जाए तो डॉक्टर को दिखाना चाहिए। टूटे हुए दांत से दूसरे दांत को संक्रमण होने का खतरा रहता है।

बार-बार मुंह में अंगुली न लगाने दें

बच्चों के जब दांत निकलने लगते हैं तो वे अपनी अंगुली बार-बार मुंह के भीतर ले जाते हैं। बार-बार मुंह में अंगुली ले जाने से दांत में संक्रमण का खतरा बढ़ने के साथ का आकार बदल सकता है। कई बार बच्चे दांत को अंगुली से कसकर दबाते हैं जिससे दांत की बनावट पर फर्क पड़ता है। ऐसे में दांत निकलने पर बच्चों पर ध्यान देना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि वे बार-बार अंगुली न लगाए। इससे बचाव के लिए रबर की माउथ कैप आती है जिसे लगाया जा सकता है।

बच्चों में हर्पिटीक जिंजिवाइटिस खतरनाक

चार से छह साल की उम्र के बच्चों में हर्पिटीक जिंजिवाइटिस की समस्या भी पाई जाती है। इसमें दांत में तकलीफ की वजह से बच्चे को 104-105 डिग्री तेज बुखार रहता है। बच्चे के होंठ और मसूड़ों पर लाल चकते बनने लगते हैं। भूख लगनी बंद होने के साथ उल्टी, दस्त के साथ मुंह के भीतर छाले बन जाते हैं।

क्यों दूध दांत महत्वपूर्ण हैं

पहले वर्ष के दौरान एक बच्चे के विकास के स्थलों में से एक छोटे सफेद मोती का विस्फोट है। पहला दांत मुंह में टूट जाता है, कहीं छह महीने से एक वर्ष के जीवन के बीच। पूरे सेट को लगभग 20 महीने तक बच्चे के मुंह में जगह पर रखा गया है। यद्यपि पर्णपाती दांत कहा जाता है क्योंकि वे एक निश्चित अवधि के बाद गिर जाते हैं। दूध के अंतिम दांत 12 से 14 वर्ष तक मुंह में रहते हैं।

दूध दांतों के महत्व को रेखांकित करने वाले कुछ बिंदु नीचे सूचीबद्ध हैं। यह महत्व मानता है, कि कई बार, माता-पिता इस धारणा के साथ चोट या क्षय को अनदेखा करते हैं कि ये वैसे भी अस्थायी हैं और बाद में एक नया सेट होगा।

भोजन: दूध दांतों के प्राथमिक कार्यों में से एक चबाने या मास्टिकेशन और पाचन में सहायता करना है। हालांकि, उनके स्थाई समकक्ष के रूप में उतना मजबूत नहीं है। वे चबाने और भोजन को पचाने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। खराब दांत वाले बच्चे, विशेष रूप से मोलर्स, (गायब या क्षीण) के परिणामस्वरूप गरीब पोषण हो सकता है।

बोलने का विकास: बोलने की क्षमता के विकास में दूध दांत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और बोलने की असामान्यताओं को लोगों में देखा जा सकता है, जिनके पास दूध दांतों का प्रभावी सेट नहीं होता है। उन बच्चों को देखना आम बात है जिनमें दूध सेट में सामने वाले दांत ठीक से तैनात नहीं होते हैं। वहां लिपिंग जैसी बोलने की समस्याएं हो सकती हैं।

सौंदर्यशास्त्र: कहने की जरूरत नहीं है, सफेद, मोटे दांतों का एक अच्छा सेट एक बच्चे की मुस्कुराहट की सुंदरता में जोड़ता है। यह स्वीकृति और आत्मविश्वास के स्तर सहित बच्चे के सामाजिक व्यवहार को बढ़ावा देने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है।

अंतरिक्ष रखरखाव: दूध के दांत उनके उत्तराधिकारी के लिए आवश्यक स्थान को बनाए रखते हैं और संरक्षित करते हैं। यदि खोया दांत प्रतिस्थापित नहीं किया जाता है, तो स्थान स्थायी व्यक्ति के विस्फोट के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है और यह स्थाई व्यक्ति को विस्फोट से भी रोक सकता है। नतीजा एक रिक्त स्थान हो सकता है। जहां अंतरिक्ष की कमी के कारण मुंह में उत्तराधिकारी के बिना दूध दांत खो जाता है।

या दूध या पर्णपाती दांतों की अच्छी देखभाल

- नियमित भोजन ओरल स्वच्छता दिनचर्या को लागू करें, जिसमें प्रत्येक भोजन या स्नैक्स के बाद धोने, दिन में दो बार ब्रश करना, फ्लॉसिंग और माउथवाश का उपयोग करना शामिल है।
- ओरल प्रोफेलेक्सिस नियमित सफाई के लिए दंत चिकित्सक के लिए एक दोहरी यात्रा। यदि आवश्यक हो तो फ्लोराइड पेस्ट आवेदन के बाद, इससे दंत क्षय की शुरुआत भी कम हो जाएगी। इन यात्राओं के दौरान प्रारंभिक क्षरणों की पहचान की जा सकती है और दर्द की शुरुआत से पहले इलाज किया जा सकता है।
- रासायनिक सीलेंट का उपयोग किया जा सकता है यदि दांतों पर गड्ढे गहरे हैं और आसानी से क्षीण हो सकते हैं।
- इन मोतियों को बनाए रखने के लिए और अधिक जानने के लिए नियमित रूप से अपने दंत चिकित्सक पर जाएं।

रेसिपी

एग बोट

सामग्री

■ हॉट डॉग्स- 4 ■ अंडे- 4 ■ हरी शिमला मिर्च- 1/2 कप (बारीक कटी) ■ लाल शिमला मिर्च- 1 (बारीक कटी) ■ प्याज- 1 (बारीक कटा) ■ धनिया पत्ती- बारीक कटी ■ नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च- स्वादानुसार ■ ऑलिव ऑयल मेयोनीज- 4 चम्मच

विधि

ओवन को 18 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट कर लें। हॉटडॉग बन्स के बीच में खाली जगह बना लें। अब एक बाउल में अंडा तोड़कर डालें। उसमें हरी, लाल शिमला मिर्च, प्याज, धनिया पत्ती, नमक और काली मिर्च डाल अच्छे से फेंटे। अब बन में खाली किए जगह पर ऑलिव ऑयल मेयोनीज लगाएं और इसके ऊपर अंडे वाला मिक्सचर डालें। अब इसे 15-20 मिनट प्रीहीट ओवन में रख बेक करें। तैयार है आपके एग बोट।

पनीर सिगार्स

सामग्री

■ हरे मटर- 1 कप (उबले और मसले हुए) ■ पनीर- 1/2 कप ■ तेल- 2 छोटे चममच तलने के लिए ■ हरा प्याज- 1/4 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच ■ मैदा- 1 बड़ा चम्मच ■ नमक- स्वादानुसार ■ भुना जीरा- 1 छोटा चम्मच ■ प्रोसेस्ड चीज- 1/4 कप (कसा हुआ)

विधि

एक नॉन स्टिक पैन में तेल गरम करें। उसमें हरे प्याज डालकर मध्यम सुनहरा होने तक भुनें। अब अदरक-हरी मिर्च पेस्ट भी डाल दें। इसके बाद इसमें हरी मटर, पनीर, नमक और भूना जीरा डालकर अच्छे से मिलाएं और लगभग 2-3 मिनट तक पकाएं। सबसे बाद में चीज डालें और उसे पूरी तरह पिघलने दें। आंच से उतारकर थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। एक बाउल में मैदा डालें, उसमें थोड़ा पानी डालकर गाढा घोल बनाएं। अब समोसा पट्टी के बीच में ये मटर-पनीर का मिक्सचर रखें, उसे रोल का आकार दें। मैदे के घोल से उसे सील करें। एक कढ़ाई में आवश्यकतानुसार तेल गरम करें। फिर गरम तेल में तैयार किए ये रोल डालकर सुनहरा होने तक फ्राई कर लें। हरी चटनी या सॉस के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2618

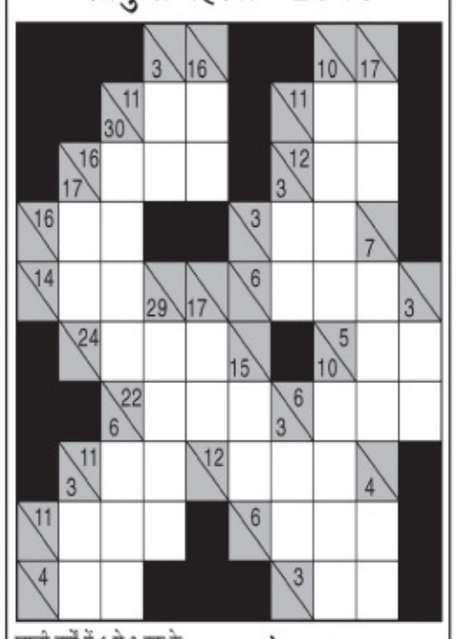

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 2617 का हल

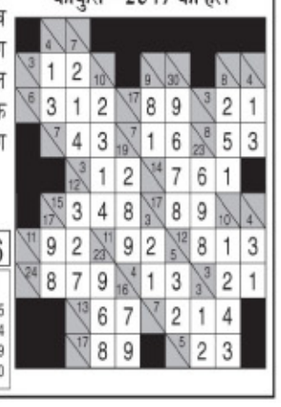

लॉफिंग ज़ोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2618

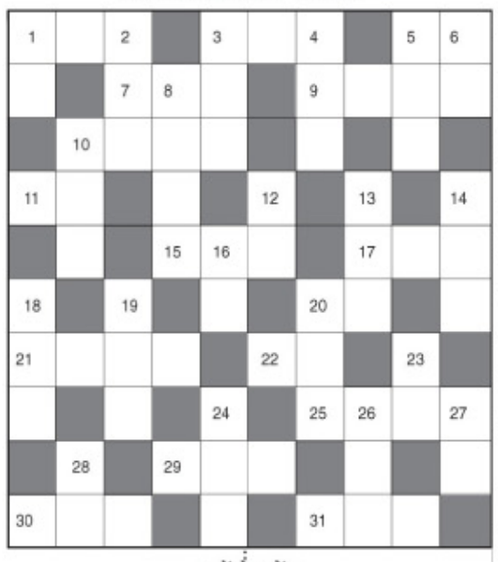

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बारना दे बारना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2617

सूडोकु -2618

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2617 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 2618

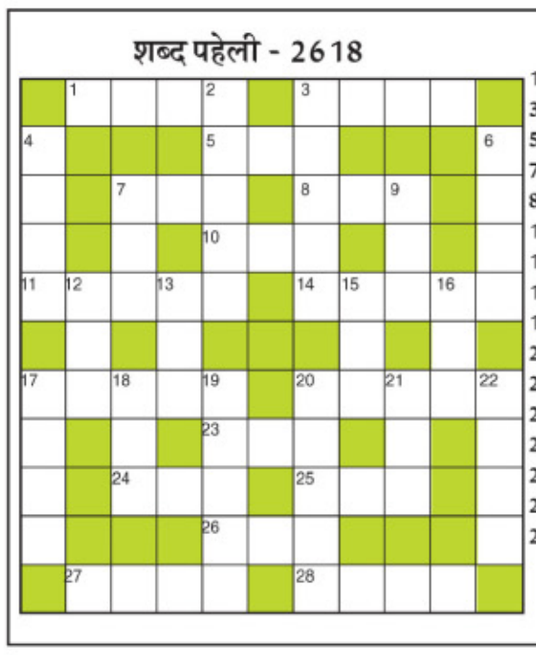

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 2617 का हल

मराठी एक्टर अतुल परचुरे का 57 साल की उम्र में निधन

एजेंसी

मुंबई। दिग्गज अभिनेता अतुल परचुरे का 57 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे। अतुल एक मशहूर मराठी अभिनेता थे, जिन्होंने कई हिंदी टीवी शो और फिल्मों में काम किया। वह कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में भी नजर आ चुके हैं। अतुल ने एक टॉक शो में अपनी कैंसर की बीमारी का खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि डॉक्टरों को उनके लीवर में पांच सेमी का ट्यूमर मिला है। उन्होंने अपनी स्थिति की गंभीरता को व्यक्त करते हुए कहा था, मुझे बताया गया कि मेरे लीवर में लगभग पांच सेंटीमीटर लंबा ट्यूमर है और यह कैंसर है। हालांकि, कैंसर से पीड़ित होने के बाद अतुल परचुरे की सेहत काफी खराब हुई थी। उन्होंने बताया था, कैंसर के बाद मेरा पहला डायग्नोसिस गलत हो गया है, जिससे मेरा अग्न्याशय प्रभावित हुआ और कई मुश्किलें पैदा हो गईं। गलत उपचार ने वास्तव में मेरी स्थिति को और बिगाड़ दिया। मैं चलने में असमर्थ था और बोलने में भी मुश्किलें महसूस करता था। उस हालत में डॉक्टर ने मुझे डेढ़ महीने तक आराम करने की सलाह दी थी। अतुल परचुरे ने इंडस्ट्री में अपनी पहचान एक सफल एक्टर के तौर पर स्थापित की थी। वह फिल्मों और टेलीविजन में एक्टिंग करते दिखाई दे जाते थे। अतुल को उनके काम के लिए भी जमकर सराहा गया। वह 'वासु ची सासु', 'प्रियतम', और तरुण दतुर्क म्हातारे अर्का' जैसे प्रोजेक्ट में नजर आए।

किशन रेड्डी ने मंदिरों में तोड़फोड़ पर कड़ी कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने हैदराबाद में हिंदू मंदिरों को अपवित्र करने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और तेलंगाना सरकार से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की किशन रेड्डी ने सिकंदराबाद के मुथ्यालम्मा मंदिर में मूर्ति को तोड़े जाने की निंदा की। मंदिर में दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार इन घटनाओं को मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्तियों या चोरों का काम बताकर इन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सदस्य किशन रेड्डी ने कहा कि एक व्यक्ति ने सुबह चार बजे के आसपास कुरमागुडा स्थित मुथ्यालम्मा मंदिर पर हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जानबूझकर पिछले कुछ दिनों से कुछ सांप्रदायिक तत्वों द्वारा हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। रेड्डी ने चार दिन पहले प्रदर्शनी मैदान में दुर्गा प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने का जिक्र किया।

नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर जर्मनी की कंपनियों के लिए राजस्थान एक विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने के लिए तैयार: भजन लाल

जयपुर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत राज्य में निवेश बढ़ाने हेतु यूरोप के निवेशकों और कंपनियों से मुलाकात के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल आज से जर्मनी के दौरे पर है। अपने दौरे की शुरूआत में प्रतिनिधिमंडल ने बवेरिया राज्य चांसलरी के प्रमुख और संघीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. फ्लोरियन हरमन के साथ म्यूनिख में मुलाकात की और इस बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा ने जर्मनी को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का 'पार्टनर कंट्री' बनने के लिए आमंत्रित किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने नीमराणा जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर राजस्थान में जर्मन निवेशकों के लिए एक विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने की भी पेशकश की। डॉ. हरमन से हुई इस मुलाकात के दौरान, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने जर्मनी के बवेरिया राज्य और राजस्थान के बीच एक सिस्टर पार्टनरशिप स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा, जिसमें अक्षय ऊर्जा पर विशेष जोर दिया जाएगा। बवेरिया और राजस्थान के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए इस बैठक में राजस्थान में बवेरिया का एक कार्यालय स्थापित करने का भी मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया और राज्य में निवेश आकर्षित करने में जर्मन सरकार से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। इस बैठक के दौरान बावरिया और राजस्थान के बीच स्किल्ड मैनपावर की जरुरतों को पूरा करने के लिए लिए आपसी साझेदारी पर भी चर्चा की गई।

जाब के सीएम मान ने केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी से की मुलाकात

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात कर धान खरीद में आ रही समस्याओं के समाधान पर चर्चा की। धान की खरीद न होने से किसान विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं और पंजाब के कई शहर इसकी चपेट में आ गए हैं। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के बाद सीएम मान ने कहा कि पंजाब की अर्थव्यवस्था धान पर काफी ज्यादा निर्भर करती है। ऐसे में हमने केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात कर अपनी समस्याओं को रखा। इस बार 180 लाख टन धान हम सेंटर पूल में देंगे। हमें डर है कि जो दिक्कत पिछले दो साल में हुई है वह इस बार भी हो सकती है। हमारी मांग है कि मिलिंग के दौरान नए चावल को जगह मिले और पुराने को वहां से हटाया जाए। पिछले साल वाला सात लाख टन चावल उठा लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि बैठक में केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने वादा किया है कि जो भी चावल पड़ा है उसे 31 मार्च तक उठा लिया जाएगा। यदि विक्रेता को धान कहीं और लेकर जानी पड़ी तो उसके परिवहन का खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड – एस्प्लेनेड कोर्ट ने प्रवीण लोनकर को 21 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेजा

एजेंसी

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में गिरफ्तार किए गए तीसरे संदिग्ध प्रवीण लोनकर को 21 अक्टूबर तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने 28 वर्षीय प्रवीण लोनकर को पुणे से गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसे एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 21 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। प्रवीण लोनकर, शुभम लोनकर का भाई है और दोनों पर संदेह है कि वे बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की साजिश एक बड़ा हिस्सा हो सकते हैं। जांचकर्ताओं के अनुसार, लोनकर भाइयों ने कथित तौर पर बाबा सिद्दीकी की हत्या के

लिए दो हत्यारों गुरनैल बलजीत सिंह और एक अन्य को सुपारी दी थी। पुलिस ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जांच के लिए 15 सदस्यीय जांच टीम बनाई है। अन्य संदिग्ध शिव कुमार और मोहम्मद जीशान अख्तर की तलाश की जा रही है। हालांकि, वे अभी भी फरार हैं। एनसीपी नेता की 12 अक्टूबर की देर रात बांद्रा के निर्मल नगर में उनके बेटे के कार्यालय के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे, लेकिन कुछ ही देर बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। 66 वर्षीय नेता को तीन गोलियां लगी थी। इसके बाद उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान आरोपियों ने दावा किया कि उन्हें सिद्दीकी या उनके कांग्रेस विधायक बेटे जीशान को मारने के लिए सुपारी मिली थी। वहीं, एनसीपी नेता की हत्या के एक दिन बाद लॉरेंस बिश्नोई गुट ने इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली है। हालांकि, पुलिस इस एंगल से अभी जांच कर रही है।

महाकुंभ को देखते हुए परिवहन निगम चलाएगा 320 बस

एजेंसी

वाराणसी। आगामी महाकुंभ पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के वाराणसी रीजन में 320 नई बसें शामिल होंगी। इसमें 35 एसी बसें वाराणसी प्रयागराज रोड पर चलाई जाएंगी। बीएस 6 इंजन वाली बस नवंबर तक वाराणसी आ जाएंगी। मुख्यालय स्तर से इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। महाकुंभ में प्रयागराज के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु वाराणसी आते हैं, जिनको ध्यान में रखते हुए वाराणसी परिवहन निगम ने अपनी कमर कस ली है। महाकुंभ-2025 के लिए राज्य सरकार ने वृहद स्तर पर बसों की व्यवस्था की है। इसमें 7 हजार बसें प्रदेश स्तर पर होगी। यहां वाराणसी में भी 300 बसें लगाने की योजना है। जिसमें से 35 एसी बसें शामिल होंगी। इससे महाकुंभ यात्रा के लिए रवाना होने वाले लोगों को बहुत सुविधाएं मिलेंगी। यह यात्रियों को अपने गंतव्य स्थल पर लेकर जाएगी। वाराणसी में यात्रियों को 24 घंटे हर प्रकार की सुविधा दी जाएगी। इस दौरान, जो भी भीड़ होगी, उसे नियंत्रित करने के लिए बाकायदा हर तरह की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि स्थिति को बेकाबू होने से रोका जा सके। काशी पुराना शहर है। यह पौराणिक स्थल के रूप में भी जाना जाता है। इसे आस्था का केंद्र भी माना जाता है। यहां काशी विश्वनाथ मंदिर भी है। प्रयागराज से होकर भी लोग यहां आना चाहते हैं। लोगों में यहां आने की आतुरता भी देखने को मिलती है।

ईडी ने ड्रग तस्कर रंजीत सिंह का घर किया कुर्क, 1.93 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त

एजेंसी

जालंधर । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जालंधर शाखा ने पीएमएलए के प्रावधानों के तहत मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रंजीत सिंह के परिवार के सदस्यों हरभजन सिंह, सरवन सिंह और जसबीर कौर सहित अन्य की 1.93 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से कुर्क कीं। ईडी ने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट की है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से नशा मुक्ति अभियान के तहत देश में नशा तस्करों की भंडाफोड़ करने में मुहिम तेज कर दी है। ईडी दिल्ली जोनल कार्यालय ने 11 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह तलाशी अभियान दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा 602 किलोग्राम से अधिक वजन वाले नारकोटिक्स और साइकोट्रोपिक पदार्थों जैसे 'कोकीन' और 'हाइड्रोपोनिक मारिजुआना' की खेप की जब्ती के मामले में चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान, विभिन्न दस्तावेज बरामद कर उन्हें जब्त कर लिया गया। आपको बता दें कि अगस्त में जालंधर की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने पंजाब के कुख्यात ड्रग डीलर रंजीत सिंह कंडोला और उसकी पत्नी राजवंत

कौर को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में दोषी ठहराया था। अदालत ने कंडोला, जिसे राजा कंडोला के नाम से भी जाना जाता है, को नौ साल जेल की सजा सुनाई, जबकि कौर को तीन साल जेल में बिताने का आदेश दिया गया। साल 2012 में बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की खेप पकड़े जाने के बाद पंजाब पुलिस ने कंडोला और उसके सहयोगियों द्वारा कथित तौर पर चलाए जा रहे एक गिरोह से करीब 200 करोड़ रुपये के नशीले पदार्थ जब्त किए थे। जब्ती के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी, जिसके परिणामस्वरूप हाल ही में इन लोगों को दोषी ठहराया गया। कंडोला का आपराधिक कारोबार अपनी परिष्कृतता और अंतर्राष्ट्रीय पहुंच के लिए जाना जाता था। ईडी के अनुसार, कंडोला मेथमफेटामाइन और इफेड्रिन का उपयोग करके %आइस% (एक पार्टी ड्रग) बनाने के लिए एक रैकेट चला रहा था, साथ ही पाकिस्तान सीमा पार से हेरोइन भी मंगा रहा था। गहन जांच से पता चला कि कंडोला पंजाब, दिल्ली और अन्य प्रमुख शहरों में ड्रग वितरण में शामिल था।

झारखंड में हेमंत सरकार का बड़ा फैसला, 'मंईयां सम्मान योजना' की राशि बढ़ाई

एजेंसी

रांची। झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने बहुचर्चित 'मंईयां सम्मान योजना' के तहत महिलाओं को अब हर महीने एक हजार के बदले 2,500 रुपए देने का निर्णय लिया है। सीएम की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। राज्य की कैबिनेट सेक्रेटरी वंदना डाडेल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत अभी 18 से 50 वर्ष की करीब 50 लाख महिलाओं को आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक तीन किस्तों की राशि उनके बैंक खातों में भेजी जा चुकी है। दिसंबर महीने से उन्हें बढ़ी हुई राशि का लाभ दिया जाएगा। इस प्रकार उन्हें सालाना 12 हजार रुपए के बदले 30 हजार दिए जाएंगे।

बताया गया कि इसका लाभ 53 लाख महिलाओं को मिलेगा। इस बढ़ोतरी की वजह से राज्य सरकार को इस योजना में लगभग नौ हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा। कैबिनेट का यह निर्णय हेमंत सोरेन सरकार का बड़ा दांव माना जा रहा है।

इस योजना के लागू होने के बाद सरकार की ओर से राज्य के विभिन्न हिस्सों में महिला सम्मान यात्रा निकाली जा रही है। 5 अक्टूबर को

भारतीय जनता पार्टी ने 'मंईयां सम्मान योजना' के जवाब में 'गोगो दीदी योजना' लाने का ऐलान किया था, जिसके तहत राज्य में पार्टी की सरकार बनने पर प्रतिमाह महिलाओं को 2,100 रुपए की राशि देने का वादा किया गया है।

भाजपा की इस घोषणा के बाद अब हेमंत सोरेन सरकार ने 'मंईयां सम्मान योजना' शुरू होने के दो माह के भीतर से इसकी राशि ढाई गुनी बढ़ा दी है। कैबेनिट की बैठक में कुल 29 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई है। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले के अनुसार झारखंड के 62 हज़ार पारा शिक्षकों (सहायक शिक्षक) को ईपीएफ का लाभ दिया जाएगा। इस मांग को लेकर उन्होंने 15 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान किया था।

कैबिनेट ने राज्य में दिव्यांग और अनाथ बच्चों की उच्च शिक्षा के दौरान उनकी ट्यूशन फीस सरकारी खजाने से चुकाने का भी निर्णय लिया है।

राज्य में माइनॉरिटी स्कूल के रूप में संचालित मदरसों को पूरी तरह राज्य योजना के तहत संचालित करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगाई गई। कैबिनेट में लिए गए एक अन्य फैसले के अनुसार, असम में रह रहे झारखंड के 15 लाख आदिवासियों को झारखंड सरकार की ओर से लाभान्वित करने के लिए विशेष योजना लाई जाएगी। इन आदिवासियों को असम में एसटी का दर्जा नहीं मिला है।

अमरावती में रतन टाटा इनोवेशन हब बनेगा : चंद्रबाबू नायडू

एजेंसी

अमरावती । आंध्र प्रदेश सरकार जल्द ही अमरावती में रतन टाटा इनोवेशन हब स्थापित करेगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास, एमएसएमई और खाद्य प्रसंस्करण के लिए अपनाई जा रही नीतियों की समीक्षा बैठक की और स्पष्ट किया कि रोजगार सृजन उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि औद्योगिक नीतियां इसके अनुरूप होनी चाहिए और निवेश आकर्षित करके व्यापार करने की गति को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। उन्होंने महसूस किया कि निजी औद्योगिक पार्कों की नीति पर और अधिक अभ्यास की आवश्यकता है और उन्होंने मंत्रिमंडल की अगली बैठक में अन्य तीन नीतियों को सामने लाने का फैसला किया। अधिकारियों ने जब इन विषयों पर तैयार की गई

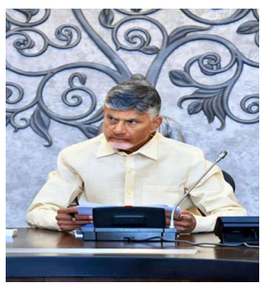

नीतियों को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया, तो चंद्रबाबू ने उन पर गहन अध्ययन किया और अधिकारियों के साथ अपने विचार और अनुभव भी साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरावती में स्थापित किए जाने वाले इनोवेशन हब का नाम प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा के नाम पर रखा जाएगा, जिनका पिछले सप्ताह निधन हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हब कौशल विकास, स्टार्ट-अप, सुविधा केंद्र और नवाचार का केंद्र होगा।

राज्य में पांच स्थानों पर ऐसे हब स्थापित किए जाएंगे और प्रत्येक हब के लिए एक प्रमुख कंपनी मेंटर होगी।चंद्रबाबू नायडू ने उम्मीद जताई कि नवाचार केंद्र राज्य में औद्योगिक क्षेत्र को बहुत आगे ले जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा, ÷हमें राज्य में निवेश करने के लिए उद्योगपतियों को आकर्षित करने के संबंध में एक मित्रवत सरकार के रूप में काम करना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और इस प्रयास के तहत सभी विभागों के लिए नई नीतियां तैयार की जा रही हैं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इन नई नीतियों के लागू होने के तुरंत बाद राज्य में निवेश करने के लिए आगे आने वालों को सब्सिडी दी जाएगी। मसौदा नीतियों में उल्लेख किया गया है कि जो 200 कंपनियां अपनी स्थापना और वाणिज्यिक उत्पादन की तिथि की सहमति देने के लिए सबसे पहले आगे आएंगी। उन्हें अधिक प्रोत्साहन प्रदान किया जा सकता है, जबकि जो इकाइयां अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। उन्हें अतिरिक्त 10 प्रतिशत प्रोत्साहन दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बैठक में बताया कि राज्य सरकार एस्क्रो खातों के माध्यम से औद्योगिक प्रोत्साहन प्रदान करने के एक नए तरीके पर विचार कर रही है, जिससे उन्हें लगता है कि औद्योगिक प्रगति और बेहतर रोजगार के अवसरों को और अधिक प्रोत्साहन प्रदान करने में मदद मिलेगी।

कांग्रेस कार्यकर्ता निराश जरूर है पर हताश नहीं: कुमारी सैलजा

एजेंसी

रोहतक। अखिल भारतीय कांग्रेस की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सबको उम्मीद थी कि कांग्रेस की सरकार बनेगी पर क्या हुआ उसे पार्टी हाईकमान देख रहा है, हार से कार्यकर्ता निराश जरूर है पर हताश नहीं है। पार्टी चिंता न करके इस पर गहन चिंतन कर रही है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की पहचान संगठन होता है जो पिछले 10-12 सालों से नहीं था। अब फैक्ट फाइंडिंग कमेटी कार्यकर्ताओं के बीच जाकर हार के कारणों की तलाश करेगी, इसके बाद कमेटी की रिपोर्ट पर ही हाईकमान निर्णय लेगा। मीडिया से बातचीत करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस हार गई किसी ने नहीं सोचा था सरकार बनने की पूरी उम्मीद थी, हार-जीत के कई कारण होते है, हार के कारणों की समीक्षा जारी है, पार्टी सभी से फीड बैंक लेगी इसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है। क्या ईवीएम को हार का कारण बनी के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से यह मामला चुनाव आयोग के समक्ष उठाया गया है अब देखना है कि आयोग इस पर क्या संज्ञान लेता है। क्या प्रदेश संगठन में कोई बदलाप होने जा रहा है के जवाब में कहा कि वे इस बारे में कुछ नहीं कह सकती ये सब हाईकमान के अधिकार क्षेत्र का मामला है। कांग्रेस की बैठक में हार पर राहुल गांधी ने कहा था कि यह हार आपसी फूट के कारण हुई है और उन्होंने इस पर काफी नाराजगी जताई थी पर उन्होंने कहा कि यह अनकही बातें है राहुल गांधी की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं आया है।

प्रयागराज के 9 स्टेशन की क्षमता और सुविधा में होगा विस्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार और रेलवे प्रशासन ने 'महाकुंभ-2025' की तैयारियों के लिए व्यापक स्तर पर योजनाएं बनाई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो और इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाया जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ की तैयारियों पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं। महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव हो, इसके लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है, जिनमें विशेषकर रेल यातायात और स्टेशन की सुविधाओं में विस्तार शामिल है। 'महाकुंभ-2025' के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में राज्य सरकार और रेलवे प्रशासन मिलकर व्यापक तैयारियां कर रहे हैं। प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों की क्षमता और सुविधाओं में विस्तार के साथ-साथ विशेष ट्रेनों का संचालन, पैदल मार्ग की व्यवस्था और आपातकालीन योजनाएं यह सुनिश्चित करेंगी ।

खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर हरियाणा के कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने की इस्तीफे की पेशकश

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया ने अपने खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर राहुल गांधी को इस्तीफा देने की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि वह स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से अभी काम करने में असमर्थ हैं। बीते दिनों उन्हें उनके खराब स्वास्थ्य की वजह से एम्स में भी भर्ती करवाया गया था। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। डॉक्टरों ने उन्हें स्वास्थ्य ठीक होने तक राजनीतिक गतिविधि में शामिल न होने का सुझाव दिया था।

बता दें कि हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ा था, जबकि भाजपा को कुल 90 सीटों में से 48 सीटों पर जीत मिली थी और कांग्रेस ने 37 सीटों पर जीत दर्ज की थी। हालांकि, शुरुआती रुझानों में कांग्रेस जीत की ओर अग्रसर थी, लेकिन बाद में भाजपा कांग्रेस को पछाड़कर प्रदेश की सबसे

बड़ी पार्टी उभरकर सामने आई। कांग्रेस ने इस नतीजे पर हैरानी व्यक्त करते हुए चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए थे। कांग्रेस ने कहा कि चुनाव आयोग ने काउंटिंग में विसंगतिपूर्ण तरीका अपनाया है, जिसे देखते हुए ऐसी स्थिति पैदा हुई। इसके अलावा कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने भी चुनाव आयोग और ईवीएम पर कांग्रेस की हार का ठीकरा फोड़ा था। इस पर भाजपा ने कहा था कि जब कभी-भी कांग्रेस को अपनी इच्छा के अनुरूप परिणाम नहीं मिलते हैं, तो वह ईवीएम और चुनाव आयोग पर दोष मढ़ने लग जाती है। कांग्रेस के इस रवैये को अब किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा किसान नेता गुरनाम चढ़ूनी ने हाल ही में कहा था कि हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली अप्रत्याशित हार के लिए पूरी तरह भूपेंद्र सिंह हुड्डा जिम्मेदार हैं। दूसरी ओर, हरियाणा में मिली जीत के बाद भाजपा सरकार बनाने की कवायद में जुट गई है। भाजपा की तरफ से सीएम चेहरे के लिए नायब सिंह सैनी के नाम पर मुहर लगा दी गई है। भाजपा ने इस दिशा में अमित शाह और मोहन यादव को पर्यवेक्षक बनाया है।

जो कानून हाथ में लेगा, उसको कड़ी सजा होगी : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था और मुंबई में हल्के वाहनों की एंट्री में टोल को मुफ्त करने के फैसले पर प्रतिक्रिया दी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर किए गए सवाल पर एकनाथ शिंदे ने कहा कि जो भी कानून हाथ में लेगा, उसको बिल्कुल छोड़ा नहीं जाएगा। कानून तोड़ने वालों को कड़ी से कड़ी सजा होगी और फांसी भी दी जा सकती है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पूर्व की महाविकास अघाड़ी सरकार में तो गृह मंत्री जेल गए थे। उस समय कानून व्यवस्था इतनी बिगड़ी थी कि उद्योगपति सुरक्षित नहीं थे। उस समय पुलिस वाले होटलों से वसूली करते थे। मुंबई में हल्के

वाहनों को टोल फ्री करने के सवाल पर एकनाथ शिंदे ने कहा कि पिछली सरकार सिर्फ वसूली करना जानती थी, लेकिन, हम मदद करते हैं। हमने मुंबई में जो टोल माफ किया है, ये जनता की बहुत पुरानी मांग थी। यह कोई चुनावी जुमला नहीं बल्कि ये फैसला हमेशा कायम रहेगा। उन्होंने विपक्षी महागठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि वो लेना बैंक थे, लेकिन हम देना बैंक हैं। बता दें कि, महाराष्ट्र कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक थी, जिसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ा फैसला लिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि मुंबई के पांच एक्सेस मार्गों पर हल्के वाहनों के लिए रोड टैक्स (ट्रोल) को माफ कर दिया गया है। नियम सोमवार रात 12 बजे से लागू होंगे। मुंबई में हल्के वाहनों की एंट्री को टोल फ्री करने पर विपक्ष शिंदे सरकार को घेरने का काम कर रही है। शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इसे एक चुनावी जुमला बताते हुए कहा था कि 'शिंदे कैबिनेट के इस फैसले से स्पष्ट है कि सरकार घबराई हुई है और जानती है कि ये कुछ ही दिन सत्ता में रहेंगे।'

कर्नाटक भाजपा ने हुबली दंगा मामले की वापसी के खिलाफ किया विरोध-प्रदर्शन

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक भाजपा ने हुबली दंगा मामले में 150 से अधिक लोगों के खिलाफ केस वापस लेने के राज्य सरकार के कदम की निंदा करते हुए बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में विरोध-प्रदर्शन किया।भाजपा ने यह भी घोषणा की है कि यह एक प्रतीकात्मक विरोध-प्रदर्शन है और अगले सप्ताह हुबली में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर. अशोक, पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा सांसद गोविंद करजोल, विधान परिषद में

विपक्ष के नेता चालावाड़ी नारायण स्वामी, एमएलसी एन. रविकुमार और अन्य ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बेंगलुरु में विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना करने वाले पोस्टर पकड़े और मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ नारे लगाए। विजयेंद्र ने मीडियाकर्मियों से कहा, सिद्दारमैया कर्नाटक के मुख्यमंत्री हैं। उनकी स्थिति पहले से ही डावांडोल है। उन्हें किसी भी समय इस्तीफा देना होगा और उन्हें ऐसा करना ही होगा। अपनी कुर्सी बचाने के लिए सिद्दारमैया यह सब भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिद्दारमैया जाति जनगणना को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। सीएम ने 2022 में हुबली दंगा मामले में शामिल सभी राष्ट्र-विरोधी तत्वों के खिलाफ मामले वापस लेने का कैबिनेट में निर्णय लिया है। विजयेंद्र ने कहा, उन्होंने पत्थरबाजी की और पुलिस पर हमला किया। सिद्दारमैया सरकार ने उन मामलों को वापस लेने का फैसला किया है, जिनकी जांच अब भी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है।उन्होंने कहा कि एनआईए ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और जांच जारी है। मामलों को वापस लेने का फैसला पूरी तरह से अवैध है।

उत्तर प्रदेश उपचुनाव से पहले योगी से मिले संजय निषाद

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर राज्य की सियासत गरम है। इस बीच निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री की मां की तबीयत के बारे में पूछने के लिए उनसे मिले थे। चर्चा है कि एनडीए ने निषाद पार्टी के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ी है, लेकिन संजय निषाद ने सीट शेयरिंग के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने बातचीत में कहा, मैंने उनसे (सीएम योगी से) मिलने के लिए पहले ही समय ले लिया था, क्योंकि चुनाव को लेकर प्रदेश में विभागीय दौरे चल रहे हैं। कल मुझे पता चला कि उनकी मां की तबीयत खराब है, इसलिए इस समय मेरा फर्ज है कि मैं योगी जी से मिलकर माता जी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लूं। उनसे मिलने का कोई और खास कारण नहीं था।यह पूछे जाने पर कि उपचुनाव को लेकर बीजेपी की बैठक हुई थी, क्या सहयोगी दलों की बैठक होगी और कोई फैसला लिया जाएगा, निषाद ने कहा कि यह भाजपा की बैठक थी। हमारी बैठकें अलग होती हैं। सहयोगी दलों की बैठक में सारी बातें तय होंगी। निश्चित रूप से निषाद पार्टी को भी कुछ हिस्सा मिलेगा। हालांकि भारतीय जनता पार्टी में हिस्सा देने की परंपरा पहले से ही है। उत्तर प्रदेश के बहराइच की घटना को लेकर उन्होंने कहा, मैं इसकी निंदा करता हूं। मैं मुख्यमंत्री को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने खुद इस घटना का संज्ञान लिया है। और कार्रवाई के आदेश भी दिए हैं।

रेडियेशन थेरेपी कैंसर की चिकित्सा का एक तरीका है जिसमें आयोनाइजिंग रेडियेशन नामक कणों का इस्तेमाल कैंसर के सेल्स को क्षति पहुंचाने के लिए होता है।

नए सेल्स नहीं बनने देती

रेडियेशन थेरेपी

आयोनाइजिंग रेडियेशन कैंसर के सेल्स पर प्रहार करती है और उसके आनुवांशिक तत्व को नुकसान पहुंचा कर नए सेल्स को बनने नहीं देती । रेडियेशन थेरेपी के दौरान कैंसर के सेल्स के आसपास के सामान्य सेल्स को भी क्षति पहुंचती है लेकिन यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं। रेडियेशन थेरेपी बाह्य रूप से एक्स रे बीम्स के रूप में गामा रेज या सब एटामिक पार्टिकल्स के रूप में दी जाती है। बाह्य रूप से रेडियेशन देने की प्रक्रिया में 5 से 15 मिनट लगते हैं और इसमें दर्द नहीं होता।

कुछ नए तरीके

चिकित्सा कितनी बार दी जानी है यह हर व्यक्ति के लिए अलग अलग होता है। कुछ स्थितियों में चिकित्सा में कई हफ्ते लग जाते हैं। आंतरिक रूप से भी रेडियेशन दिया जाता है। ऐसे में रेडियोऐक्टिव पदार्थों को शरीर की कैविटी के रख दिया जाता है या फिर ट्यूमर के सेल्स के अन्दर रखा जाता है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ नए तरीके हैं –

- कनफार्मल बीम तकनीक : कई बीम से एक ही समय रेडियेशन भी ली जा सकती है। ऐसा करने से रेडियेशन ट्यूमर के सेल्स पर एकत्रित हो जाता है और सामान्य टिश्यूज को कम प्रभावित करता है।
- इन्ट्राआपरेटिव रेडियेशन थेरेपी : सर्जरी के दौरान ट्यूमर पर रेडियेशन दी जाती है।
- रेडियेसेंसिटाइजर्स : यह ड्रग्स कैंसर के सेल्स पर रेडियेशन के प्रभाव को बढ़ाते हैं।
- रेडियोप्रोटेक्टर्स : यह ड्रग्स सामान्य सेल्स को रेडियेशन के द्वारा हुई क्षति से बचाते हैं जबकि आसपास के कैंसर के सेल्स क्षतिग्रस्त हो चुके होते हैं।
- रेडियोइम्यूनोथेरेपी : रेडियोएक्टिव पदार्थ एण्टीबाडीज से जुड़े होते हैं जो कि रक्षात्मक रासायन होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाये जाते हैं। यह एण्टीबाडीज कैंसर के सेल्स को प्रभावित करते हैं । हमारे शरीर के एण्टीबाडीज नान कैंसरस, स्वस्थ सेल्स को प्रभावित नहीं करते हैं इसलिए इससे ट्यूमर के बाहर रेडियेशन से होने वाली क्षति का खतरा कम होता है ।

रोग की चिकित्सा

बाह्य / एक्सटर्नल रेडियेशन थेरेपी शुरू करने से पहले रेडियेशन विशेषज्ञ चिकित्सा की योजना बनाता है। वह यह भी निर्धारित करता है कि मरीज़ को किस प्रकार की रेडियेशन और कितने सेशन देने हैं । आप शुरूआती सेशन में भाग ले सकते हैं। चिकित्सक सबसे पहले उस जगह पर निशान बनाता है जहां पर कि रेडियेशन चिकित्सा देनी होती है।

चिकित्सकीय क्षेत्र पर निशान अंकित करने के लिए आजकल छोटे गोल्ड सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें कि फिड्यूकल्स कहते हैं। एक चिकित्सकीय सेशन से दूसरे चिकित्सकीय सेशन में जाने के लिए ट्यूमर पर रेडियेशन की बीम देने पर ज्यादा सावधानी की आवश्यकता होती है। इससे रेडिसेशन के फैलने का खतरा और सामान्य सेल्स को क्षति पहुंचने का खतरा कम हो जाता है। चिकित्सा के दौरान मरीज को अस्पताल का गाउन पहनने की आवश्यकता होती है। रेडियेशन थेरेपी के कमरे में आपको या तो चिकित्सा की टेबल पर लेटना होता है या विशेष कुर्सी पर बैठना होता है। आपकी त्वचा पर बनाये निशान से चिकित्सक उस जगह को निर्धारित कर सकेगा जहां पर रेडियेशन देनी है और शरीर के दूसरे भागों पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा ।थेरेपी लेने के दौरान आपका एक ही स्थिति में पड़े रहना जरूरी है। इसी कारण से आपके शरीर को एक सांचे में रखा जाता है। एक बार जबकि आप चिकित्सा के लिए तैयार हो जाते हैं तो रेडियेशन आनकोलाजिस्ट कमरे से बाहर निकलकर पास के कंट्रोल रूम में चला जाता है । यहां से चिकित्सक ट्रीटमेंट मशीन का प्रयोग कर एक खास खिड़की से आपकी निगरानी करता है। रेडियेशन थेरेपी के दौरान आप चिकित्सकीय मशीन की आवाज़ सुन सकते हैं और यह मशीन आपके इर्द गिर्द घूमती है । यह चिकित्सा 1 से 5 मिनट तक होती है और इसमें किसी प्रकार का दर्द भी नहीं होता । ट्रीटमेंट के कमरे में आपको 5 से 15 मिनट तक का समय लगता है । सामान्यत: यह चिकित्सा एक हफ्ते से कई हफ्तों तक की जाती है । अगर आप आंतरिक रेडियेशन थेरेपी करा रहे हैं तो आपकी चिकितसा थोड़ा अलग तरीके से होती है ।

ब्रैकी थेरेपी

एक तरीका है ब्रैकीथेरेपी जिसे कि इन्टरस्टीशियल रेडियेशन थेरेपी भी कहते हैं । अगर आप यह प्रक्रिया करा रहे हैं तो आपको एनेस्थीसिया दिया जाता है तारों में मौजूद रेडियोएक्टिव पदार्थ या छोटे ट्यूब में पड़ा रेडियोएक्टिव पदार्थ मरीज के शरीर में ट्यूमर के स्थान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है। यह रेडियोएक्टिव आरोपण शरीर के अंदर रहता है या इसे कुछ समय बाद शरीर से निकाल दिया जाता है और यह बात भी कैंसर के प्रकार पर निर्भर करती है।

दूसरी प्रक्रिया जिसे कि इन्ट्राकैविटरी थेरेपी कहते हैं इसमें आपको जनरल या लोकल एनेस्थेटिक दिया जाता है और रेडियोएक्टिव पदार्थ को सीधा शरीर की कैविटी में आरोपित कर दिया जाता है। बाद में इसे निकाल भी दिया जाता है। पुराने समय से आज तक दोनों ही प्रकार की रेडियेशन थेरेपी में बदलाव आये हैं। जैसे कि रेडियेशन का स्रोत प्रोटोन भी हो सकते हैं। इस तकनीक में रेडियेशन बीम को सीधा मरीज पर केंद्रित किया जाता है। इससे अधिक मात्रा में रेडियेशन टिश्यूज तक पहुंच जाती है और यह सामान्य सेल्स को कम नुकसान पहुंचाती है ।

वितरण की नयी तकनीक को देखते हुए एक्स रे इमेजिंग तकनीक का प्रयोग भी विस्तार से हो रहा है । ऐसे दो तरीके हैं–

- थ्री डाइमेंशनल कनफार्मल रेडियेशन और इन्टेंसिटी माडूलेटेड रेडियेशन : इसका ध्येय है ट्यूमर सेल्स में रेडियेशन की सही मात्रा देना जिससे कि सामान्य सेल्स को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे ।
- साइबरनाइफ थेरेपी अधिक मात्रा में रेडियेशन थेरेपी देती है और इसे छोटे अंतराल पर देना होता है। ऐसे में बहुत ही सटीक मात्रा में रेडियेशन की डोज देनी होती है। कुछ स्थितियों में रेडियेशन चिकित्सा में कुछ हफ्ते लग जाते हैं और बीमारी ठीक हो जाती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

चिकित्सक कुछ शरीरिक जांच, स्कैन, एक्स रे, रक्त जांच करके रेडियेशन थेरेपी का पता लगाने की कोशिश करेंगे । आपके निश्चित प्रकार की फोलो अप और जांच से यह पता चलेगा कि रेडियेशन थेरेपी की आवश्यकता है या नहीं । इस जांच से ट्यूमर की स्थिति का पता चलेगा और यह भी पता चलेगा कि कैंसर कितना फैल चुका है।

रेडियेशन थेरेपी के बहुत से दूसरे अतिरिक्त प्रभाव हैं जो कि शरीर के उस क्षेत्र पर निर्भर करते हैं जिनकी चिकित्सा की जानी है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव कुछ इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे कि थकान होना, बालों का झड़ना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, भूख ना लगना, उल्टियां आना, इन्फर्टिलिटी, स्टेरिलिटी, वैजाइनल ड्राइनेस। रेडियेशन थेरेपी से दूसरे प्रकार के कैंसर का भी डर रहता है।

पथरी के दर्द से राहत दिलाएं यें नुस्खे

पथरी हमारे शरीर में खुद ही बननी शुरू हो जाती है, इसके बनने में उम्र की सीमा नहीं होती ।पहले जब ये छोटे–छोटे कंकर के रूप में फिर जब यें बड़ी हो जाती है ,इसके दर्द को बर्दाशत करना बहुत मुश्किल हो जाता है। पथरी हमारे शरीर में खुद ही बननी शुरू हो जाती है जैसे पित्त की पथरी,गुर्दे की पथरी और भी किसी भी जगह यें आकार में पहले छोटी बाद मे आकार मे बढ़नी शुरू हो जाती है। कुछ घरेलु नुस्खों की सहायता से आप इस पथरी के दर्द से राहत पा सकते है।

- पथरी होने पर नारियल का पानी पीना लाभदायक होता है।
- आंवले का चूर्ण तैयार करके मूली के साथ सेवन करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- जीरे और चीनी को अच्छी तरह पीसकर इस मिश्रण का सेवन ठंडे पानी से करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- आम के पत्तों को सुखाकर उनको अच्छी तरह पीसकर रोज इनका सेवन करने से लाभ मिलता है।
- पथरी होने पर चाय,कॉफी का सेवन अधिक नहीं करना चाहिए दर्द ज्यादा होने लगता है।
- तुलसी के बीज और दूध का सेवन करने से पथरी से राहत पाई जा सकती है।
- तुलसी के पत्तों को रोजाना चबाने से इससे राहत पाई जा सकती है।
- प्याज का सेवन करने से गुर्दे की पथरी से राहत मिलती है और हो सके तो प्याज के ताजा रस का सेवन करना गुर्दे की पथरी के लिए बहुत लाभदायक साबित हुआ है।
- अंगूर का सेवन करने से गुर्दे की पथरी से निजात पाई जा सकती है।

ऐसा–वेसा मत समझना बड़े काम का है ये

टमाटर

जो व्यक्ति सप्ताह में दस से ज्यादा टमाटर खाता है उसे प्रोस्टेट कैंसर होने का खतरा 18 प्रतिशत कम रहता है। यह जानकारी एक अनुसंधान में सामने आई है। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए ब्रिस्टोल विश्वविद्यालय और आक्सफोर्ड

विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित 50 और 69 वर्ष की उम्र के 1,806 लोगों की खुराक और जीवनशैली पर ध्यान दिया और उसकी 12005 कैंसर मुक्त लोगों के साथ तुलना की।

अध्ययन में प्रोस्टेट कैंसर की 'आहारीय तालिका' विकसित की जिसमें आहारीय अवयवों सेलेनियम, कैलसियम और वैसे खाद्य पदार्थ जिसमें लाइकोपिन की प्रचुरता होती है, शामिल किया गया। यह पाया गया कि जिन लोगों ने इन तीन आहारीय अवयवों को खाने में शामिल किया उनमें प्रोस्टेट कैंसर की आशंका कम पाई गई। टमाटर और उसके उत्पाद जैसे टमाटर का जूस और पकाए हुए बीन सबसे ज्यादा गुणकारी पाए गए। 10 भाग से ज्यादा खाने वाले पुरुषों में बीमारी होने का खतरा 18 प्रतिशत कम पाया गया।

आपके फेफड़े के लिए गुड है Good Cholesterol

हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है कि फेफड़े के उच्च रक्तचाप के इलाज में गुड कोलेस्ट्रॉल यानी उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एचडीएल) कारगर भूमिका निभाते हैं। चूहों पर किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने खुलासा किया कि गुड कोलेस्ट्रॉल फेफड़े के रक्तचाप के दौरान शरीर में

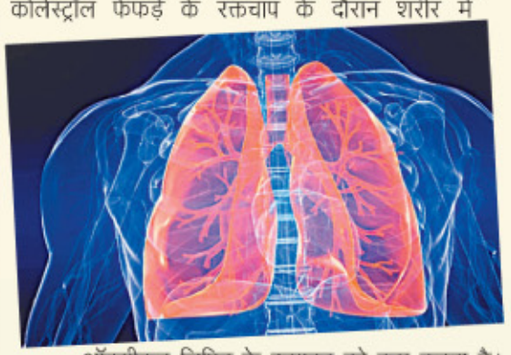

ऑक्सीकृत लिपिड के उत्पादन को कम करता है। साथ ही यह भी पाया गया कि ऑक्सीकृत लिपिड के कम बनने से फेफड़े और दिल की कार्यशैली में सुधार होता है।

लॉस एंजेलिस के कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय के डेविड गेफेन स्कूल ऑफ मेडिसिन में ज्ञानेन्द्रिय विज्ञान के प्रोफेसर डॉ.मंसोर एगबाली ने कहा, ''एचडीएल कोलेस्ट्रॉल ऑक्सीकृत लिपिड की मात्रा कम करने में सहायक है, इससे इलाज के विकास में मदद मिलेगी।'' उल्लेखनीय है कि फेफड़े का उच्च रक्तचाप एक गंभीर बीमारी है, जिसमें रोगी के फेफड़े की विभिन्य रक्त नलियां संकरी हो जाती है, जिसके कारण रक्तचाप बढ़ जाता है।

मोटापा और मद्यपान से गंभीर बीमारी का खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपने ताजा शोध में कहा है कि 75 साल की उम्र होने तक औसत यूरोपीय महिलाओं की तुलना में ब्रिटिश महिलाओं में कैंसर की बीमारी विकसित होने का ज्यादा खतरा होता है। स्काई न्यूज के अनुसार एक औसत के मुताबिक यूरोप में 75 साल की उम्र तक पहुंचने वाली प्रत्येक पांचवी महिला कैंसर से पीड़ित हो जाएंगी। दूसरी ओर ब्रिटेन में करीब एक चौथाई महिलाएं कैंसर से पीड़ित होंगी। ऐसा इसलिए है कि ब्रिटेन में मोटापे और मद्यपान करने की दर बढ़ती जा रही है। वैसे शोधकर्ताओं का कहना है कि लोगों के कैंसर की बीमारी के चपेट में आने में आनुवांशिकी की एक बड़ी भूमिका होती है। उनका विश्वास है कि यदि लोग स्वास्थ्यवर्धक भोजन लें व व्यायाम करें तो सामान्य प्रकार के कैंसर की कई बीमारियों से बचा जा सकता है। शारीरिक रूप से सक्रिय रहने और स्वास्थ्यवर्धक शाकाहारी भोजन लेने, कम नमक खाने और लाल व प्रसंस्कृत मांस न लेने से कैंसर की बीमारियों में कमी आ सकती है। महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे सामान्य है। विशेषज्ञों का कहना है कि जीवनशैली में बदलाव करके स्तन कैंसर के 10 में से करीब चार मामलों में जान बचाई जा सकती है। विश्व कैंसर अनुसंधान कोष (डब्ल्यूसीआरएफ) के रिचर्ड ईवान्स कहते हैं, एक देश के रूप में हम यूरोपीय औसत के मुकाबले कहीं ज्यादा मोटापाग्रस्त हो रहे हैं और हम ज्यादा शराब पीते हैं। इसलिए इस तरह के परिणाम सामने आना कोई आश्चर्य नहीं है। ब्रिटेन के कैंसर अनुसंधान केंद्र के प्रमुख पॉल मॉस का कहना है, जब खान–पान की बात आती है तो हम दिल की बीमारियों के विषय में ज्यादा सोचते हैं लेकिन कैंसर के खतरे के विषय में ज्यादा नहीं सोचते।

पैरों में होने वाली खुजली से राहत दिलवाएं कुछ घरेलु उपाय

खुजली हमारे शरीर के किसी भी भाग में हो परेशानी का कारण बन सकती है।यें किसी भी तरह की संक्रमण के कारण पैदा हो सकती है और हमारा सारा ध्यान इस खुजली में ही लगा रहता है। हम इस खुजली से राहत पाने के लिए कई यत्न करते है।कुछ घरेलु उपायों का प्रयोग करके पैरों की खुजली से राहत पाई जा सकती है।

- सबसे पहले पैरों की सफाई की तरफ विशेष ध्यान दें,पैरों को धोने के बाद जल्दी–जल्दी मोज़े नहीं पहनने चाहिए,पहले पैरों को अच्छी तरह सुखाकर फिर मोज़े पहनने चाहिए।इससे न तो पैरों में बदबू पैदा होगी और न ही पैरों में खुजली की समस्या पैदा होगी।
- पैरों को साफ करने के लिए एक टब में गुनगुने पानी में थोड़ा नमक डालकर पैरों को टब के बीच में रखें,फिर थोड़ी देर के बाद पैरों को निकालकर किसी कपड़े से अच्छी तरह साफ करने से खुजली की समस्या से राहत पाई जा सकती है।
- पैरों में खुजली होने पर सफेद सिरका प्रयोग करने से राहत पाई जा सकती है।
- पैरों को साफ करके उस पर एलोवेरा जैल का प्रयोग करने से खुजली से राहत पाई जा सकती है।
- रात को सोने से पहले रोज़ाना पैरों को अच्छी तरह साफ करके इस पर अच्छे मॉइस्चराइजर से मसाज़ करने से पैरों मे रूखापन खत्म हो जाता है और खुजली की समस्या से राहत मिलती है।
- टब में गुनगुना पानी लेकर उसमें नींबू का रस मिलाकर पैरों को पानी के बीच में रखने से पैरों की खुजली समाप्त हो जाती है।
- बेकिंग सोडा का पेस्ट तैयार करके अपने पैरों में लगाने से पैरों की खुजली से राहत पाई जा सकती है।
- नीम की पत्तियों को पानी में डालकर उस पानी में पैरों को थोड़ी देर रखने से खुजली समाप्त हो जाती है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम सुल्तान जोहोर कप के लिए मलेशिया रवाना

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम रात 12वें सुल्तान जोहोर कप में भाग लेने के लिए मलेशिया रवाना हो गई। 19 अक्टूबर से शुरू होकर 26 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में भारत का सामना मेजबान मलेशिया, जापान, ग्रेट ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से होगा।नव नियुक्त हेड कोच, पीआर श्रीजेश मलेशिया में टीम की कमान संभालेंगे, जबकि आमिर अली कप्तान होंगे और रोहित उनके डिप्टी होंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत 19 अक्टूबर को जापान के खिलाफ करेगा, उसके बाद 20 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगा। एक दिन के आराम के बाद, भारत 22 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया से भिड़ेगा, उसके बाद 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा। 25 अक्टूबर को आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में, भारत न्यूजीलैंड से भिड़ेगा और 26 अक्टूबर को होने वाले फाइनल में आगे बढ़ने के लिए पूल में शीर्ष दो टीमों में रहने की उम्मीद करेगा। कप्तान आमिर अली ने टूर्नामेंट को लेकर कहा, टीम नए हेड कोच पीआर श्रीजेश के तहत अच्छी तरह से प्रशिक्षण ले रही है और हम उनके साथ अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए उत्साहित हैं। पिछली बार हम जर्मनी से हारने के बाद अपना खिताब बचाने में असफल रहे थे, लेकिन इस बार हम बेहतर तरीके से तैयार हैं और प्रतियोगिता में किसी भी टीम का सामना करने के लिए तैयार हैं।

बीपीएल के आगामी संस्करण के लिए चटगांव किंग्स में शामिल हुए शाकिब अल हसन

ढाका। शाकिब अल हसन बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के आगामी संस्करण के लिए चटगांव किंग्स में शामिल हो गए हैं। पिछले साल, शाकिब ने रंगपुर राइडर्स के साथ दो साल का करार किया था, लेकिन बाद में दोनों पक्ष आपसी समझ से अलग हो गए। फॉर्च्यून बरिशाल ने रिशाद हुसैन को चुना, लेकिन ऐसा तब हुआ जब 40 अन्य क्रिकेटरों को फ्रेंचाइजी द्वारा पहले ही चुना जा चुका था। शायद, फ्रेंचाइजी रिशाद को चुनने में झिझक रही थीं क्योंकि होबार्ट हरिकेन द्वारा इस सीज़न के बिग बैश लीग के लिए चुने जाने के बाद उनकी उपलब्धता थोड़ी अस्पष्ट है। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने भी देर से अनुबंध किया था, बरिशाल ने उन्हें फिर से शामिल किया। मशरफे मुर्तजा को ग्रुप बी में रखे जाने से कुछ लोगों की भौंहें तन गईं क्योंकि उन्होंने पिछले संस्करण में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। हालाँकि, उन्हें सिलहट स्ट्राइकर्स द्वारा चुना गया था, जिसके लिए वह बीपीएल के पिछले दो संस्करणों में दिखाई दिए थे। खिलाड़ियों के ड्राफ्ट को लेकर काफी अनिश्चितता थी जो अंततः सोमवार (14 अक्टूबर) को ढाका में हुआ। बीसीबी अध्यक्ष फारूक अहमद इस बात से प्रसन्न थे कि मसौदा तैयार हो गया।

वर्ल्ड मार्डन पेन्टाथ्लॉन चैम्पियनशिप में मप्र के खिलाड़ी यश बाथरे ने जीते दो पदक

भोपाल। इजिप्ट में 8 से 14 अक्टूबर तक आयोजित वर्ल्ड मार्डन पेन्टाथ्लॉन चैम्पियनशिप 2024 में मप्र राज्य खेल अकादमी के ट्रायथ्लॉन खिलाड़ी यश बाथरे ने खेल का शानदार प्रदर्शन करते हुये एक रजत और एक कांस्य सहित कुल 2 पदक अर्जित कर देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया। इजिप्ट में आयोजित इस मार्डन पेन्टाथ्लॉन चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के खिलाड़ी यश बाथरे ने ट्रायथ्ले टीम इवेन्ट में रजत और बाईथ्ले टीम इवेन्ट में कांस्य पदक अर्जित किया।

खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने दी बधाई

प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खेल अकादमी के ट्रायथ्लॉन खिलाड़ी यश बाथरे द्वारा अर्जित इस खेल उपलब्धि की सराहना करते हुये बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि यश बाथरे ने वर्ल्ड कप में दो पदक जीतकर इतिहास रचा है। यह पहला अवसर है जब म.प्र. राज्य ट्रायथ्लॉन अकादमी भोपाल के किसी खिलाड़ी ने दो पदक अर्जित किये हैं। यश बाथरे 4 वर्षों से म.प्र. राज्य ट्रायथ्लॉन अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक कैप्टन मनोज झा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत है।

भारतीय महिला टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी वनडे सीरीज, कार्यक्रम घोषित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम की आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। भारतीय महिला टीम फिलहाल संयुक्त अरब अमीरात में हो रहे आईसीसी महिला टी20 विश्व कप खेल रही है। इस टूर्नामेंट के बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई के अनुसार तीन मैचों की सीरीज के ये तीनों मुकाबले अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा है।

तीन मैचों की वनडे सीरीज का कार्यक्रम

पहला मैच - 24 अक्टूबर - नरेन्द्र मोदी स्टेडियम, दूसरा मैच - 27 अक्टूबर - नरेन्द्र मोदी स्टेडियम, तीसरा मैच - 29 अक्टूबर - नरेन्द्र मोदी स्टेडियम

सिंधु एवं सेन डेनमार्क ओपन बैडमिंटन में भारतीय दल की अगुवाई करेंगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन से ओडेंस के एरिना फिन में होने वाले डेनमार्क ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय दल की अगुवाई करेंगे। पिछले सप्ताह आर्कटिक ओपन 2024 टूर्नामेंट में सिंधु और सेन ने पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद पहली बार बीडब्ल्यूएफ टूर में वापसी की थी। हालांकि विश्व की 16वें नंबर की खिलाड़ी सिंधु कनाडा की मिशेल ली के खिलाफ सीधे गेम में हारकर वापसी करने में विफल रहीं। नई कोचिंग टीम की नियुक्ति के बाद सिंधु का पहला मैच भी था। कोचिंग टीम में भारत के अनूप श्रीधर और दक्षिण कोरिया के ली सून इल शामिल थे। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु का मुकाबला रैंकिंग में 28वें स्थान पर काबिज चीनी ताइपे की पाई यू पो से है। यह डेनमार्क ओपन 2024, एक बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में महिला एकल प्रतियोगिता का पहला राउंड है। इस बीच लक्ष्य सेन डेनमार्क ओपन के पुरुष एकल में भारत की

ओर से एकमात्र खिलाड़ी हैं। पिछले सप्ताह उन्हें चीनी ताइपे के चोउ टीएन चेन से हार का सामना करना पड़ा था। विश्व के 19वें नंबर के खिलाड़ी सेन का मुकाबला चीन के लू गुआंग जू से होगा। महिला एकल प्रतियोगिता में मालविका बंसोड़, उन्नति हुड्डा और आकर्षि कश्यप भी खेलेंगी।

पुरुष युगल स्पर्धा में कोई भी भारतीय जोड़ी शामिल नहीं होगी। महिला और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में चार जोड़ियां कोर्ट में उतरेंगी। रितुपर्णा और स्वेतापर्णा बहनों की जोड़ी चीनी ताइपे की चांग चिंग हुई एवं यांग चिंग टुन से भिड़ेंगी जबकि त्रिशा जॉली एवं गायत्री गोपीचंद महिला युगल के अपने पहले मुकाबलों में मलेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त टैन पर्ली तथा थनाह मुरलीधरन से मुकाबला करेंगी। मिश्रित युगल में सतीश कुमार करुणाकरण एवं आद्या वरियाथ का मुकाबला रेहान नौफल कुशारजंतो एवं लिसा आयु कुसुमावती से होगा और बी. सुमीत रेड्डी तथा सिक्की रेड्डी का सामना पहले राउंड में कनाडा की जोड़ी केविन ली और एलियाना झांग से होगा। डेनमार्क ओपन 2024 बैडमिंटन के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है।

पुरुष एकल: लक्ष्य सेन

महिला एकलः पीवी सिंधु, मालविका बंसोड़, उन्नति हुड्डा, आकर्षि कश्यप

महिला युगलः रितुपर्णा पांडा/श्वेतापर्णा पांडा, त्रिशा जॉली/गायत्री गोपीचंद

मिश्रित युगलः सतीश कुमार करुणाकरण/आद्या वरियाथ, बी. सुमीत रेड्डी/सिक्की रेड्डी

प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 में पटना पाइरेट्स की कमान संभालेंगे शुभम शिंदे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के लिए पटना पाइरेट्स ने डिफेंडर शुभम शिंदे को कप्तान और अंकित को उप-कप्तान बनाया है। पीकेएल का 11वां संस्करण 18 अक्टूबर से शुरू होगा। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के कोलकेवारी गांव के रहने वाले 26 वर्षीय शुभम शिंदे अपने सकारात्मक स्वभाव और अनुशासन के कारण कबड्डी खिलाड़ियों और प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय हैं। उनकी अनूठी डिफेंडिंग शैली ने हमेशा टीम को मजबूती दी है। शुभम ने प्रो-कबड्डी में 100 से अधिक प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं और उनके पास अपनी साख का समर्थन करने के लिए एक प्रभावशाली रिकॉर्ड है। 25 वर्षीय अंकित ने प्रो कबड्डी में 23 से अधिक मैच खेले हैं और वे उप-कप्तान के रूप में टीम का समर्थन करेंगे। मैचों के दौरान अंकित की गति और चपलता टीम के लिए एक परिसंपत्ति होगी। पीकेएल की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि शुभम के कप्तान और अंकित के उप-कप्तान के साथ, पटना पाइरेट्स सीजन 11 पीकेएल खिताब जीतने के लिए उत्साहित हैं।

कप्तान और उप-कप्तान के नाम की घोषणा करते हुए, पटना पाइरेट्स के सीईओ पवन राणा ने कहा, एक टीम के रूप में हमने हमेशा अपने प्रशंसकों और समर्थकों के लिए गुणवत्तापूर्ण कबड्डी को बढ़ावा दिया है। एक इकाई के रूप में, शुभम शिंदे की कप्तानी और उप-कप्तान के रूप में अंकित के समर्थन में, हम अपना चौथा चैम्पियनशिप खिताब जीतने का इरादा रखते हैं। उन्हें शुभकामनाएं। पटना पाइरेट्स शुभम शिंदे की अगुआई वाली एक मजबूत टीम के साथ कबड्डी प्रशंसकों को रोमांचित करने के लिए तैयार है। टीम में अन्य खिलाड़ी अंकित, संदीप कुमार, अयान, दीपक, साहिल पाटिल, नवदीप, अभिनंद सुभाष, कुणाल मेहता, सुधाकर एम, मनीष, गुरदीप, त्यागराजन युवराज, बाबू मुरुगासन, दीपक राजेंद्र सिंह, मीतू, देवांक, प्रशांत कुमार राठी, सागर, अमन, प्रविंदर, जंग कुन ली, हामिद मिर्जाई नादर हैं।

एचआईएल की नीलामी में दूसरे दिन 114 खिलाड़ी खरीदे गये

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) खिलाड़ी नीलामी 2024-25 के लिए दूसरे दिन सभी आठ फ्रैंचाइजी टीमों ने बोली लगाकर 114 खिलाड़ियों को खरीदा। इसी के साथ छह टीमों में 20-20 और दो टीमों में 24-20 खिलाड़ी हो गये है। दोनों दिनों में कुल 168 खिलाड़ी खरीदे गये। आज यहां हुई नीलामी के पहले हाफ में सूरमा हॉकी क्लब ने सबसे ऊंची बोली लगाकर बेल्जियम के विक्टर वेगनेज को 40 लाख रुपये में खरीदा। वहीं 20 नये युवा खिलाड़ी न्यूनतम दो-दो लाख रूपये की बोली पर खरीदे गये। विदेशी खिलाड़ियों में डेनमार्क की जोड़ी थिएरी ब्रिंकमैन को 38 लाख और आर्थर वैन डोरेन को 32 लाख रुपये में कलिंगा लांसर्स ने खरीदा। वहीं दिल्ली एसजी पाइपर्स ने टॉमस डोमेन को 36 लाख रुपये में, कलिंगा लांसर्स ने ऑस्ट्रेलिया के एरन जेलेव्स्की को 27 लाख रुपये में, तमिलनाडु ड्रैगन्स ने ब्लेक गोवर्स को 27 लाख रुपये की बोली लगाते हुए अपनी टीम में

HOCKEY INDIA LEAGUE

शामिल किया। इस दौरान कलिंगा लांसर्स ने मोरियांगथेम रबीचंद्र को 32 लाख और मोहम्मद राहील मौसीन को 25 लाख रुपये में तमिलनाडु ड्रैगन्स ने खरीदा। आज पहले हाफ में कुल देशी विदेशी 51 खिलाड़ी बिके। इनमें शीर्ष बोली में विक्टर वेगनेज (बेल्जियम) को सूरमा हॉकी क्लब ने 40 लाख रुपये में, थिएरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड) को कलिंगा लांसर्स ने 38 लाख रुपये , टॉमस डोमेने (अर्जेंटीना) को दिल्ली एसजी पाइपर्स ने 36 लाख रुपये, मोरियांगथेम रबीचंद्र को कलिंगा लांसर्स ने 32 लाख रुपये, आर्थर वैन डोरेन (बेल्जियम) को कलिंगा लांसर्स 32 लाख रुपये में टीम में शामिल किया है। जर्मनी के गोंजालो पेइलाट सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने उन्हें हैदराबाद तूफान ने 68 लाख में खरीदा। जबकि नीदरलैंड के जिप जानसेन को तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 54 लाख में खरीदा।

स्मिथ भारत के खिलाफ पारी की शुरुआत नहीं करेंगे

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत के ख़िलाफ़ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ में पारी की शुरुआत नहीं करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने बताया कि स्मिथ ने दोबारा मध्य क्रम में खेलने की इच्छा जताई थी और अब कैमरन ग्रीन के टेस्ट सीरीज़ से बाहर हो जाने से उनकी जगह स्मिथ मध्य क्रम में खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने जब पिछली टेस्ट सीरीज़ न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ खेली थी उसके बाद से बतौर सलामी बल्लेबाज़ स्मिथ का आंकड़ा आठ पारियों में 28.50 की औसत से 171 रन था। हालांकि स्मिथ ने ही जनवरी में कहा था कि वह सलामी बल्लेबाज़ी के लिए तैयार हैं और फिर नंबर-4 का स्थान ग्रीन को दिया गया था। लेकिन अब एक बार फिर स्मिथ अपनी पुराने क्रम पर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। बेली ने कहा, 'पैट कमिंस, स्मिथ और एंड्र्यू के साथ बातचीत के बाद हमने ये फ़ैसला लिया है। हालांकि ग्रीन की चोट से पहले ही हम इस पर विचार कर रहे थे लेकिन अब ये साफ़ है कि ग्रीन का नंबर-4 का स्थान फ़िलहाल

ख़ाली हो गया है।' हालांकि बेली ने ये भी कहा है कि स्मिथ नंबर-4 पर ही खेलेंगे या किसी और नंबर पर इसका फ़ैसला फ़िलहाल नहीं लिया गया है। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच पांच मैचों की सीरीज़ का पहला टेस्ट पर्थ में 22 नवंबर से खेला जाएगा। उन्होंने कहा, 'स्मिथ नंबर-4 पर ही खेलेंगे या उनका क्रम कुछ और होगा, ये पर्थ टेस्ट से पहले कमिंस के साथ बातचीत में तय किया जाएगा। अभी पर्थ टेस्ट में काफ़ी समय है और टीम के हिसाब से उनके बल्लेबाज़ी क्रम पर फ़ैसला लिया जाएगा लेकिन ये साफ़ है कि वह सलामी बल्लेबाज़ नहीं होंगे। मध्य क्रम में वह कितने नंबर पर खेलेंगे इस पर अभी कुछ कहना जल्दबाज़ी होगी।'

उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के चेयरमैन बने नीरज सिंह

एजेंसी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नीरज सिंह को उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन की विशेष आम सभा (एसजीएम) में सर्वसम्मति से चेयरमैन चुन लिया गया। इसके साथ ही कार्यकारिणी के विस्तार के साथ विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में हुई बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिषेक प्रकाश (आईएएस) की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान विशेष रुप से उपस्थित उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय

ने नीरज सिंह को चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव किया जिसका पूरी कार्यकारिणी ने करतल ध्वनि से समर्थन किया। सचिव प्रमोद कुमार ने बैठक के एजेंडा की जानकारी दी और कार्यकारिणी के विस्तार व कमेटियों के गठन पर मुहर लगाई गई।

बैठक में सचिव प्रमोद कुमार व कोषाध्यक्ष डा.रोहित पाण्डेय ने जानकारी दी कि खेल के प्रसार में योगदान को देखते हुए बाक्सिंग एसोसिएशन लखनऊ के अध्यक्ष अतुल अग्निहोत्री को वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं बाक्सिंग एसोसिएशन लखनऊ के सचिव सहदेव सिंह समन्वय समिति के चेयरमैन बनाये गए है। इसके अलावा गोरखपुर के राजेश नायक वरिष्ठ सह सचिव, मथुरा के मुकेश यादव व अलीगढ़ के ओम प्रकाश सह सचिव, मुजफ्फर नगर के विकास रूडकीवाल उपाध्यक्ष, बहराईच के अभिषेक धानुक व आगरा के पृथ्वीराज सदस्य मनोनीत किए गए है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा गठित विभिन्न समितियों के चेयरमैन की घोषणा की गई। नवनियुक्त चेयरमैन अब समितियों के सदस्यों का चुनाव करेंगे।

प्रदेशीय क्रिकेट में डॉ. अनूप बने चयनकर्ता

एजेंसी

प्रयागराज। आगरा में 15 से 19 अक्टूबर तक होने वाली 68वीं प्रदेशीय अंडर-14 (बालक) क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए शहर के डॉ.अनूप कुमार श्रीवास्तव को चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान अयोध्या के प्रधानाचार्य के पत्रानुसार सीएवी इंटर कॉलेज के शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता डॉ. अनूप प्रदेशीय प्रतियोगिता में चयनकर्ता का दायित्व निभायेंगे। डॉ. अनूप कुमार श्रीवास्तव वर्ष 1998 से 2023-24 तक कई बार वीनू मांकड व सीके नायडू क्रिकेट टीम के चयनकर्ता, कोच व मैनेजर रह चुके हैं। इसके पूर्व डॉ श्रीवास्तव दुबई (यूएई) में वर्ष 2017 तक आयोजित आईजेपीएल टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में यूपी हीरोज के

कोच, एसजीएफआई द्वारा वर्ष 2018 में ग्वालियर, मध्य प्रदेश में आयोजित नेशनल स्कूल टी-20 क्रिकेट चैम्पियनशिप में दिल्ली डेसर्स के कोच बनाए गए थे। इसके अलावा वर्ष 2016-17 में 'हांगकांग (चीन) में द्वितीय एशियन स्कूल गेम्स में भारतीय रग्बी फुटबाल टीम के मैनेजर भी रह चुके हैं।

न्यूजीलैंड, पाकिस्तान को 54 रनों से रौंदकर सेमीफाइनल में

एजेंसी

दुबई। ब्रूक हैलिडे (22) की शानदार पारियों के बाद एमेलिया केर (तीन विकेट) और ईडन कार्सन (दो विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने महिला टी-20 विश्वकप के 19वें मुकाबले में पाकिस्तान को 54 रनों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

आज के इस मुकाबले में 111 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम जिस तरह से 11.4 ओवर में 56 के स्कोर पर सिमट गई वह अपने आपमें आश्चर्यजनक रहा। पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने क्षेत्ररक्षण के दौरान कई कैच छोड़े और उसके बाद बेमन से बल्लेबाजी करने उतरी। मैच के दौरान ऐसा लग रहा था जैसा कोई नयी टीम पहली बार क्रिकेट खेल रही हो। मुनीबा अली (15) और कप्तान फातिमा सना (21) के अलावा पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। पांच बल्लेबाजो का स्कोर शून्य रहा। चार बल्लेबाज नौ, तीन, दो, दो रनपर

आउट हुये। चार विकेट तो मात्र चार रन जोड़कर न्यूजीलैंड की झोली में डाल दिये। न्यूजीलैंड की ओर से एमेलिया केर ने 2.4 ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लिये। ईडन कार्सन को तीन ओवर में सात रन देकर दो विकेट मिले। रोजमेरी मेयर, लिया तहुहू और फ्रैन जोनस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सूजी बेट्स और जॉर्जिया पलिमर की सलामी जोड़ी ने न्यूजीलैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 41 रन जोड़े। नाशरा संधू ने सातवें ओवर में जॉर्जिया पलिमर (17) को आउट कर इस जोड़ी तोड़ा और पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद नौवें ओवर में संधू ने सूजी बेट्स (28) को आउट कर न्यूजीलैंड को बड़ा झटका दिया। एमेलिया केर (नौ) को ओमाइमा ने आउट किया। कप्तान सोफी डिवाइन और ब्रूक हैलिडे ने धीमी और जूझारू पारी खेली। ब्रूक हैलिडे (22) को संधू ने आउट किया। वहीं सोफी डिवाइन (19) सादिया इकबाल का शिकार बनी। मैडी ग्रीन (नौ) को निदा डार ने आउट किया। हालांकि इस दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े उसके बावजूद न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवरों छह विकेट पर 110 रन ही बना सकी। पाकिस्तान की ओर से नाशरा संधू ने तीन विकेट लिये। सादिया इकबाल, निदा डार,ओमाइमा सोहेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आक्रामकता और मजबूत इरादे से खेलेंगे तभी आपका विकास होगा: गंभीर

एजेंसी

बेंगलुरू। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर ने कहा कि मौजूदा दौर में एक ही तरह से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेल सकते, आप आक्रामकता, मजबूत इरादे और बैजबॉल से खेंलेगे तभी मैच में परिणाम मिलेगा और आपका विकास होगा। भारतीय कोच गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले बेंगलुरु में कहा, हम ऐसी टीम बनना चाहते हैं जो एक दिन में 400 रन बना सके और टेस्ट ड्रॉ करने के लिए दो दिन तक बल्लेबाजी कर सके। इसी को आप विकास कहते हैं, इसे ही आप अनुकूलन कहते हैं और इसे आप टेस्ट क्रिकेट कहते हैं। यदि आप केवल एक ही तरीके से खेलते हैं, तो विकास नहीं होता। उन्होंने कहा, अंततः हमारा पहला मकसद मैच जीतना है और फिर अगर ऐसी स्थिति आती है जहां टीम को ड्रॉ के लिए खेलना हो, तो हमें वह विकल्प भी खुले रखने होंगे। यही वह विचारधारा है, जिसके साथ हम टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि लोग आक्रामक हों, हम चाहते हैं कि लोग मैदान पर जाकर अपना स्वाभाविक खेल खेलें। अगर वे एक दिन में 400-500 रन बना सकते हैं, तो क्यों नहीं हम इसी तरह खेले। अधिक जोखिम, अधिक इनाम, अधिक जोखिम, अधिक असफलता। ऐसे दिन भी आएंगे जब हम 100 रन पर सिमट जाएंगे, लेकिन हम अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने कहा, मैं विश्व क्रिकेट की बात नहीं कर सकता। हर टीम की अपनी विचारधाराएं होती हैं, टेस्ट क्रिकेट खेलने के अपने तरीके होते हैं। मैं केवल अपनी टीम की बात कर सकता हूं। यदि हम कभी ऐसी स्थिति में होते हैं, जहां हमें टेस्ट ड्रॉ करने के लिए दो दिन तक बल्लेबाजी करनी पड़े, तो हमारे ड्रेसिंग रूम में ऐसे खिलाड़ी हैं जो दो दिन तक बल्लेबाजी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ÷हम इसी तरह से खेलकर देश के लोगों का मनोरंजन करना और टेस्ट क्रिकेट में किसी भी स्थिति में परिणाम हासिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि न्यूजीलैंड का सामना करना एक पूरी तरह से अलग चुनौती है। हम जानते हैं कि वे बहुत ही अच्छी टीम हैं। उनके पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो हमें नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन हम किसी से डरते नहीं हैं। उन्होंने कहा, ÷मैंने कई बार कहा है कि हम हमेशा हर विपक्षी टीम का सम्मान करेंगे। हम निःस्वार्थ रहना चाहते हैं। हम मैदान पर आक्रामक हो सकते हैं लेकिन जब मैच खत्म हो जाए, तो हम जितने हो सके विनम्र बनना चाहते हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, देखिए, पहली बात यह है कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जून 2025 में है। और दूसरी बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच 22 नवंबर को है। अभी हमारे दिमाग में केवल आगामी टेस्ट सीरीज है और कुछ नहीं।उन्होंने कहा, जब आप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, तो आप यह नहीं सोचते कि ऑस्ट्रेलिया सीरीज के पांच टेस्ट मैचों के लिए कैसे तैयारी करनी है या वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए कैसे तैयारी करनी है। अभी सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 16 नवंबर को सुबह साढ़े नौ बजे के लिए तैयार होना। यह अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि आप इतनी दूर की नहीं सोचते।

अर्जेंटीना को बोलीविया के खिलाफ मैक एलिस्टर की वापसी की उम्मीद

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के मैनेजर लियोनेल स्कोलोनी बोलिविया के खिलाफ़ अपने घरेलू विश्व कप क्वालीफ़ायर के लिए एलेक्सिस मैक एलिस्टर की वापसी का अंतिम क्षण तक प्रतीक्षा करेंगे। मैक एलिस्टर गुरुवार को वेनेजुएला के साथ एल्बिसेलेस्टे के 1-1 से ड्रॉ मैच में चोट के कारण नहीं खेल पाए थे, लेकिन उन्होंने प्रशिक्षण फिर से शुरू कर दिया है और ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोनुमेंटल में होने वाले मैच में खेल सकते हैं। लिवरपूल के मिडफील्डर की फिटनेस के बारे में

पूछे जाने पर स्कोलोनी ने कहा, एलेक्सिस ने सामान्य रूप से प्रशिक्षण लिया और हम आज बाद में निर्णय लेंगे कि वह खेलने के लिए तैयार है या नहीं।

स्कोलोनी ने मैच की शुरुआत में इंटर मिलान के लुटारो मार्टिनेज और एटलेटिको मैड्रिड के जूलियन अल्वारेज़ के साथ आक्रमण करने की संभावना भी जताई। उन्होंने कहा, हमें अभी भी शुरुआती टीम को परिभाषित करने की आवश्यकता है, लेकिन हमारे पास उन दोनों के साथ खेलने की संभावना है।अर्जेंटीना वर्तमान में नौ मैचों में 19 अंकों के साथ 10-टीम दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र की स्टैंडिंग में सबसे आगे है, जो छठे स्थान पर मौजूद बोलीविया से सात अंक आगे है। स्कोलोनी ने अपने खिलाड़ियों से बोलीविया को हल्के में न लेने का आग्रह किया क्योंकि उनका लक्ष्य 1994 के बाद पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का है। स्कोलोनी ने कहा, हम बोलीविया का बहुत सम्मान करते हैं। वे अच्छा खेल रहे हैं और हम किसी भी परिस्थिति में आत्मसंतुष्ट नहीं हो सकते। उनके पास पाँच अच्छे मिडफील्डर हैं। हम जानते हैं कि हमें सतर्क रहना होगा और अपना सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खेलने के लिए तैयार रहना होगा।

हॉकी इंडिया लीग 2024-25 : पुरुष वर्ग में खिलाड़ियों की नीलामी पूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग की सात साल बाद वापसी दो दिवसीय पुरुष नीलामी के साथ हुई जो नई दिल्ली में समाप्त हुई।नीलामी के दौरान भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह सबसे महंगे बिके, उन्हें सूरमा हॉकी क्लब ने 78 लाख रुपये की बोली लगाकर खरीदा, जबकि सबसे महंगी विदेशी खिलाड़ी अर्जेंटीना से जर्मन राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी गोंजालो पेइलट की रही, जिन्हें हैदराबाद तूफान ने 68 लाख रुपये में खरीदा।

मुनव्वर फारूकी भी हैं लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर? मुंबई पुलिस देने जा रही सुरक्षा

12 अक्टूबर की रात एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई. इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली. अब ऐसी जानकारी सामने आई है कि मुंबई पुलिस स्टैंड कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी को भी सुरक्षा देने वाली है. जानकारी के मुताबिक हाल ही में जब मुनव्वर दिल्ली में थे तो वहां कुछ लोगों ने उनका पीछा किया.बाबा सिद्दीकी मर्डर के बाद पुलिस कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहती है, इसलिए पुलिस उन्हें भी सुरक्षा देने वाली है. जानकारी के अनुसार दिल्ली में जो लोग मुनव्वर का पीछा कर रहे थे, उनका कनेक्शन लॉरेंस बिश्नोई गैंग के साथ होने की बात कही जा रही है. दिल्ली में मुनव्वर का पीछा क्यों किया जा रहा था? अगर मुनव्वर लॉरेंस के निशाने पर है तो क्यों है? अभी इसके पीछे की वजह साफ नहीं है. इससे पहले पुलिस ने सलमान खान की भी सुरक्षा बढ़ाई है.

लॉरेंस बिश्नोई ने लिया था सलमान का नाम

दरअसल, बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद 13 अक्टूबर को फेसबुक पर एक पोस्ट करते हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इसकी जिम्मेदारी लेते हुए कहा था, सलमान खान हम ये जंग नहीं चाहते. पोस्ट में ये भी लिखा था, कसी के साथ भी हमारी दुश्मनी नहीं है, लेकिन जो सलमान खान और दाऊद इब्राहिम की मदद करेगा, वो अपना हिसाब-किताब लगाए रखना.यूं तो सलमान को पहले से ही मुंबई पुलिस की तरफ से सुरक्षा मिली हुई है, लेकिन इस पोस्ट के सामने आने के बाद पुलिस और भी ज्यादा सतर्क हो गई और उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई. पहले बांद्रा में मौजूद उनके घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई और उसके बाद पनवेल में सलमान के फार्महाउस पर सेक्योरिटी के कड़े इंतजाम कर दिए गए.बहरहाल, बाबा सिद्दीकी पर मुंबई के बांद्रा ईस्ट में फायरिंग हुई थी. वो अपने बेटे जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर थे. उनपर तीन गोलियां चलाई गई थीं. उसके बाद उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया था, लेकिन उनकी जान नहीं बच पाई.

Bigg Boss 18 : को-स्टार के मुंह से बदबू...रुबीना दिलैक, सुकीर्ति या कोई और? किस पर विवियन डीसेना ने कसा तंज

सलमान खान के 'वीकेंड का वार' पर उम्मीद ये थी कि दबंग खान आकर सब की क्लास लगाएंगे. लेकिन इस बार सलमान ने न किसी भी कंटेस्टेंट की क्लास ली और न ही उनके रवैये को लेकर कोई फटकार लगाई. लेकिन बिग बॉस 18 के पहले 'वीकेंड का वार' पर कंटेस्टेंट के बीच कई सारे मजेदार सेगमेंट का आयोजन किया गया और इन सेगमेंट के दौरान पूछे गए सवाल-जवाब के सिलसिले के बीच कई दिलचस्प खुलासे भी हुए. इस सेगमेंट में ही पूछे गए इस एक सवाल का जवाब देते समय विवियन ने खुलासा किया कि उनकी एक को-स्टार के मुंह से बदबू आती थी.

दरअसल बिग बॉस 18 के लॉन्च पर विवियन के साथ खेले गए रैपिड फायर सेगमेंट के दौरान उन्हें पूछा गया था कि अगर बिग बॉस के घर में वो कभी माउथ फ्रेशनर की मांग करते हैं तो उसके पीछे की वजह क्या होगी? इस सवाल का जवाब देते हुए विवियन ने कहा था कि वो पर्सनल हाइजीन की वजह से ही बिग बॉस के घर में माउथ फ्रेशनर की डिमांड कर सकते हैं, क्योंकि अपने करियर में उन्होंने कई बार इस बदबू का सामना किया है. अब 'वीकेंड का वार' पर बिग बॉस के शो में बतौर मेहमान शामिल हुए राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी ने विवियन डीसेना को उनके लॉन्च वाली वीडियो देखकर एक दिलचस्प सवाल पूछा.

विवियन को चाहिए माउथ फ्रेशनर

विवियन से सवाल पूछा गया कि आपने अपने करियर में किस बात का सामना किया है विवियन? इस सवाल का जवाब देते हुए विवियन ने कहा कि सर, मैंने कई बार बदबू का सामना किया है. मेरे किसी को-एक्टर के पास से किसी जमाने में ये बदबू आती थी. उनकी बात सुनकर राजकुमार राव ने उनसे पूछा कि क्या उनकी को-स्टार प्याज खाकर उनके साथ सीन करने आते थे? उनके सवाल का जवाब देते हुए विवियन बोले, अरे सर, मत पूछिए. प्याज क्या गार्लिक, खाकरा, चाय, स्मोक (सिगरेट का धुआं) सब की बदबू एक साथ आती थी. उनका जवाब सुनने के बाद सलमान ने कहा कि जाहिर सी बात है कि वो आपको बहुत ज्यादा पसंद करती थीं विवियन.

विवियन का खुलासा

इस पूरी बातचीत में विवियन ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि वो किस एक्टर की बात कर रहे हैं. लेकिन जब सलमान ने कहा कि वो आपको पसंद करती होंगी तब उन्होंने कोई ऑब्जेक्शन भी नहीं लिया.

टीवी पर कमबैक करने वाली हैं स्मृति ईरानी? रूपाली गांगुली के शो 'अनुपमा' में लेंगी एंट्री?

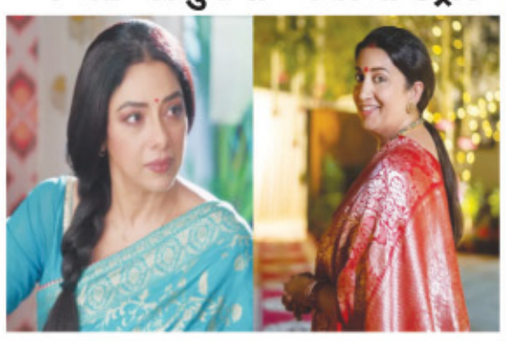

राजन शाही का हिट टीवी शो 'अनुपमा' साल 2020 में अपनी शुरुआत से ही टीआरपी रैंकिंग पर हावी रहा है. 'अनुपमा' ने अब 15 साल की छलांग लगा ली है और कई पिछले किरदारों ने शो को अलविदा भी कह दिया है. इसी बीच, 'अनुपमा' में कुछ नए स्टार्स की एंट्री हो गई है. हर नए एपिसोड के साथ शो ने लोगों को एंटरटेन किया है. अब ऐसी खबर मिली है कि पॉलिटिशियन स्मृति ईरानी 'अनुपमा' में एंट्री ले सकती हैं.हाल ही में 'अनुपमा' के मेकर्स ने लीप के बाद शो का प्रोमो दिखाया था. लीप के बाद शो में काफी कुछ बदलाव किया गया. हालांकि, रूपाली गांगुली, अलीशा परवीन और शिवम खजूरिया शो का हिस्सा रहेंगे. अब ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं कि स्मृति ईरानी 'अनुपमा' में शामिल हो सकती हैं.

अनुपमा का हिस्सा बनेंगी स्मृति ईरानी?

टाइम्स नाउ की रिपोर्ट के मुताबिक स्मृति ईरानी 'अनुपमा' में लीप के बाद हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. ऐसा कहा जा रहा है कि शो में स्मृति ईरानी एक खास कैमियो रूपाली गांगुली के साथ शूट करेंगी. हालांकि, उनके किरदार के बारे में अभी कुछ नहीं पता चला है और मेकर्स की तरफ से इसकी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है.

स्मृति ईरानी का टीवी करियर

स्मृति ईरानी ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू' में तुलसी विरानी के किरदार से टीवी इंडस्ट्री में अपने नाम बनाया था. एकता कपूर के इस शो से उन्होंने खूब वाहवाही बटोरी थी. साल 2000 में, उन्होंने टीवी सीरीज 'आतिश' से अपने एक्टिंग की शुरुआत की और बाद में 'हम हैं कल आज और कल' में दिखाई दीं. इसके बाद, एकता कपूर ने स्मृति ईरानी को 'क्योंकि सास भी कभी बहू' की पेशकश की.साल 2002 में स्मृति ईरानी ने नीतीश भारद्वाज के साथ 'रामायण' में सीता का किरदार निभाया था. फिर 2006 में उन्होंने टीवी शो 'थोड़ी सी जमीन' में को-प्रोड्यूसर का काम किया. इसके बाद 2007 में, उन्होंने टीवी शो 'विरुद्ध' को प्रोड्यूस किया और इसमें लीड रोल निभाया.

राजनीति में बनाया करियर

स्मृति ईरानी ने 2008 में साक्षी तंवर के साथ मिलकर डांस रियलिटी शो 'ये है जलवा' की मेजबानी की थी. साल 2009 में वो कॉमेडी शो 'मणिबेन डॉट कॉम' में नजर आई थीं. उसके बाद स्मृति ईरानी ने टीवी छोड़ दिया और भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गईं.

आमिर खान की आने वाली ये 6 फिल्में, उनको कमबैक का किंग बना देंगी!

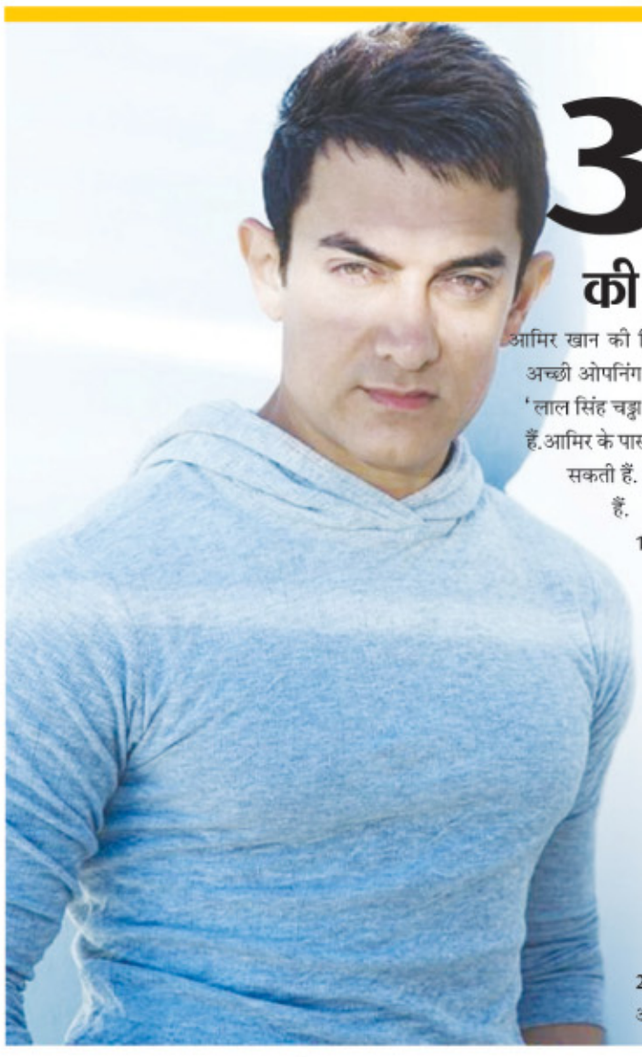

आमिर खान की पिछली दो बड़ी फिल्में फ्लॉप रहीं. 'ठग्स ऑफ हिंदुस्तान' अच्छी ओपनिंग के बावजूद अपना बजट नहीं निकाल पाई. इसके बाद आई 'लाल सिंह चड्ढा' भी बुरी तरह पिट गई. अब वो अपना कमबैक प्लान कर रहे हैं.आमिर के पास इस वक्त कई फिल्में हैं. ये फिल्में उन्हें कमबैक का किंग बना सकती हैं. आइए जरा उनकी आने वाली मूवीज पर एक नजर डाल लेते हैं.

1. लाहौर 1947

'लाहौर 1947' सनी देओल की फिल्म है. इसे राजकुमार संतोषी डायरेक्ट कर रहे हैं. आमिर खान इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं. उनका इस फिल्म में कैमियो भी होने वाला है. उनका रोल फिल्म में कैसा होगा, इसको लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है. फिल्म में सनी देओल के अलावा शबाना आज़मी, प्रीति ज़िंटा, अभिमन्यु सिंह और करण देओल भी अहम भूमिकाओं में होंगे.

2. कुली

आमिर खान 'कुली' में कैमियो करने वाले हैं. ये उनका साउथ में डेब्यू होगा. ये लोकेश कनगराज की फिल्म है. इसे वो बड़े स्केल पर बना रहे हैं. रजनीकान्त फिल्म में लीड रोल कर रहे हैं. उनके साथ पहली बार आमिर स्क्रीन शेयर करेंगे. फिल्म में उनका एक मासी सीक्वेंस होगा. इसे फिल्म के 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले शूटिंग शेड्यूल के दौरान फिल्माया जाएगा. इसमें रजनीकान्त और आमिर खान के साथ नागार्जुन, श्रुति हासन, उपेन्द्र और सत्यराज अहम रोल करेंगे.

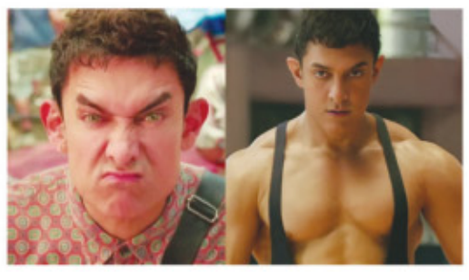

3. हैप्पी पटेल

मशहूर कॉमेडियन वीर दास इस फिल्म को बना रहे हैं. उन्होंने ही इस फिल्म को लिखा भी है. आमिर इसे प्रोड्यूस करेंगे. साथ ही वो इसमें कैमियो भी करते नजर आएंगे. फिल्म में वो डॉन बन सकते हैं. 'हैप्पी पटेल' में इमरान खान का भी कैमियो होने की बात कही जा रही है. ये एक पॉलिटिकल सटायर मूवी हो सकती है.

4. सितारे जमीन पर

आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' बड़ी फ्लॉप रही है. ये हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' का रीमेक थी. इसके बावजूद आमिर एक और रीमेक कर रहे हैं. इस फिल्म का नाम 'सितारे जमीन पर' है. ये 2018 में आई स्पैनिश फिल्म 'चैंपियंस' का रीमेक होगी. ये एक बास्केटबॉल कोच की कहानी है, जो मेंटली चैलेंज बच्चों को ट्रेंड करता है. ये फिल्म मार्च 2025 में आने की संभावना है.